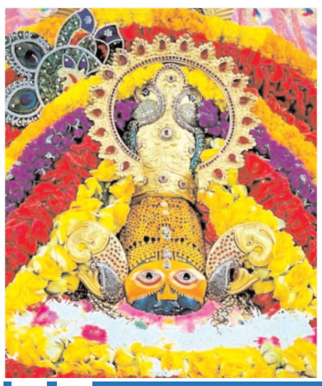

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:355। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 15 अगस्त 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

चमोली में टनल में पानी भरा, 7 मौतें

घटनास्थल जा रहे सांसद की गाड़ी पर बोल्डर गिरा; हिमाचल में रेल ट्रैक पर लैंडस्लाइड

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तराखंड में चमोली जिले के पीपलकोटी में शाम करीब 7 बजे निर्माणाधीन टनल में पानी और मलबा भर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अभी भी टनल में फंसे हैं, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 22 लोग फंसे थे। इसमें 12 मजदूरों को निकाल लिया गया है।

वहीं, घायलों से मिलने जा रहे गढ़वाल सीट से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी की चलती कार पर पहाड़ से एक बोल्डर गिर गया। इससे कार का अगला हिस्सा डैमेज हो गया। हादसे के कुछ देर तक सांसद सीट पर बैठे रहे।

हालांकि, जब ड्राइवर कार से उतरा और उसने देखा कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त है और हेडलाइट टूट गई है। वहीं, यूपी के कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। बिहार के कई जिलों में 13 अगस्त की शाम बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई। छपरा में 45 मिनट की तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में डेढ़ से ढाई फीट तक पानी भर गया। करीब 100 दुकानों में भी पानी घुस गया। राज्य के 18 जिलों में आज आंधी, बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और लैंडस्लाइड ने रेल और सड़क यातायात प्रभावित किया है। कांगड़ा में पठानकोट-बैजनाथ पपरोला रेल सेक्शन पर ट्रैक पर चट्टानें गिरने से 4 ट्रेन सेवाएं अगले आदेश तक रद्द कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने पीपलकोटी में टनल अंदर जाकर लिया हालात का जायजा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सुरंग के भीतर जाकर बचाव कार्यों की स्थिति देखी और अभियान में जुटी टीमों से जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मुख्यमंत्री को अब तक हुए रेस्क्यू अभियान और मौके पर चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी।

खरगे के कार्यक्रम के बाद मंच के शुद्धिकरण पर मायावती नाराज

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण किए जाने की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे अति-निंदनीय और चिंतनीय बताते हुए उत्तराखंड सरकार से मामले की तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

मायावती ने शुक्रवार को जारी अपने एक पोस्ट में कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद दलित होने की वजह से उनके मंच का शुद्धिकरण किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस घटना की जानकारी गुरुवार को संसद के माध्यम से भी देश को मिली। उन्होंने इसे सामाजिक समानता और दलित सम्मान से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की।बसपा प्रमुख ने कहा कि उत्तराखंड सरकार को इस मामले में बिना किसी देरी के कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने जातिवादी और सामंती मानसिकता वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनों के तहत कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज में

भेदभाव की मानसिकता को बढ़ावा देती हैं और इन्हें किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। मायावती ने अपने पोस्ट में एक बड़े संगठन के मुखिया की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर उन्हें गंभीरता से विचार करना चाहिए, खासकर ऐसे समय में जब आर्थिक रूप से कुछ मजबूत हुए दलितों को आरक्षण से वंचित करने की बात कही जा रही है। उन्होंने संकेत दिया कि सामाजिक भेदभाव और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक दृष्टिकोण के साथ विचार किया जाना जरूरी है।

असम में बाढ़ का प्रकोप हुआ कुछ कम, 370 गांवों के 77542 नागरिक प्रभावित

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ का प्रकोप कुछ कम हुआ है। अब 370 गांवों के 77542 नागरिक प्रभावित हैं। बाढ़ की स्थिति में सुधार के बीच धनसिरी नदी (नुमलीगढ़) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रभावित लोग राहत शिविरों से अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं। क्षतिग्रस्त आवास संरचनाओं और बचे हुए घरों की मरम्मत एवं साफ-सफाई का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। प्रभावितों की मदद का कार्य सरकारी एवं निजी स्तर पर भी जोरशोर से चलाया जा रहा है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 13 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी उफान पर है। राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 104 दर्ज की गई है। वर्तमान समय में 7 जिले बाढ़ प्रभावित है। प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, नगांव, होजाई, जोरहाट, दरंग

एवं लखीमपुर हैं। बाढ़ से इन जिलों के 22 राजस्व मंडलों के कुल 370 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 77542 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 9908.85 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। समयऔर कैलेंडर बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अभी भी 38 राहत शिविर एवं 32 राहत वितरण केंद्र संचालित हैं। इनमें 6639 लोग आश्रय लिए हुए हैं।

शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 125 है। इस जिले में 10 पक्के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक जुटे हुए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा दिल्ली एम्स में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को गुरुवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद यहां के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उनकी विस्तृत जांच की, जिसमें उनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी भी की गई। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। एम्स की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को असहजता की शिकायत के बाद अस्पताल में जांच के लिए लाया गया था। चिकित्सकों ने उनकी विस्तृत चिकित्सकीय जांच की, जिसमें कोरोनरी एंजियोग्राफी भी शामिल है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में उनका इलाज चल रहा है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

राहुल गांधी के बयान पर अनुराग ठाकुर का पलटवार

भाषा और राजनीतिक शैली पर साधा निशाना

‘अशोभनीय टिप्पणियों और संवैधानिक पदों के अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता’

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीतिक भाषा और उनके रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजनीति में मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन अशोभनीय टिप्पणियों और संवैधानिक पदों के अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस और राहुल गांधी को लगातार तीन बार नकारा है और अब वे गाली-गलौज की राजनीति पर उतर आए हैं। उन्होंने राहुल गांधी की भाषा को अमर्यादा और अहंकार

से भरी बताते हुए कहा कि उनके बयानों से कांग्रेस की मानसिकता उजागर होती है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी को महिला विरोधी भी बताया। उन्होंने कहा कि वे महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। उन्होंने विदेशी महिला पर अमर्यादित टिप्पणी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी राहुल गांधी और कांग्रेस की सोच को दर्शाती है। ठाकुर ने राहुल गांधी के संस्कार और राजनीतिक आचरण पर भी सवाल खड़े किए। अनुराग ठाकुर ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की भूमिका पर भी हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सदन और सड़क, दोनों जगह असफल रहे हैं। ठाकुर के मुताबिक, संसद में उन्होंने चर्चा नहीं होने दी और जब चर्चा का अवसर आया तो पेपर लीक के मुद्दे पर ठोस सुझाव देने में भी असफल रहे। उन्होंने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी दूसरों को अलग तरह का भाषण देती है, जबकि खुद उसका आचरण अलग होता है।

एनसीबी ने भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र बसोया की वापसी सुनिश्चित की: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र सरकार की ‘जीरो टॉलरेंस’ नीति के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बड़ी सफलता मिली है। एनसीबी ने विदेश में छिपे अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर वीरेंद्र सिंह बसोया उर्फ वीरू को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। बसोया को शुक्रवार तड़के नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर हिरासत में ले लिया गया। गृह मंत्रालय ने बताया कि एनसीबी के अनुरोध पर इंटरपोल ने बसोया के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था, जिसके आधार पर उसे इस साल जून में यूएई में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय एजेंसियों के लगातार समन्वय और यूएई अधिकारियों के सहयोग से उसे भारत वापस लाया गया। बसोया दिल्ली के सरोजिनी नगर

‘एनसीबी के अनुरोध पर इंटरपोल ने बसोया के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था’

इलाके के पिलंजी का रहने वाला है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा कि मोदी सरकार विदेश में छिपे ड्रग तस्करों का लगातार पीछा कर रही है और उनके पूरे तंत्र को नष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति में एनसीबी ने यूएई से भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को वापस लाकर एक नया मुकाम हासिल किया है। ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक अपराधी का पता लगाने की रणनीति के जरिए एजेंसियों ने फिर साबित किया है कि ड्रग तस्कर दुनिया में कहीं भी छिप जाएं, भारतीय कानून की पहुंच से बच नहीं सकते।

कोडरमा के सतगावां में कांवड़ियों से भरी बस ट्रक से टकराई

तीन कांवड़ियों की मौत

एजेंसी

कोडरम। झारखंड के कोडरमा जिले के सतगावां थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह कांवरियों से भरी एक बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। पोखरडीहा मोड़ के पास हुए इस हादसे में तीन कांवरियों की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान 10 वर्षीय शिवम कुमार, उसकी दादी सुंदर बाला (60) और चचेरे दादा नवल किशोर (60) के रूप में हुई है। बताया गया कि बस में करीब 45 कांवरिया सवार थे और सभी नेपाल के रौहट जिले के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, कांवरियों का जत्था करीब चार दिन पहले देवघर पहुंचा था। बाबा बैद्यनाथ के दर्शन के बाद शुक्रवार सुबह बस देवघर से बिहार के राजगीर के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान सतगावां थाना क्षेत्र के पोखरडीहा मोड़ के पास चालक को झपकी आ गई। इससे बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री बस के भीतर फंस गए।

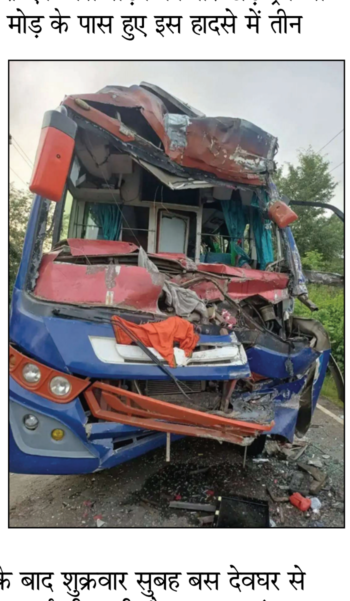

राष्ट्रपति ने अमृत उद्यान के ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव का किया उद्घाटन

16 अगस्त से आम जनता के लिए खुलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान के ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव-2026 का उद्घाटन किया। अमृत उद्यान 16 अगस्त से 15 सितंबर तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। इस दौरान उद्यान प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक खुला रहेगा और अंतिम प्रवेश शाम पांच बजे तक दिया जाएगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, रखरखाव के लिए अमृत उद्यान प्रत्येक सोमवार को बंद रहेगा। उद्यान में प्रवेश नि:शुल्क होगा लेकिन आगंतुकों के लिए केवल ऑनलाइन पूर्व बुकिंग अनिवार्य होगी। मौके पर बुकिंग की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। किसी भी दिन के लिए ऑनलाइन बुकिंग उससे एक दिन पहले सुबह 10 बजे बंद हो जाएगी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को खिलाड़ियों और शिक्षक दिवस के अवसर पर पांच सितंबर को शिक्षकों के लिए अमृत उद्यान में विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त प्रवेश की व्यवस्था की गई है। आगंतुकों का प्रवेश और निकास नॉर्थ एवेन्यू रोड के निकट स्थित गेट संख्या-35 से होगा। आगंतुक अपने साथ मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबी, पर्स, हैंडबैग, पानी की बोतल, शिशुओं के लिए दूध की बोतल और छाता ले जा सकेंगे। इनके अलावा किसी अन्य वस्तु को भीतर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। आगंतुकों की सुविधा के लिए भ्रमण मार्ग पर पेयजल, प्राथमिक उपचार केंद्र, वर्षा आश्रय और शौचालय की व्यवस्था की जाएगी।

‘भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें’

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए डोभाल

देश के दुश्मनों को दिया संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा है कि भारत की उदारता और सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का मुख्य उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि देश जोखिम उठाने और कड़ा प्रहार करने की क्षमता रखता है, भले ही उसके परिणाम कुछ भी हों।

डिस्कवरी की आने वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज ‘डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर’ में बातचीत के दौरान डोभाल ने कहा कि 88 घंटे तक चले इस सैन्य अभियान का मकसद दुश्मन के उन आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था, जो खास तौर पर पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने पहले इंटरव्यू में डोभाल ने कहा,'हमने ऑपरेशन का मकसद दुश्मन के कैंपों को नष्ट करना तय किया था, खासकर उन कैंपों को जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार थे।' उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के लिए संदेश बहुत साफ है भारत की उदारता या सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। भारत जोखिम उठा सकता है, भारत कड़ा प्रहार कर सकता है, चाहे नतीजे कुछ भी हों। डिस्कवरी ने एक बयान में कहा कि दो हिस्सों वाली यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े फैसलों और घटनाक्रम को सामने लाने के लिए भारत के सैन्य और राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व को एक साथ लेकर आती है। इसमें उन लोगों के प्रत्यक्ष अनुभव भी शामिल हैं, जिन्होंने भारत की जवाबी कार्रवाई की निगरानी की थी। डिस्कवरी के मुताबिक, शो में अजीत डोभाल सैन्य जवाबी कार्रवाई के पीछे लिए गए फैसलों और उसे अंजाम देने के संकल्प के बारे में विस्तार से बताएंगे। ‘डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर’ का प्रीमियर शनिवार रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल और स्ट्रीमिंग सर्विस डिस्कवरी+ पर होगा।

सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पूछा कि इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया मध्यस्थ बच्चों के यौन शोषण के मामलों की रिपोर्ट पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों को क्यों नहीं दे रहे हैं। 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा था कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना और डाउनलोड करना एक जुर्म है और सोशल मीडिया इंटरमीडियरी के लिए ऐसे कंटेंट की रिपोर्ट पुलिस को करना जरूरी है। अगर सोशल मीडिया इंटरमीडियरी ऐसे मामलों की रिपोर्ट पुलिस को नहीं करते हैं तो वे क्रिमिनल तौर पर जवाबदेह बन जाते हैं। एक एनजीओ जस्ट राइट्स फॉर चाइल्ड की तरफ से दायर एक अर्जी में सुप्रीम कोर्ट में कहा गया था कि केंद्र और सोशल मीडिया इंटरमीडियरी सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले का पालन नहीं कर रहे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया और पूछा कि सोशल मीडिया इंटरमीडियरी चाइल्ड पोर्नोग्राफी की रिपोर्ट पुलिस को क्यों नहीं कर रहे हैं?

ग्राम छिपा में 7 वर्षों से समाज से बहिष्कृत गोपीराम वर्मा एवं उनके परिवार को पुनः समाज में शामिल कराया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ प्रशासन एवम पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सामाजिक सद्भाव एवं आपसी भाईचारा बनाए रखने की दिशा में मानवीय पहल करते हुए ग्राम छिपा में विगत लगभग 06 वर्षों से समाज से बहिष्कृत गोपीराम वर्मा एवं उनके परिवार को पुनः समाज की मुख्यधारा में शामिल कराया गया। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा मामले की जानकारी लेकर तहसीलदार श्री चिराग रामटेके महोदय के साथ थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक श्री सुमन जायसवाल के नेतृत्व में ग्राम छिपा पहुंचकर संबंधित पक्षों एवं समाज के लोगों से चर्चा की गई। आपसी मतभेदों एवं विवाद का शांतिपूर्ण ढंग से निराकरण कराते हुए गोपीराम वर्मा एवं उनके परिवार को पुनः समाज में सम्मिलित कराया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं समाज के लोगों को आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता एवं सद्भाव बनाए रखने तथा भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद को आपसी चर्चा एवं प्रशासन के सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से निराकृत करने हेतु समझाइश दी गई। डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा जनता एवं पुलिस के बीच विश्वास एवं समन्वय मजबूत करने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मामला पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के संज्ञान में आने से बालक के भविष्य के लिए राजनंदगांव पुलिस ने की उचित व्यवस्था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। प्रार्थी निवासी चमगेंदरी पारा, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा थाना डोंगरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09-08-2026 को उसका नाबालिग पुत्र हाई स्कूल ग्राउंड में खेलने गया था। इस दौरान लगभग 10 वर्षीय नाबालिग बालक द्वारा उसके पुत्र को आहत किया गया । जिसे रोजनामचा सान्हा में रिपोर्ट दर्ज कर संरक्षणात्मक अभिरक्षा में लिया गया।

पूछताछ एवं जानकारी से यह तथ्य सामने आया कि उक्त बालक के पिता कई वर्षों पूर्व मर्डर से उसकी मृत्यु हो चुकी थी तथा बालक की माता भी उसे छोड़कर कहीं चली गई है। बालक अपने घर में अकेला रहता था तथा नशा करने एवं लड़ाई-झगड़ा करने का आदी हो गया था। बालक की परिस्थितियों एवं उसके सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए राजनांदगाँव पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने बालक के भविष्य को संज्ञान में लेते हुए उसे उचित स्थान पर रखने हेतु, जहाँ उसके रहने, खा़न पान की व्यवस्था एवं नशे की लत को छुड़वाने का उचित संसाधन हो, ऐसी व्यवस्था करने हेतु मार्गदर्शन एवं निर्देश दिया जिस पर से डोंगरगढ़ डीएसपी प्रोबेशनर सुश्री सुमन जायसवाल वर्तमान थाना प्रभारी डोंगरगढ़ के द्वारा उसे न्यायालय/बाल कल्याण समिति, राजनांदगांव के समक्ष प्रस्तुत कर आवश्यक काउंसलिंग एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। इसके पश्चात बालक के बेहतर भविष्य एवं पुनर्वास के उद्देश्य से उसे नई उम्मीद नशा मुक्ति केंद्र, रायपुर में दाखिल कराया गया। डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही केवल वैधानिक प्रक्रिया तक सीमित न रहकर एक असहाय नाबालिग बालक के सुरक्षित भविष्य, संरक्षण, सुधार एवं पुनर्वास की दिशा में मानवीय पहल का उदाहरण है। सुश्री अंकिता शर्मा, पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव, कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा केशरी नंदन नायक, एसडीओपी डोंगरगढ़ के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल द्वारा मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए सार्थक पहल की गई। उक्त कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक मुजीब रहमान कुरैशी आरक्षक नरेंद्र प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा।

लंदन की टेम्स को तमसा नदी का नाम दिया गया – जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लंदन। लंदन की टेम्स नदी के तट पर भव्य संत संसद का आयोजन हुआ, जिसका सफल संचालन नेटवर्क टेन के मुख्य संपादक संजय गिरी जी महाराज ने किया। इस कार्यक्रम की व्यवस्था सिद्धाश्रम के पीठाधीश्वर राजराजेश्वर गुरु जी द्वारा की गई थी। इस अवसर पर भारत सहित पूरे विश्व से पधारे संतों और भक्तों ने एक साथ क्रूज़ पर हनुमान जी का पूजन-पाठ किया एवं सुंदरकांड का पाठ संपन्न कराया।

सभी उपस्थित जनों की भक्ति भावना और 'जय सनातन, जय श्री राम' के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर उपस्थित सभी संतों ने टेम्स नदी को 'तमसा नदी' के रूप में सम्मान देते हुए कहा कि जिस प्रकार भारत की नदियों के प्रति श्रद्धा और पवित्र दृष्टिकोण है, उसी प्रकार लंदन की यह ऐतिहासिक और ज्ञानदायिनी नदी भी अब पवित्र मानी जाएगी। इसी क्रम में सभी संतों ने विधिवत रूप से टेम्स नदी में 21 लीटर गंगाजल प्रवाहित कर इसे पवित्र किया। संतों ने कहा कि अब लंदन में रहने वाले हिंदू समाज के लोग सरकार की सहमति के साथ यहाँ पूजन-पाठ एवं छठ पूजन कर सकते हैं। इससे भारत की भांति लंदन की टेम्स नदी के प्रति भी एक पवित्र दृष्टिकोण स्थापित होगा, जो अपने पर्व-त्योहारों को मनाने का माध्यम बनेगी। जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि यहाँ के हिंदुओं के लिए तमसा नदी संत संसद की ओर से एक अनमोल उपहार है। उन्होंने कहा – 'हम तो इसका नामकरण कर सकते हैं, बाकी कार्य आप सबको करना है। हम सनातनियों की पताका पूरे विश्व में लहराएगी, क्योंकि विश्व वसुधैव कुटुम्बकम है, पूरा विश्व एक परिवार है और आपसी प्रेम-भाईचारे से ही सबको जोड़ा जा सकता है।' 21 लीटर गंगाजल प्रवाहित करने के पश्चात उन्होंने कहा कि यह टेम्स नदी अब तमसा नदी के समान पवित्र हो चुकी है। इस अवसर पर पंडोखर सरकार ने सभी के लिए मंगल कामना की और कहा कि यह अब पवित्र तमसा नदी बन चुकी है। महामंडलेश्वर उमाकांत आनंद जी महाराज ने वैदिक संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। श्री महंत नारायण गिरी जी महाराज ने कहा कि पूरे विश्व में सनातन की पताका लहराएगी। नेटवर्क टेन के मुख्य संपादक संजय गिरी जी ने कहा कि यह संत संसद अब पूरे विश्व में आयोजित होगी। कार्यक्रम में गोवा स्वामी जी ने योग एवं वैदिक शिक्षा पर अपने विचार रखे, वहीं पूज्य माताजी ने विश्व भर की बेटियों को अपनी सनातन संस्कृति की ओर लौटने का आह्वान किया।

नवापुर में कथित जुए के अड्डों का नेटवर्क?

नवापुर में बेखौफ फल-फूल रहा कथित जुए का कारोबार! महाराष्ट्र-गुजरात बॉर्डर पर लाखों-करोड़ों के दांव की चर्चा, पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नंदुरबार। महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर बसे नवापुर में कथित बड़े पैमाने पर अवैध जुए के अड्डे संचालित होने के आरोपों ने पुलिस और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और सूत्रों के दावों के मुताबिक, नवापुर थाना क्षेत्र में लंबे समय से जुए के ठिकाने सक्रिय हैं, जहां रोजाना लाखों-करोड़ों रुपये के दांव लगाए जाने की चर्चा है। आरोप यह भी है कि इन ठिकानों तक गुजरात के वापी, वलसाड, सूरत, भरूच और अंकलेश्वर समेत कई शहरों से जुआ खेलने वाले पहुंच रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सामने आए आरोपों के अनुसार, जन तालाब हनुमान मंदिर के पास और जिंदल पेट्रोल पंप के पीछे स्थित एक बंगले में कथित तौर पर हाईप्रोफाइल लोगों के लिए जुए की व्यवस्था किए जाने की चर्चा है। इसके अलावा विसारवाड़ी क्षेत्र में एकता होटल के पीछे बने पक्के शेड को भी कथित जुआ गतिविधियों का ठिकाना बताया जा रहा है। यहां 'आसरो' और 'ट्रन पट्टी' जैसे खेलों में बड़ी रकम लगाए जाने के दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। सूत्रों और स्थानीय लोगों का कहना है कि कथित जुए के ठिकानों पर केवल नवापुर या आसपास के लोग ही नहीं, बल्कि पड़ोसी गुजरात के औद्योगिक शहरों से भी लोग पहुंचते हैं। इन स्थानों के आसपास महंगी और लग्जरी गाड़ियों की आवाजाही को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि इतनी बड़ी गतिविधि नियमित रूप से संचालित हो रही है तो पुलिस और प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ रही। इसी सवाल को लेकर क्षेत्र में चर्चा और नाराजगी दोनों बढ़ती जा रही है। मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों का दावा है कि कथित जुए के अड्डों की

जानकारी नवापुर पुलिस थाने के अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक भी पहुंचाई गई है। इसके बावजूद किसी बड़ी कार्रवाई के सामने नहीं आने से शिकायतकर्ताओं में असंतोष है। कुछ लोगों ने कथित पुलिस संरक्षण और मासिक 'किश्त' दिए जाने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पुलिस अधिकारियों का पक्ष भी फिलहाल सामने नहीं आया है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष और वरिष्ठ स्तर की जांच की मांग जोर पकड़ रही

है। कथित जुआ नेटवर्क को लेकर सबसे गंभीर आरोप शिकायतकर्ताओं और पत्रकारों को धमकाए जाने से जुड़े हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जुए के कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला केवल अवैध जुए तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से भी सीधे जुड़ जाएगा। लोगों की मांग है कि शिकायत करने वाले नागरिकों और पत्रकारों को डराने-धमकाने के आरोपों की भी अलग से जांच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने नवापुर में पहले हुई पुलिस कार्रवाई का हवाला देते हुए वर्तमान स्थिति पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अतीत में कथित जुए के अड्डों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया गया था और लापरवाही के आरोपों के चलते संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी हुई थी। पुराने मामले का उदाहरण सामने रखते हुए नागरिकों का सवाल है कि यदि अब भी ऐसे ठिकाने सक्रिय होने के आरोप हैं तो वरिष्ठ अधिकारी इस बार कितनी गंभीरता से कार्रवाई करेंगे। मामले में अब स्थानीय स्तर पर एक बड़े पुलिस अभियान और संभावित छापेमारी की मांग उठने लगी है। नागरिक चाहते हैं कि जिन स्थानों का उल्लेख शिकायतों में किया जा रहा है, उनकी गोपनीय तरीके से जांच कराई जाए और आरोप सही पाए जाने पर जुआ संचालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही यदि किसी स्तर पर पुलिस या प्रशासन की लापरवाही सामने आती है तो उसकी जिम्मेदारी भी तय की जाए। नवापुर में कथित अवैध जुए के अड्डों को लेकर उठ रहे आरोप अब सिर्फ स्थानीय चर्चा का विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि पुलिस प्रशासन की जवाबदेही का मुद्दा बनते जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या कानून व्यवस्था के बीच कथित जुआ नेटवर्क को वास्तव में संरक्षण मिल रहा है, या फिर शिकायतों के बाद जल्द ही कोई बड़ी कार्रवाई सामने आएगी। फिलहाल इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है, लेकिन स्थानीय लोगों की निगाहें अब नंदुरबार पुलिस और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

सिंधु भवन रोड पर ग्वालिया रेस्टोरेंट के महंगे घेवर से बाल निकले

कस्टमर ने लापरवाही से फोन करके कहा- क्या करूं?,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सबसे पॉश माने जाने वाले सिंधु भवन रोड पर मशहूर 'ग्वालिया रेस्टोरेंट' से खरीदे गए महंगे घेवर से बाल निकलने का मामला सामने आया है। बावला के एक कस्टमर ने जब इस बारे में रेस्टोरेंट मैनेजर से बात की तो दुकानदार ने लापरवाही से जवाब दिया कि क्या करूं? कस्टमर ने लीगल एक्शन लेने को कहा तो रेस्टोरेंट मैनेजर ने कहा कि ठीक है।

कस्टमर का प्रेजेंटेशन और मैनेजर का घमंड भरा जवाब

बावला के मौलिकभाई भरवाड़ ने सिंधु भवन रोड पर ग्वालिया रेस्टोरेंट से घेवर मिठाई का पार्सल लिया था। जब उन्होंने घर जाकर पार्सल खोला तो घेवर से बाल निकला, जिसका उन्होंने वीडियो बनाकर रेस्टोरेंट के इंचार्ज को भेज दिया। वीडियो देखने के बाद मैनेजर ने बाल होने की बात मानी, लेकिन अफ़सोस जताने के बजाय, 'आपको क्या करना चाहिए?' जैसा गैर-ज़िम्मेदाराना जवाब दिया। कस्टमर ने जब लीगल एक्शन की चेतावनी दी, तब भी मैनेजर ने सिर्फ़ 'ठीक है' कहकर बात खत्म कर दी। मौलिकभाई ने गुस्से में पूछा, 'अगर यह बच्चा इसे खा लेता तो क्या होता? यह मेरे हाथ में आ गया, नहीं तो यह बच्चे के पेट में चला जाता, तो इसकी ज़िम्मेदारी किसकी होती?' यह कहते हुए, 'अब आप क्या करना चाहते हैं?' रेस्टोरेंट ने बार-बार ऐसा ही जवाब दिया।गौरतलब है कि ग्वालिया रेस्टोरेंट शहर का एक मशहूर रेस्टोरेंट और स्वीट मार्ट है। पॉलिटिकल पार्टियां भी अपने प्रोग्राम के लिए ग्वालिया स्वीट्स से फ़ूड पैकेट ऑर्डर करती हैं। आने वाले त्योहार में जब बड़े पैमाने पर मिठाइयां बिकेंगी, तो साफ़-सफ़ाई के नियमों का कितना पालन हो रहा है? इसकी जांच ज़रूरी हैनगर निगम का फ़ूड डिपार्टमेंट कुछ तरह के रेस्टोरेंट और स्वीट मार्ट के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिन्हें नेताओं और अधिकारियों का सपोर्ट है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में रेस्टोरेंट को सील करने की सख़्त कार्रवाई करेगा या सिर्फ़ जुर्माना लगाएगा।

शिलाज के आनंद निकेतन स्कूल में हंगामा बजरंग दल ने ताला तोड़ा और अंदर जाकर प्रार्थना की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आनंद निकेतन स्कूल विवादों में घिरा हुआ है। कैंटीन के खाने में कांच के टुकड़े मिलने और किताब विवाद को लेकर बजरंग दल ने जमकर विरोध किया। कर्मचारियों ने ताला तोड़ा और स्कूल के अंदर घुसकर प्रार्थना और राष्ट्रगान गाया। मैनेजमेंट ने 3 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया और सस्पेंड कर दिया। शिक्षा विभाग ने कैंटीन के नियमों का उल्लंघन करने पर ?10,000 का जुर्माना लगाया। अब स्कूल में रेगुलर प्रार्थना होगी। अहमदाबाद के शिलाज इलाके का मशहूर आनंद निकेतन स्कूल पिछले कुछ दिनों से विवादों में घिरा हुआ है। आज स्कूल की कैंटीन के खाने में कांच के टुकड़े मिलने और किताब विवाद को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्कूल में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं ने स्कूल के मेन गेट का ताला तोड़ दिया और स्कूल के अंदर प्रार्थना और राष्ट्रगान गाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस घटना के समय टीचर ऑफिस में ही थे और किसी से बातचीत नहीं की।

स्कूल मैनेजमेंट की बड़ी कार्रवाई: तीन कर्मचारी बर्खास्त-सस्पेंड

विवाद बढ़ने पर स्कूल मैनेजमेंट ने पूरे मामले पर एजुकेशन डिपार्टमेंट को रिपोर्ट सौंपी है और अंदर ही अंदर अहम फैसले लिए हैं। स्कूल में करिकुलम डिज़ाइनर और एजुकेशन कंसल्टेंट के तौर पर काम कर रहे मुंजा सैम्स को तुरंत बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा, दो सुपरवाइज़र को सस्पेंड कर दिया गया है और कैंटीन इंचार्ज के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई है। स्कूल ने नए प्रिंसिपल को अपॉइंट करने का प्रोसेस भी शुरू कर दिया है।

किताब विवाद और प्रार्थना पर सफाई

विवादित किताब के बारे में स्कूल ने एजुकेशन डिपार्टमेंट को साफ किया है कि उसका किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। स्कूल ने भविष्य में ऐसे मामलों का खास ध्यान रखने का भरोसा दिया है। इसके साथ ही, डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर (छ्श्वह्र) के सामने यह भरोसा दिया है कि अब स्कूल में रेगुलर प्रार्थना होगी। कैंटीन पर जुर्माना और पढ़ाई के काम का हाल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने कैंटीन के नियमों को तोड़ने पर स्कूल पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। अब फूड एंड सेफ्टी डिपार्टमेंट से मंजूरी मिलने के बाद ही कैंटीन दोबारा खोली जा सकेगी। इस घटना के बाद पिछले दो दिनों से स्कूलों में आमने-सामने की पढ़ाई बंद कर दी गई थी और स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का इंतज़ाम किया गया था। हालांकि, कल से स्कूल में आमने-सामने की पढ़ाई फिर से शुरू होने की उम्मीद है। छ्श्वह्र रोहित चौधरी ने कहा है कि एजुकेशन डिपार्टमेंट इस पूरे मामले पर लगातार नज़र रख रहा है और स्कूल को सभी नियमों का सख्ती से पालन करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

मनपसंद जिमखाना पर SMC की रेड के बाद बड़ी कार्रवाई दरियापुर पुलिस स्टेशन के PI समेत तीन पुलिसवाले सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दरियापुर। अहमदाबाद के दरियापुर मनपसंद जिमखाना पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की रेड के बाद पुलिस चीफ ने तीन पुलिसवालों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें दरियापुर पुलिस स्टेशन के PI जीवी गोहिल, सर्विलांस स्क्वॉड के PSI चौधरी, डबगरवाड़ चौकी के PSI एएम परमार शामिल हैं। दरियापुर पुलिस स्टेशन का चार्ज शाहीबाग पुलिस स्टेशन के PI को सौंप दिया गया है।

2 अगस्त को मनपसंद जिमखाना क्लब में चल रहे एक हाई-प्रोफाइल जुए के अड्डे का पर्दाफाश हुआ था। लोकल पुलिस को अंधेरे में रखकर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की रेड में 187 जुआरी भारी रकम के साथ पकड़े गए थे 4 अगस्त को सभी आरोपियों को 4 पुलिस और 1 AMTS बस में मेट्रो कोर्ट में पेश किया गया। सरकारी वकील तृप्ति व्यास की दलील के बाद कोर्ट ने 9 आरोपियों को 4 दिन की रिमांड पर लिया, जिसके बाद से वे जेल में हैं, जबकि 178 आरोपियों को बेल मिल गई। दरियापुर पुलिस ने आंखें मूंद लीं! यह जानते हुए भी कि गोविंद उर्फ गामा पटेल दरियापुर में मौजूद मनपसंद जिमखाना क्लब में अक्सर जुए का अड्डा चला रहा था, लोकल दरियापुर पुलिस और शहर की पुलिस एजेंसियां आंखें मूंदे बैठी थीं। हालांकि पहले भी इस जगह से जुआ पकड़ा गया था, लेकिन लोकल लेवल पर कोई सख्त चेकिंग या एक्शन नहीं लिया गया। 2021 में भी गामा 180 से ज़्यादा जुआरियों के साथ पकड़ा गया था। 2021 में भी मनपसंद जिमखाना SMC की रेड में 183 जुआरी पकड़े गए थे और 85 लाख रुपये का माल ज़ब्त किया गया था, जिसमें लापरवाही के लिए उस समय के दरियापुर PI, PSI समेत 12 पुलिसवालों को सस्पेंड किया गया था। मनपसंद जिमखाना क्लब D कंपनी स्टाइल में जुआ मनपसंद जिमखाना क्लब को D कंपनी' स्टाइल में गोवा के कसीनो जैसा माहौल बनाकर चलाया जाता था।

डभोई में सड़क गड्डें में है या सड़क में गड्डें ? बदलाव के बावजूद शहरवासियों की परेशानी जस की तस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई. सड़क गड्डें में है या सड़क में गड्डें ? बदलाव के बावजूद शहरवासियों की परेशानी जस की तस, लोगों में भारी गुस्सा डभोई नगर पालिका क्षेत्र की सड़कों की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है। पूरे शहर की मुख्य सड़कों से लेकर अंदरूनी सड़कें खराब हो चुकी हैं, ऐसे में यह पहचानना मुश्किल हो गया है कि सड़क गड्डें में है या गड्डें में गड्डें

नगर पालिका चुनाव में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान कर सत्ता परिवर्तन कर कांग्रेस को सत्ता सौंपी थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बावजूद मानो शहरवासियों की किस्मत नहीं बदली, विकास के नाम पर कोई ठोस काम न होने से लोगों में गहरा गुस्सा है। डभोई कस्बे में जहां भी नजर डालो, सिर्फ गड्डें का साम्राज्य ही नजर आता है। खासकर महुडी भागोल, एस.टी. डिपो रोड, जनता नगर और नवी नगरी, राणा होटल से स्टेशन रोड, स्टेट बैंक एरिया, काजीवाड़ मस्जिद के आस-पास का एरिया–ये सभी बड़े और हमेशा चहल-पहल वाले इलाके गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों के लिए खतरनाक हो गए हैं क्योंकि बड़े-बड़े गड्डें हो गए हैं, जिससे गुजरना खतरनाक हो गया है। दोपहिया वाहन सवार अक्सर फिसलकर घायल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, नगर निगम अधिकारियों को बार-बार लिखकर और बोलकर बताने के बावजूद नतीजा ज़ीरो रहा है। प्रशासन सिर्फ दिखावे के लिए को मिट्टी या मेटल-बजरी से भरकर संतुष्ट हो जाता है। यह भराव गाड़ियों के आने-जाने और बारिश की आम बौछारों में बह जाता है, जिससे हालात वैसे ही बने रहते हैं। इमरजेंसी और गर्भवती महिलाओं के लिए सड़कें मुसीबत बनीं खराब सड़कों ने आम जीवन पर असर डाला है, लेकिन सबसे गंभीर स्थिति बीमार मरीजों और डिलीवरी के लिए ले जाई जा रही महिलाओं की है।

प्रेसिडेंट पुलिस मेडल की घोषणा, गुजरात के 19 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा

अमितकुमार विश्वकर्मा और बहादुरसिंह चुडासमा को विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात के कुल 19 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस-2026 के मौके पर पुलिस सेवा में विशिष्ट काम और लंबे समय तक बेहतरीन सेवा के लिए दिए जाने वाले प्रेसिडेंट मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस के लिए चुना गया है। केंद्र रकार की ओर से जारी लिस्ट में गुजरात के अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम शामिल हैं। गुजरात से चुने गए 19 पुलिसकर्मियों में एडिशनल डायरेक्टर जनरल लेवल का एक अधिकारी, एक डिप्टी सुपरिटेंडेंट, एक इंस्पेक्टर, दो आर्म्ड पुलिस सब इंस्पेक्टर/सब इंस्पेक्टर लेवल और एक सब इंस्पेक्टर, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर और हेड कांस्टेबल शामिल हैं।

देश भर में सम्मानित हुए पुलिस अधिकारी

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर घोषित प्रेसिडेंट मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस की लिस्ट में देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। गुजरात के 19 पुलिसकर्मियों को मिला यह सम्मान राज्य की पुलिस सेवा में उनके लंबे समय तक के खास और समर्पित काम के रिकॉर्ड के तौर पर देखा जाता है।

जानें इन अवॉर्ड्स के बारे में...

वीरता मेडलः यह किसी व्यक्ति को वीरता के दुर्लभ और असाधारण काम, जान और माल बचाने, अपराध रोकने और अपराधियों को पकड़ने में असाधारण बहादुरी के लिए दिया जाता है। संबंधित अधिकारी की ज़िम्मेदारी और ड्यूटी को ध्यान में रखते हुए जोखिम का अंदाज़ा लगाया जाता है।

राष्ट्रपति सेवा मेडलः यह PSM सर्विस में खास खास रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है।

मेरिटोरियस सेवा मेडलः यह मेडल सर्विस रिसोर्स और ड्यूटी के प्रति समर्पण के साथ दी गई कीमती सेवा के लिए दिया जाता है।

देहगाम के पलुंद्रा में खुलेआम ज़ुआ खेलते 7 लोग पकड़े गए देहगाम पुलिस ने 27,420 कैश ज़ब्त किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देहगाम पुलिस ने गांधीनगर ज़िले के देहगाम तालुका के पलुंद्रा गांव के बाहरी इलाके में खुलेआम जुआ खेलते सात लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से कुल ?27,420 कैश ज़ब्त किए हैं। यह कार्रवाई 14 अगस्त, 2026 को की गई थी। गांधीनगर ज़िले के पुलिस सुपरिटेंडेंट वीरेंद्रसिंह यादव और देहगाम डिवीज़न के असिस्टेंट पुलिस सुपरिटेंडेंट आयुष जैन के गाइडेंस में, देहगाम पुलिस स्टेशन एरिया में शराबबंदी और जुए की एक्टिविटीज़ को रोकने के लिए स्पेशल पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस स्टेशन की सर्विलांस टीम एरिया में पेट्रोलिंग कर रही थी, तभी उन्हें सूचना मिली। जानकारी के मुताबिक, पलुंद्रा-चिसकारी रोड पर पलुंद्रा गांव के बाहरी इलाके में मामाभावा बरगद के पेड़ के नीचे खुली जगह में कुछ लोग पैसे से जुआ खेल रहे थे। इस विशिष्ट सूचना के आधार पर, पुलिस ने तुरंत छापा मारा और कुल सात लोगों को सार्वजनिक रूप से जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में लालसिंह उर्फ लालभाई प्रतापसिंह चौहान, धार्मिकभाई रमेशभाई सोनी, जशुभाई नारनभाई प्रजापति, रमेशकुमार अंबालाल पटेल, विक्रमसिंह ईश्वरसिंह परमार, गुणवंतसिंह उर्फ ??राजू छत्रसिंह चौहान और गणपतसिंह उर्फ ??गणतो कनकसिंह चौहान शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाशी से ?24,320 और दांव से ?3,100, कुल ?27,420 नकद जब्त किए। पुलिस स्टाफ में ए.एच.कांस. भद्रेशकुमार जयंतीभाई, ए.एच.कांस. विजयसिंह टिटसिंह, ए.एच.कांस. किरणसिंह विक्रमसिंह, ए.पोका. विक्रमभाई कमशीभाई, ए.पोका. अजयसिंह प्रद्युमनसिंह, ए.पोका. चिरागकुमार रमेशभाई और ए.एल.आर. महेशजी गलबाजी इस सफल ऑपरेशन में शामिल थे।

सोला उमिया कैंपस के हॉस्टल से कूदकर नाबालिग ने की आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। SG हाईवे पर सोला उमिया कैंपस में जे. एस. पटेल (अजोल) बॉयज़ हॉस्टल में रहने वाले 16 साल के नाबालिग तुषार दोलतभाई पटेल ने हॉस्टल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सोला पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और एक्सीडेंटल डेथ का मामला दर्ज करके कार्रवाई की। नाबालिग के आत्महत्या के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है। कल (13 अगस्त) को तुषार ने बॉयज़ हॉस्टल की 11वीं और 12वीं मंज़िल के बीच खुली जगह से छलांग लगा दी। मरने वाला हॉस्टल के पास मौजूद ऋष्ट टेक्निकल कॉलेज में डिप्लोमा मैकेनिकल के पहले साल में पढ़ रहा था और पिछले एक महीने से हॉस्टल में रह रहा था।

एक दिन पहले ही गांव से आया था

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डेढ़ महीने पहले इस हॉस्टल का उद्घाटन किया था। मूल रूप से देत्रोज के गीतापुर गांव का रहने वाला सगीर एक दिन पहले ही गांव से हॉस्टल आया था।

स्टूडेंट्स से बाल मजदूरी करवाने का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्कूल बोर्ड द्वारा चलाया जाने वाला नारोल गुजराती स्कूल नंबर 1/2 एक बार फिर विवादों में आ गया है। स्कूली बच्चों से जबरन काम करवाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे एजुकेशन सिस्टम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले में कांग्रेस ने नारोल पुलिस स्टेशन में लिखित अर्जी देकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सस्पेंड करने की मांग की है। नारोल स्कूल नंबर 1/2 के गेट के पास स्कूल यूनिफॉर्म में 5 से 6 स्टूडेंट्स वीडियो में गैंती और डिसमिस जैसे औजारों का इस्तेमाल करके नेट फिट करने का काम करते हुए कैद हुए हैं। जब स्थानीय लोगों और नेताओं ने उनसे पूछा, तो बच्चों ने कहा कि 'टीचर ने उन्हें यह काम करने के लिए कहा था '। गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले, स्कूली बच्चों का गंदे टैंक से गंदा पीने का पानी पीने और घटिया क्वालिटी का खाना परोसे जाने का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। कांग्रेस नेता राजेश सोनी का गुस्सा और पुलिस में शिकायत गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी राजेश सोनी ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक तरफ सरकार बाल मजदूरी खत्म करने की बात करती है और दूसरी तरफ 8 से 10 साल के मासूम बच्चों से नगर निगम के स्कूलों में जबरन काम करवाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, 'कौन से मजदूर स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर काम करने आते हैं? ', उन्होंने स्ष्ट के स्मार्ट स्कूलों के दावों की असलियत सामने ला दी है। बाल मजदूरी करवाने के लिए नारोल पुलिस स्टेशन में एक लिखित एप्लीकेशन दी गई है और नगर निगम कमिश्नर से सभी गैर-जिम्मेदार अधिकारियों को तुरंत सस्पेंड करने की मांग की गई है। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद स्कूल बोर्ड के एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर ने संबंधित अधिकारियों को पूरे मामले की जांच करने का आदेश दिया है।

अहमदाबाद की दो जानी-मानी बेकरी सील कर दी गईं, क्योंकि वहां गंदगी और कीड़े पाए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। फूड डिपार्टमेंट ने त्योहारों से पहले गंदगी वाली बेकरियों पर नज़र रखी है। साउथ ज़ोन में, नारोल-लंभा में मुस्कान बेकरी और बेहरामपुरा में प्रिंस बेकरी की दोनों यूनिट को सफाई न होने और फूड लाइसेंस न होने की वजह से सील कर दिया गया। प्रिंस बेकरी के आटे में भी कीड़े मिले। 11 अगस्त को एशियन बेकरी से 5700 द्घद्द यह चीज़ ज़ब्त की गई थी। त्योहारों का मौसम शुरू होने से पहले, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (स्ष्ट) के फूड डिपार्टमेंट ने बेकरियों के खिलाफ अपनी जांच और सज़ा देने की कार्रवाई तेज़ कर दी है। साउथ ज़ोन में की गई जांच के दौरान पता चला कि नारोल-लंभा में मुस्कान बेकरी और बेहरामपुरा में प्रिंस बेकरी में खाने की चीज़ों के प्रोडक्शन के दौरान साफ-सफाई के नियमों का पालन नहीं किया गया था, इसलिए दोनों यूनिट को सील कर दिया गया है। प्रिंस बेकरी में जांच के दौरान आटे में भी कीड़े मिले। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ-फ़ूड डिपार्टमेंट की टीम ने फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट-2006 और GPMC एक्ट के तहत यह कार्रवाई की। मुस्कान बेकरी में इंस्पेक्शन के दौरान पाया गया कि फ़ूड लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन नहीं मिला, नियमों के मुताबिक हाइजीनिक शर्तों का पालन नहीं किया गया और पेस्ट कंट्रोल सर्टिफ़िकेट भी नहीं था। इसके साथ ही, यह भी देखा गया कि बेकरी के प्रोडक्ट्स अनहाइजीनिक हालात में तैयार किए जाते थे।इंस्पेक्शन के दौरान, बहरामपुरा की प्रिंस बेकरी में भी बहुत ज़्यादा अनहाइजीनिक हालात देखे गए। यह देखा गया कि यहां फ़ूड सेफ़्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। सबसे गंभीर बात यह थी कि आटे में कीड़े मिले। इसके अलावा, बेकरी के पास पेस्ट कंट्रोल सर्टिफ़िकेट भी नहीं था। इन कमियों के बाद, फ़ूड डिपार्टमेंट ने यूनिट को तुरंत सील कर दिया। इस कार्रवाई से पहले, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फ़ूड डिपार्टमेंट ने 11 अगस्त को दानिलिमडा में एशियन बेकरी में भी जांच की थी।

गैस रिफिलिंग स्कैम का भंडाफोड़: 258 सिलेंडर और गाड़ियों के साथ 13 लाख रुपये के साथ 6 लोग गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सांतेज पुलिस ने गांधीनगर जिले के कलोल तालुका के दंताली गांव के बाहरी इलाके में बिना किसी सेफ्टी इक्विपमेंट या परमिशन के चल रहे एक गैर-कानूनी गैस रिफिलिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। रिहायशी और खेती वाले इलाकों के पास एक शेड में आग पकड़ने वाली कुकिंग गैस की बोतलों से खतरनाक तरीके से छोटी बोतलों में गैस भरी जा रही थी। पुलिस ने छापा मारकर छह लोकल और राजस्थानी आरोपियों को पकड़ा और 12.83 लाख रुपये से ज़्यादा का सामान ज़ब्त किया।

सूचना के आधार पर छापा और गिरफ्तारी

सांतेज पुलिस स्टेशन के Pi S.R. चौधरी पेट्रोलिंग पर थे, इसी दौरान खास जानकारी मिली कि दंताली गांव के बाहरी इलाके में चेतन शर्मा के पक्का शेड में गैर-कानूनी गैस रिफिलिंग हो रही है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापा मारा और संजयकुमार नानूभाई डाभी, किशोर बाबूभाई ठाकोर, महेंद्र नारायणराम बिश्नोई, कैलाश बिश्नोई, सुनील सबूराम बिश्नोई और दिनेश मालाराम बिश्नोई को रंगे हाथों पकड़ लिया।

काम करने का तरीका

आरोपी इंडियन ऑयल, भारत गैस और HP गैस कंपनी के 19 द्घद्द और 14.2 द्घद्द के बड़े कमर्शियल और घरेलू सिलेंडर से इलेक्ट्रिक मोटर पंप, हीटिंग गन और पाइप का इस्तेमाल करके 5 द्घद्द की छोटी बोतलों में गैस भरते थे। इसके बाद, वे उन पर नकली सील और ढक्कन लगाकर उन्हें बाज़ार में ऊंचे दामों पर बेच देते थे। चूंकि यह काम बिना किसी फायर सेफ्टी के किया जाता था, इसलिए बड़ी दुर्घटना का डर था। पुलिस ने मौके से अलग-अलग कंपनियों के 258 छोटे-बड़े भरे-खाली गैस सिलेंडर (कीमत 2,84,664 रुपये), एक आयशर टेंपो, एक पिकअप ट्रक, दो इलेक्ट्रिक मोटर पंप, तराजू, हीटिंग गन और 4 स्मार्टफोन बरामद किए और 12,83,000 रुपये से ज़्यादा का सामान ज़ब्त किया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैबिनेट मंत्री ऋषिकेश पटेल ने राहुल गांधी के बयान की आलोचना की, जादू के थप्पड़ से माफ़ी की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एक विदेशी महिला प्रधानमंत्री के बारे में कथित कमेंट्स से गुजरात की राजनीति गरमा गई है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री ऋषिकेश पटेल ने इस मामले में राहुल गांधी की आलोचना की है, उनके बयान को घटिया बताया है और देश के सामने माफ़ी मांगने की मांग की है। मीडिया के सामने अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए ऋषिकेश पटेल ने कहा कि यह बहुत अफ़सोस की बात है कि एक ज़िम्मेदार विपक्षी नेता देश के प्रधानमंत्री और एक इंटरनेशनल लेवल की महिला प्रधानमंत्री का सरेआम मज़ाक उड़ाता है। 'कल न्यूज़ चैनलों पर राहुल गांधी जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री और एक विदेशी महिला प्रधानमंत्री का मज़ाक उड़ाते दिखे, उसे सुनकर देशवासी दुखी हैं। डेमोक्रेसी में पॉलिटिकल मतभेद हो सकते हैं, लेकिन विदेश में देश की इमेज खराब करने वाला गैर-ज़िम्मेदाराना व्यवहार मंजूर नहीं है।' – ऋषिकेश पटेल, कैबिनेट मंत्री कैबिनेट मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं की ऐसी भाषा ग्लोबल लेवल पर देश की इज्ज़त को नुकसान पहुंचा रही है। डेमोक्रेटिक प्रोसेस से चुने गए प्रधानमंत्री का पब्लिकली मज़ाक उड़ाना देश के मैंडेट का अपमान करने जैसा है।

राज्य सरकार का कर्मचारियों के हित में फैसला: अहमदाबाद के सोला GMERS हॉस्पिटल में परमानेंट 'मेडिकल बोर्ड' बनेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात राज्य शिक्षा विभाग और स्ञ्ज कॉर्पोरेशन ने हज़ारों कर्मचारियों की सालों से पेंडिंग मेडिकल समस्याओं को हल करने के लिए एक ज़रूरी और संवेदनशील फैसला लिया है। अहमदाबाद के सोला तरूध्न्न मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में अब एक नया परमानेंट मेडिकल बोर्ड बनाया जाएगा।

हज़ारों कर्मचारियों को सीधा फ़ायदा

इस फैसले से राज्य भर के सभी प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूल टीचर, टीचिंग असिस्टेंट, तस्त्रञ्जष्ट (स्ञ्ज कॉर्पोरेशन) क्लास-3 और क्लास-4 इन क्लास के कर्मचारियों को सीधा फ़ायदा होगा और उनके ट्रांसफर से जुड़ी एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस में बड़ी राहत मिलेगी। 'कर्मचारियों के हित में लिया गया यह फैसला राज्य सरकार के सेंसिटिव एडमिनिस्ट्रेशन, गुड गवर्नेंस और पब्लिक वेलफेयर के प्रति कमिटमेंट को दिखाता है। सरकार कर्मचारियों की सुविधा के लिए और उनके मुद्दों को समय पर हल करने के लिए हमेशा तैयार है। '– प्रफुल पंशेरिया, स्वास्थ्य राज्य मंत्री

लंबे समय से अटके मुद्दों का सुखद अंत होगा

राज्य के टीचिंग असिस्टेंट, प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूलों के क्लास-3 टीचर और गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के क्लास-3 और क्लास-4 कर्मचारी लंबे समय से मेडिकल ग्राउंड पर इन मामलों के लिए रिप्रेजेंटेशन दे रहे थे इंटर-डिस्ट्रिक्ट/डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर के लिए मेडिकल बोर्ड की राय रैंक बदलने (कैडर बदलने) के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट ज़रूरी गंभीर बीमारी या शारीरिक अक्षमता होने पर ऑफिशियल मेडिकल वेरिफिकेशन अभी तक कर्मचारियों को मेडिकल बोर्ड की राय के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ता था, जिसकी वजह से ट्रांसफर और कैडर बदलने के एप्लीकेशन सालों तक अटके रहते थे।

सोला GMERS में मेडिकल बोर्ड बनने के फायदे सोला हॉस्पिटल में परमानेंट मेडिकल बोर्ड बनने से ये सुविधाएं मिलेंगी।

तेज़ और ट्रांसपेरेंट स्क्रीनिंगः कर्मचारियों की हेल्थ स्क्रीनिंग और मेडिकल राय देने का प्रोसेस आसान और तेज़ हो जाएगा।

टाइम-बाउंड डिस्पोज़लः इंट्रा-डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर के तहत पेंडिंग एप्लीकेशन का तय समय में डिस्पोज़ल किया जाएगा।

लंबी लाइनों से राहतः मेडिकल सर्टिफिकेट मिलने में होने वाली बेवजह की देरी खत्म हो जाएगी।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

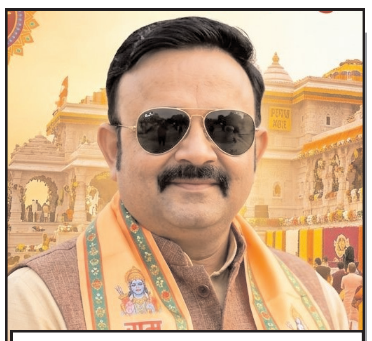

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

ललित गर्ग

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है।

लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होती; वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए।

आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत/2047 रू वॉइस ऑफ यूथ' पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए; उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करे यही नए भारत की तस्वीर है।

आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान, नवाचार, चरित्र, परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा था 'भारत को आजाद कैसे कराएं?', तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-ह्यभारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शांतिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं? 'स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी 2047 को नागरिकों के सपनों और संकल्पों से जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का निर्माण प्रत्येक भारतीय की भागीदारी से होगा। आजादी के अमृत से लेकर स्वतंत्रता के 80वें पड़ाव तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है। अब अगला पड़ाव केवल आर्थिक शक्ति बनना नहीं, बल्कि विश्वास, विवेक, विज्ञान, संस्कार और सामर्थ्य से सम्पन्न भारत बनना है। शहीदों ने हमें स्वतंत्र भारत सौंपा था; अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा भारत सौंपें जिस पर उसे गर्व हो। 'यही स्वतंत्रता का नया आयाम है, यही 2047 की ओर बढ़ते भारत का संकल्प है और यही हमारे तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।'

संपादकीय

लालच का जानलेवा खेल

पंजाब स्थित नवांशहर के एक गांव में ऑनलाइन गेमिंग में बड़ी रकम हारने के सदमे में एक युवक व दो किशोरों का जहर खा लेना विचलित करने वाली घटना है। बाद में युवक व एक किशोर की मौत हो गई। निस्संदेह, ऑनलाइन गेम के लालच में किशोर-युवा विवेक खो देते हैं। लत लगाने वाले ये जहरीले खेल सुनहरे सपने तो दिखाते हैं, लेकिन हकीकत बेहद खुरदरी है। कहना कठिन है कि ऑनलाइन खेलों को कितने पारदर्शी तरीके व ईमानदारी के साथ संचालित किया जाता है। बहुत संभव है कि ये गेम भी ऑनलाइन फ्रॉड संस्कृति का ही हिस्सा हों, जो संचालकों के मुनाफे के लिये ही संचालित होते हों। बहरहाल, किशोर व युवक द्वारा मोटी रकम हारने के बाद खुदकशी करना परिवार, समाज व देश की बड़ी क्षति है। आखिर 21 साल व पंद्रह साल की उम्र कितनी होती है? पूरा जीवन सामने होता है। जीवन चंद रुपये हारने से ज्यादा कीमती होता है। छोटी हार के बाद बड़ी जीत की संभावनाएं बनी रहती हैं। विडंबना ही है कि हम हादसों में मरने वालों की संख्या को महज एक आंकड़े की तरह देखते हैं। लेकिन इस आत्मघात से इन परिवारों जो चोट पहुंची होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। एक बच्चे को जन्म देने से लेकर पालने-पोसने तक माता-पिता पूरा जीवन लगा देते हैं। उनसे बड़ी उम्मीदें होती हैं। मगर जब बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं तो परिवार पूरी तरह टूट जाता है। बच्चा तो आत्महत्या कर लेता है, लेकिन परिवार को रोज तिल-तिल कर मरने को छोड़ देता है। दरअसल, आज मोबाइल दुधारी तलवार जैसे हो गए हैं। सूचना-संवाद तो देते हैं, साथ ही तमाम आघातों की आशंकाएं भी रहती हैं। जो मोबाइल बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई और संवाद के लिये दिये जाते हैं, उसका दुरुपयोग बच्चे ऑनलाइन गेमिंग व वर्जित सामग्री देखने के लिये करने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी बेबस है कि वे बच्चों की निगरानी कैसे करें? वे पढ़ रहे हैं या गेम खेल रहे हैं?

चिंतन-मनन

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है।

सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है। प्रेम भावना के रूप में सत्य नहीं, अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

स्वतंत्रता दिवस पर संदेश - आजादी का संकल्प : भारत के लिए कुछ करें

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि यह उस संकल्प को याद करने का दिन है, जिसके लिए असंख्य वीरों ने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, तो हमारे सामने यह प्रश्न भी होना चाहिए कि इस स्वतंत्रता को हम कितनी जिम्मेदारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

आज का भारत युवा भारत है। देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। युवाओं के पास ऊर्जा है, प्रतिभा है, नई सोच है और तकनीक का ज्ञान है। यदि यही ऊर्जा सही दिशा में लग जाए तो भारत को दुनिया की अग्रिम पंक्ति में ले जाने की क्षमता रखती है। लेकिन इसके लिए युवा पीढ़ी को केवल अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग होना होगा।

वर्तमान समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं—सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रभाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, मानसिक तनाव, दिखावे की संस्कृति, समय की बबार्दी और सफलता को केवल धन तथा प्रतिष्ठा से जोड़कर देखने की सोच। इन चुनौतियों के बीच युवाओं को विवेक से निर्णय लेना होगा। तकनीक का उपयोग ज्ञान और विकास के लिए हो, जीवन को भटकाने के लिए नहीं। प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन संस्कारों की कीमत पर नहीं; सफलता मिले, लेकिन मानवीय संवेदनाएँ पीछे न छूटें।

राष्ट्र निर्माण केवल सीमा पर खड़े सैनिकों का दायित्व नहीं है। एक विद्यार्थी ईमानदारी से पढ़कर, एक युवा अपने कार्य में निष्ठा रखकर, एक व्यवसायी ईमानदारी से व्यापार करके, एक नागरिक कानून और अनुशासन का पालन करके तथा प्रत्येक व्यक्ति समाज के प्रति संवेदनशील बनकर राष्ट्रसेवा कर सकता है।

युवा यदि अपने आसपास की समस्याओं को समझे और उनके समाधान में छोटी-सी भूमिका भी निभाए, तो परिवर्तन निश्चित है। किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की पढ़ाई में सहयोग करना, पर्यावरण की रक्षा करना, जल बचाना, स्वच्छता का ध्यान रखना, नशे से दूर रहना, बुजुर्गों का सम्मान करना, जीवों के प्रति करुणा रखना और समाज में प्रेम व सद्भाव बढ़ाना—ये सभी राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियाँ हैं।

भारत की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, तकनीक या सैन्य सामर्थ्य में नहीं, बल्कि उसके चरित्र, संस्कार, अहिंसा, करुणा और मानवीय मूल्यों में भी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आधुनिकता में आगे हो, लेकिन अपनी संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ा रहे।

इस स्वतंत्रता दिवस पर मेरी युवा पीढ़ी से विशेष अपेक्षा है कि वह अपने जीवन का लक्ष्य केवल 'मैं कितना आगे बढ़ूँ?' तक सीमित न रखे, बल्कि यह भी सोचे—'मेरी प्रगति से मेरा समाज और मेरा देश कितना आगे बढ़े?'

देश को बदलने के लिए किसी बड़े अवसर की प्रतीक्षा मत कीजिए। परिवर्तन की शुरूआत अपने घर, अपने व्यवहार और अपने विचारों से कीजिए। अपने समय का सदुपयोग कीजिए, अपने चरित्र को मजबूत बनाइए और अपनी प्रतिभा को राष्ट्रहित में लगाइए। देश ने हमें बहुत कुछ दिया है; अब हमारी बारी है कि हम भी भारत को कुछ दें।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि हम अपने ज्ञान, श्रम, प्रतिभा, समय और ऊर्जा का एक हिस्सा राष्ट्र के नाम समर्पित करेंगे। हम ऐसा भारत बनाने में योगदान देंगे जहाँ विकास के साथ संस्कार हों, शक्ति के साथ शांति हो, स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी हो और प्रगति के साथ मानवता हो।

याद रखिए—देश का भविष्य संसदों और संस्थानों में ही नहीं, युवाओं के विचारों, चरित्र और कर्मों में भी लिखा जाता है।

युवा जागेगा, तो भारत आगे बढ़ेगा।

युवा बदलेगा, तो भारत बदलेगा।

और जब युवा राष्ट्र के लिए कुछ करने का संकल्प लेगा, तब भारत विश्व में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

धमकी से नहीं चलेगा पानी का रिश्ता, पाकिस्तान को आतंकवाद का हिसाब देना होगा

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत को सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर धमकी देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी में कोई कमी करने या उसे रोकने की कोशिश हुई तो पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि इस मुद्दे पर उनका देश कभी पीछे नहीं हटेगा। अपने भाषण में उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए यह दावा भी किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को पराजित किया। शहबाज शरीफ के इन बयानों से साफ है कि पाकिस्तान आज भी वास्तविकता को स्वीकार करने के बजाय धमकी, दुष्प्रचार और भावनात्मक नारों का सहारा लेकर अपनी जनता को भ्रमित करना चाहता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को आज अचानक सिंधु नदी का पानी इतना याद क्यों आ रहा है? क्या वे यह भूल गए हैं कि भारत ने दशकों तक एक अंतरराष्ट्रीय समझौते का सम्मान करते हुए पाकिस्तान को उसके हिस्से का पानी दिया? क्या वे यह भूल गए हैं कि भारत ने हमेशा यह माना कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल सीमा और सुरक्षा से नहीं, बल्कि मानवता, सहयोग और आपसी विश्वास से भी चलते हैं? लेकिन पाकिस्तान ने बार-बार उस विश्वास को चोट पहुंचाई है। जब पाकिस्तान की धरती से प्रशिक्षित आतंकवादी भारत में निर्दोष नागरिकों का खून बहाते हैं और उसके बाद पाकिस्तान पानी के सवाल पर भारत को धमकी देता है, तो यह उसकी दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण बन जाता है।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर की गई आतंकवादी घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। नाम पूछकर लोगों की हत्या करने जैसी अमानवीय घटना का दर्द केवल उन परिवारों का दर्द नहीं है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। यह पूरे भारत की पीड़ा है। किसी व्यक्ति की मौत गोली से हो, आतंकवादी हमले में हो या किसी अन्य कारण से, उसके परिवार के लिए उसका दुख समान होता है। ऐसे में पाकिस्तान यदि आतंकवादियों को संरक्षण देने के आरोपों से स्वयं को अलग नहीं करता और दूसरी तरफ भारत से पानी की मांग भी धमकी के स्वर में करता है, तो उसके रवैये पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सिंधु जल समझौता भारत की उदारता और दूरदर्शिता का भी प्रतीक रहा है। वर्ष 1960 में हुए इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह प्रमुख नदियों के पानी का बंटवारा निर्धारित किया गया। पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के पानी के उपयोग का अधिकार भारत को मिला, जबकि पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के लिए निर्धारित किया गया। इतने वर्षों तक भारत ने इस समझौते का सम्मान किया। लेकिन परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। जब कोई देश लगातार सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप झेलता है और भारत की सुरक्षा तथा नागरिकों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करता, तो भारत के सामने अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की समीक्षा करना स्वाभाविक है।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई धमकी देकर हासिल करने वाली वस्तु नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में समझौते तभी मजबूत रहते हैं, जब उनके पीछे आपसी विश्वास और जिम्मेदारी की भावना हो। पाकिस्तान यदि भारत से अच्छे संबंध चाहता है तो उसे सबसे पहले आतंकवाद के मुद्दे पर गंभीरता दिखानी होगी। भारत के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने वालों पर कार्रवाई करनी होगी और यह भरोसा पैदा करना होगा कि पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। केवल भाषण देने और भारत को धमकाने से दोनों देशों के बीच विश्वास पैदा नहीं हो सकता।

कश्मीर को लेकर भी पाकिस्तान को वास्तविकता समझने की जरूरत है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और भारत अपनी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जितनी बार चाहें कश्मीर पर पुराने बयान दोहरा सकते हैं, लेकिन इससे जमीन पर वास्तविकता नहीं बदलेगी। कश्मीर के नाम पर दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति ने पाकिस्तान को क्या दिया, यह पाकिस्तान की आर्थिक और सामाजिक स्थिति देखकर समझा जा सकता है। यदि कश्मीर वास्तव में पाकिस्तान की चिंता का विषय है तो उसे आतंकवाद और हिंसा का रास्ता छोड़कर शांतिपूर्ण संबंधों की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान दोस्ती को हिमालय से भी ऊंचा बताया। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों पर चलती है। चीन और पाकिस्तान के बीच भले ही रणनीतिक और आर्थिक संबंध हों, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि चीन भारत के साथ अपने व्यापक हितों को छोड़कर पाकिस्तान की हर नीति का समर्थन करेगा। चीन एक बड़ी आर्थिक शक्ति है और भारत भी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों का महत्व पाकिस्तान से कहीं अधिक व्यापक है। इसलिए केवल चीन का नाम लेकर भारत को धमकाने की कोशिश पाकिस्तान की कमजोर रणनीति को ही उजागर करती है। पाकिस्तान को यह भी समझना चाहिए कि किसी देश की शक्ति केवल हथियारों से तय नहीं होती। आर्थिक क्षमता, तकनीकी सामर्थ्य, राजनीतिक स्थिरता, कूटनीतिक प्रभाव, मजबूत संस्थाएं और जनता का विश्वास किसी राष्ट्र की वास्तविक ताकत बनते हैं। भारत इन सभी क्षेत्रों में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। इसके विपरीत पाकिस्तान लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवाद, महंगाई और जल संकट जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे समय में भारत को धमकी देने के बजाय पाकिस्तान को अपनी ऊर्जा अपने देश की समस्याओं के समाधान में लगानी चाहिए।

पाकिस्तान में जल संकट गहराता जा रहा है तो उसका समाधान भारत को धमकी देना नहीं है। पाकिस्तान को अपनी सिंचाई व्यवस्था में सुधार करना होगा, पानी की बबार्दी रोकनी होगी, जल संरक्षण बढ़ाना होगा और अपने राज्यों के बीच पानी के बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था करनी होगी। सिंध और बलूचिस्तान जैसे क्षेत्रों में पानी की कमी की शिकायतें केवल भारत के कारण नहीं समझी जा सकतीं। पाकिस्तान की आंतरिक जल प्रबंधन व्यवस्था, बढ़ती आबादी, कृषि पर दबाव और जलवायु परिवर्तन भी इसके महत्वपूर्ण कारण हैं। अपनी नाकामी का दोष भारत पर डाल देना आसान है, लेकिन इससे पाकिस्तान की समस्या हल नहीं होगी। भारत के लिए भी यह समय भावनाओं में बहने के बजाय दृढ़ और संतुलित नीति अपनाने का है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं दिखानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष तथ्यों, कानून और जिम्मेदार राष्ट्र की छवि के साथ मजबूती से रखा जाए। भारत ने दुनिया को कई बार दिखाया है कि वह शांति चाहता है, लेकिन शांति को कमजोरी नहीं समझता।

शहबाज शरीफ को यह याद रखना चाहिए कि धमकियों से रिश्ते नहीं सुधरते। यदि पाकिस्तान सचमुच भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की नीति छोड़नी होगी। भारत के नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करके पाकिस्तान एक ओर आतंकवाद को बढ़ावा दे और दूसरी ओर पानी के अधिकार की दुहाई दे, यह दोहरा रवैया स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ग्वालियर में 'गढ़ी के राजा' ने घर में खुद को मारी गोली परिजन बोले- 2 महीने से चल रहे थे बीमार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। एक पुरानी रियासत से ताल्लुक रखने वाले 68 साले के हनुमत सिंह कुशवाहा की मौत से सनसनी फैल गई. डबरा देहात की देवगढ़-गिजौर्रा गढ़ी रियासत के वंशज और स्थानीय लोगों के बीच 'गढ़ी के राजा' के नाम से पहचाने जाने वाले हनुमत सिंह ने शुक्रवार सुबह अपने घर में खुद को गोली मार ली. परिजनों का कहना है कि वह करीब दो महीने से बीमार थे और पिछले एक महीने से चल-फिर भी नहीं पा रहे थे. पुलिस ने मामले को आत्महत्या मानकर जांच शुरू कर दी है. ग्वालियर की सुबह करीब साढ़े चार बजे एक गोली की आवाज सुनाई दी. घर में सो रहे लोगों की नींद खुली. जब तक परिजन कुछ समझ पाते, 68 साल के हनुमत सिंह की मौत हो चुकी थी. स्थानीय लोग उन्हें 'गढ़ी के राजा' के नाम से जानते थे. पुलिस के मुताबिक, हनुमत सिंह ने अपने एकता कॉलोनी स्थित घर में लाइसेंसी हथियार से कथित तौर पर खुद को गोली मार ली. परिजनों का कहना है कि वो करीब दो महीने से बीमार थे. पिछले एक महीने से चल-फिर भी नहीं पा रहे थे. बीमारी और अपनी हालत को लेकर परेशान रहते थे. परिवार का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से वो ऐसी बातें भी कर रहे थे कि अब जीना नहीं चाहते. अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. घटना शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, हनुमत सिंह एकता कॉलोनी स्थित अपने घर में थे. अचानक गोली चलने की आवाज आई. आवाज सुनकर उनकी पत्नी की नींद खुली. उन्होंने घर के दूसरे लोगों को इसकी जानकारी दी. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. माधौगंज थाना पुलिस और FSL की टीम मौके पर पहुंची. घटनास्थल की जांच की गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. मौके से लाइसेंसी हथियार भी बरामद किया गया. परिवार के मुताबिक, हनुमत सिंह करीब दो महीने से बीमार चल रहे थे. करीब एक महीने से हालत ऐसी थी कि वह खुद चल-फिर नहीं पा रहे थे और बिस्तर पर ही रहते थे. बीमारी के साथ-साथ दूसरों पर निर्भर रहने की स्थिति ने उन्हें मानसिक तौर पर परेशान कर दिया था. बेटे और परिजनों ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ दिनों से वह कहते थे कि वह जीना नहीं चाहते. पुलिस इसी एंगल को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. हालांकि अभी आत्महत्या की वजह को लेकर पुलिस की जांच पूरी नहीं हुई है. पोस्टमॉर्टम और FSL रिपोर्ट आने के बाद तस्वीर और साफ होगी. हनुमत सिंह का नाम सिर्फ इस घटना की वजह से चर्चा में नहीं आया. उनका संबंध डबरा देहात की देवगढ़-गिजौर्रा गढ़ी रियासत से था. वह मूल रूप से गिजौर्रा थाना क्षेत्र के देवगढ़ गांव की गढ़ी से ताल्लुक रखते थे. उनके पूर्वज इस गढ़ी रियासत के राजा रहे थे. स्थानीय लोग इसी वजह से उन्हें 'गढ़ी के राजा' कहकर बुलाते थे गढ़ी इलाके में आज भी परिवार की जमीनें मौजूद बताई जाती हैं. करीब 20 साल पहले हनुमत सिंह ग्वालियर की एकता कॉलोनी में रहने लगे थे. उनके दो बेटे हैं. बड़ा बेटा मुंबई में रहता है, जबकि छोटा बेटा ग्वालियर में ही उनके साथ रहता था. माधौगंज पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं. FSL टीम ने भी मौके की जांच की है. लाइसेंसी हथियार बरामद किया गया है और परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज किए गए हैं. ग्वालियर की CSP किरण अहिरवार ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और FSL जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि हनुमत सिंह ने इतना बड़ा कदम किन परिस्थितियों में उठाया.

राजगढ़ में 50 यात्रियों से भरी बस सड़क से उतरी और पलटी, 26 घायल, नरसिंहगढ़ अस्पताल में कराया भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। जिले के नरसिंहगढ़ में गुरुवार रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। भोपाल से गुना जा रही यात्री बस बांडाबेदरा तालाब के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 50 यात्री सवार थे। हादसे में 26 यात्री घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल सिंहगढ़ के सिविल मेहताब अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। पुलिस के मुताबिक किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस के अनुसार हादसा रात करीब 8:50 बजे हुआ। भोपाल से गुना की ओर जा रही गुरु कृपा ट्रेवल्स की बस बांडाबेदरा तालाब के पास पहुंची थी। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि वाहन तेज गति से चल रहा था। इसी दौरान सड़क पर मोड़ आने पर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क के किनारे उतरकर पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों की मदद शुरू की। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। नरसिंहगढ़ थाना प्रभारी गुंजा सोलंकी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कुरावर थाना पुलिस के साथ डायल-112 और 108 की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं।

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया

रेस्क्यू के बाद सभी घायल यात्रियों को एंबुलेंस और अन्य वाहनों की मदद से नरसिंहगढ़ के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने घायलों का उपचार किया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक किसी भी यात्री की हालत गंभीर नहीं है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रपति भवन के स्वतंत्रता दिवस समारोह की शोभा बढ़ाएगी एमपी की आदिवासी कला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। 15 अगस्त को राष्ट्रपति की मेज पर मालवा-निमाड़ की झलक देखने को मिलेगी। साथ ही, भील समुदाय का घर, गोंड समुदाय का आंगन, आदिवासी शादी की जगह, छत्तीसगढ़ का मेटल आर्ट और महाराष्ट्र-गोवा की शानदार ज्यामितीय कलाकृतियां भी वहां मौजूद होंगी। वहीं, चांदी के बर्तनों और राष्ट्रपति के खास चीनी मिट्टी के बर्तनों के बीच बाग प्रिंट का एक नमूना भारतीय डिजाइन की एक पुरानी कहानी चुपचाप सुनाएगा। यह खास नजारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति भवन में होने वाले एट होम रिसेप्शन के लिए तैयार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राजनीतिक नेता, राजनयिक, राजदूत और अन्य विदेशी मेहमानों के साथ लगभग 500 अतिथि शामिल होंगे। हाल ही में, राष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के बारे में एक पोस्ट किया था।

सांस्कृतिक केंद्र में हो रहा है बदलाव

दरअसल, राष्ट्रपति भवन संस्कृतिक केंद्र को अब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गोवा की जीवंत गैलरी में बदला में जा रहा है। निफ्ट दिल्ली इसकी सजावट का काम देख रहा है और आईजीआरएमएस भोपाल सांस्कृतिक प्रदर्शन को तैयार कर रहा है। निफ्ट दिल्ली में टेक्सटाइल डिजाइन की प्रोफेसर सुधा ढिंगरा, जो इस कार्यक्रम की सजावट और प्रदर्शन का समन्वय कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन ने इस बार चार राज्यों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इसलिए हमने टेबल कवर के लिए सबसे पारंपरिक कपड़ो को चुना है। उन्होंने मध्य प्रदेश से बाग प्रिंट चुना है। छत्तीसगढ़ अपने सौरा टेक्सटाइल और डोकरा कला को पेशा करेगा। महाराष्ट्र अपने खास 'खुन' कपड़े को और गोवा अपने आदिवासी 'कुनबी' टेक्सटाइल को चुना है। आईजीआरएमएस के निदेशक प्रोफेसर अमिताभ पांडे जो अभी दिल्ली में इंस्टॉलेशन की देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे चार राज्यों की सामुदायिक संस्कृति को प्रदर्शित किया जा रहा है। हम उनके घरों, आंगन और शादी की जगहों को दिखा रहे हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी, 'हाथी' के सहारे विधानसभा पहुंचने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रहीं अस्मिता चंद बीजेपी छोड़कर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) में शामिल हो गई हैं। हालांकि उनके पति सीपी चंद भारतीय जनता पार्टी से एमएलसी हैं। अस्मिता चंद ने मायावती को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। वे चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में बसपा की उम्मीदवार बनाई जा सकती हैं। गोरखपुर में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रहीं अस्मिता चंद ने अचानक बहुजन समाजवादी पार्टी ज्वाइन करके सबको चौंका दिया है। अस्मिता चंद के पति सीपी चंद भारतीय जनता पार्टी से ही एमएलसी हैं। अस्मिता चंद बीजेपी में करीब 22 साल से सक्रिय थीं। उनके बसपा में शामिल होने से चिल्लूपार की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। बृहस्पतिवार की शाम बड़हलगंज के एक मैरिज हॉल में आयोजित विधानसभा स्तरीय बसपा कार्यकर्ता बैठक में भाजपा की नेता अस्मिता चंद ने बहुजन समाज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर ली। उनके बसपा में शामिल होने से चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गर्मी बढ़ गई है। विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बीएसपी के प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता बैठक में मुख्य अतिथि सांसद घनश्याम चंद खरवार थे। अध्यक्षता मंडल प्रभारी मदन राय ने की। बैठक में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे थे। बसपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद अस्मिता चंद ने कहा कि वह पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के विचारों से प्रभावित होकर वे इसमें शामिल हुई हैं। उन्होंने 2027 में मायावती जी को पांचवीं बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी ताकत और ईमानदारी से काम करने का संकल्प लिया। अस्मिता चंद पूर्वांचल के एक रसूखदार परिवार से हैं। उनके पति समाजसेवी और बिजनेसमैन सीपी चंद वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी में थे और इसी से एमएलसी भी रहे थे। वर्ष 2021 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली और 2022 में बीजेपी के टिकट पर गोरखपुर महाराजगंज निकाय क्षेत्र से दोबारा एमएलसी चुने गए। अस्मिता चंद के ससुर मार्कण्डेय चंद धुरियापार क्षेत्र से चार बार विधायक रह चुके हैं। वर्ष 1990 और 2000 के बीच वह प्रदेश सरकार में मंत्री भी रहे। अंतिम बार उन्होंने भाजपा के टिकट पर विधायक का चुनाव जीता था। वर्ष 2014 में उनकी मौत हो गई। अस्मिता चंद पिछले 22 वर्षों से बीजेपी में थीं। सन 2022 से वे महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष भी रही थीं। कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर उनको लेकर चर्चाएं तेज थीं और कयास लगाए जा रहे थे कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी की प्रत्याशी हो सकती हैं। उनके अचानक बसपा में चले जाने से इन कयासों पर विराम लग गया है। चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र बसपा का गढ़ रहा है। पूर्व में पंडित हरिशंकर तिवारी ने बीएसपी के टिकट पर यहां से चुनाव जीता था।

नोएडा में 16 साल के बेटे पर पिता की हत्या का आरोप, फिर मेट्रो के आगे कूद गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। जेब में दो मोबाइल, हाथ में घर की चाबी और सामने मेट्रो... 16 साल के लड़के की मौत के बाद जब पुलिस उसके घर पहुंची तो दरवाजा खोलते ही पूरी कहानी ने खौफनाक मोड़ ले लिया. अंदर उसके पिता की खून से सनी लाश पड़ी थी और पास में कुल्हाड़ी मिली. शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि पिता-पुत्र के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद से यह घटना सामने आई. एक घर. उसमें पिता और 16 साल का बेटा. मां करीब 12 साल पहले दोनों से अलग हो चुकी थी. बेटा स्कूल नहीं जाता था. पिता उसे बाहर जाने से रोकते थे, कमरे में बंद कर देते थे. दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती थी. फिर एक दिन बेटा घर से निकला और मेट्रो के आगे कूद गया. पुलिस ने उसकी जेब खंगाली तो घर की चाबी और दो मोबाइल फोन मिले. इनमें से एक फोन उसके पिता का था. पुलिस चाबी लेकर घर पहुंची. दरवाजा बंद था. अंदर से बदबू आ रही थी. दरवाजा खुला तो कमरे में पिता की खून से सनी लाश पड़ी थी. पास में कुल्हाड़ी मिली. पुलिस की शुरुआती जांच में आशंका है कि बेटे ने ही पिता पर कुल्हाड़ी से हमला किया और इसके बाद खुद की जान ले ली. मामला नोएडा के सेक्टर-121 स्थित गढ़ी चौखंडी का है. बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि एक 16 वर्षीय किशोर ने सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के सामने मेट्रो के आगे कूदकर जान दे दी है. किशोर की पहचान की गई. इसी बीच किशोर के चाचा पुलिस के पास पहुंचे. उन्होंने बताया कि उनके भाई से संपर्क नहीं हो पा रहा है. पुलिस के लिए ये दो अलग-अलग घटनाएं थीं या एक ही कहानी के दो हिस्से? इसका जवाब तलाशने के लिए जांच शुरू हुई. पुलिस ने किशोर की तलाशी ली तो उसके पास दो मोबाइल फोन मिले. इनमें से एक फोन उसके पिता का था. साथ ही घर की चाबी भी मिली. पुलिस टीम चाबी लेकर राजीव के घर पहुंची. घर का गेट बंद था. लेकिन अंदर से बदबू आ रही थी. पुलिस ने दरवाजा खोला तो कमरे में शव पड़ा था. शव खून से सना हुआ था. पुलिस के मुताबिक, शरीर पर कुल्हाड़ी से वार किए जाने के निशान थे. पुलिस ने घटनास्थल की जांच की. वहां से एक कुल्हाड़ी बरामद हुई. इसके अलावा किशोर के खून से सने कपड़े भी मिले. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. अब पुलिस के सामने सवाल था कि आखिर पिता की मौत और बेटे की आत्महत्या के बीच क्या कनेक्शन है? शुरुआती जांच में जो कहानी सामने आई, उसमें दोनों घटनाओं की कड़ी एक ही घर से जुड़ती दिखाई दे रही है. पुलिस के मुताबिक, किशोर के पिता का उसकी मां से 12 साल पहले तलाक हो गया था. इसके बाद किशोर और पिता दोनों साथ रहते थे. पुलिस की जांच में सामने आया कि किशोर स्कूल नहीं जाता था. पिता उसे स्कूल भेजने के बजाय घर में रखते थे और जब वह बाहर जाने की कोशिश करता था तो उसे कमरे में बंद कर देते थे. इसी बात को लेकर पिता और बेटे के बीच विवाद रहता था. पुलिस की शुरुआती आशंका है कि स्कूल न भेजे जाने और लगातार पाबंदियों को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हुआ होगा.

जमीन न मिलने पर ग्रामीणों ने रोड पर सजा दी चिता, ऐसे शांत हुआ हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में अंतिम संस्कार के लिए जमीन न मिलने पर ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर महिला का शव रखकर चिता सजा दी. प्रशासनिक अनदेखी से नाराज परिजनों और ग्रामीणों के 4 घंटे चले हंगामे के बाद तहसीलदार ने आनन-फानन में नई जमीन चिन्हित की, तब जाकर अंतिम संस्कार हो सका. महोबा जिले के छिकहरा गांव में अंतिम संस्कार के लिए जमीन न मिलने से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर महिला का शव रखकर चिता सजा दी. 50 वर्षीय तारा देवी की बीमारी से मौत के बाद उनके गरीब पति दीना अहिरवार 8 घंटे तक अधिकारियों और प्रधान के चक्कर काटते रहे. सुनवाई न होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर लकड़ी और कंडे लगाकर अंतिम संस्कार की रस्में शुरू कर दीं. सूचना मिलते ही सदर तहसीलदार दिवाकर मिश्रा और पुलिस बल मौके पर पहुंचे. भारी विरोध के बाद प्रशासन ने नई जमीन चिन्हित करवाई, जिसके बाद 4 घंटे से जारी हंगामा शांत हुआ. अहिरवार की पत्नी तारा देवी की तड़के 3 बजे मौत हो गई थी. गरीब दीना के पास अपनी कोई जमीन नहीं थी. उन्होंने सुबह से ही गांव के प्रधान से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक गुहार लगाई, लेकिन 8 घंटे तक किसी ने उनकी सुध नहीं ली.BN प्रशासनिक बेरुखी से तंग आकर ग्रामीणों ने गांव की मुख्य सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया. जगह न मिलने के विरोध में परिजनों ने सड़क पर ही लकड़ी और कंडे लगाकर चिता सजा ली और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी, जिससे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया.

15 अगस्त को यूपी के इन 19 जिलों में होगी भारी बारिश, स्वतंत्रता दिवस पर IMD का लेटेस्ट अपडेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। मानसून एक बार फिर सक्रिय है और कल 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के दिन प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहने वाला है. मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 15 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक स्थानों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है. इसके साथ ही दोनों हिस्सों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है. खास बात यह है कि 15 अगस्त को भारी बारिश की अधिक संभावना वाले 19 जिले सामने आए हैं. इनमें बुंदेलखंड, प्रयागराज-मिर्जापुर क्षेत्र, पश्चिमी यूपी और तराई के कई जिले शामिल हैं. ऐसे में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के बीच बारिश का असर देखने को मिल सकता है. मौसम विभाग ने गरज-चमक और आकाशीय बिजली को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी है. ैसम विभाग के 15 अगस्त सुबह 8:30 बजे से 16 अगस्त सुबह 8:30 बजे तक के पूर्वानुमान के मुताबिक भारी बारिश की संभावना वाले 19 जिले ये हैं : बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, महोबा और ललितपुर. यानी 15 अगस्त को बारिश का असर सिर्फ एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा. बुंदेलखंड से लेकर पश्चिमी यूपी और तराई तक कई इलाकों में बारिश देखने को मिल सकती है.

दो नाबालिग बच्चों को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा, दुकान से रुपये चोरी करने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। गोंडा जिले के कर्नलगंज थानाक्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां कांशीराम कालोनी में लगे नुमाइश की एक दुकान से रुपये चोरी के आरोप में दो नाबालिग बच्चों को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक कस्बा निवासी दुकानदार मंगल की दुकान से रुपये गायब होने के बाद उसने चोरी का शक 14 वर्षीय अबरार और 12 वर्षीय अरबाज पर जताया। आरोप है कि शक के आधार पर ही दुकान मालिक और उसके कर्मचारियों ने दोनों बच्चों को पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें दुकान के बाहर एक खंभे से रस्सी के सहारे बांध दिया गया और लाठी - डंडों से पिटाई शुरू कर दी। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दोनों बच्चे खंभे से बंधे हुए हैं और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। आसपास भीड़ जमा थी, लेकिन किसी ने बच्चों को छुड़ाने की हिम्मत नहीं दिखाई। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश है। लोग कह रहे हैं कि चोरी का आरोप साबित हुए बिना किसी नाबालिग के साथ इस तरह की सजा देना पूरी तरह गैरकानूनी है। पीड़ित अबरार और अरबाज के पिता ने इस घटना के बाद कर्नलगंज थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी है। शिकायत में उन्होंने दुकानदार मंगल और अन्य कर्मचारियों पर बच्चों के साथ मारपीट और अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने का आरोप लगाया है। पिता का कहना है कि उनके बच्चे बेकसूर हैं और उन्हें बिना किसी सबूत के टारगेट किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। फिलहाल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। बाल अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है .

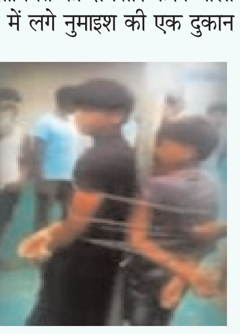

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में दर्दनाक हादसा, स्कूल जा रही 12 साल की बच्ची को बस ने कुचला, गुस्साई भीड़ ने गाड़ी के शीशे फोड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 इलाके में शुक्रवार सुबह 12 साल की स्कूली छात्रा की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। न्यू अशोक नगर इलाके में डीटीसी बस की चपेट में आने से बच्ची की जान चली गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने बस के शीशे तोड़ दिए। मौके पर कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने पहुंचकर लोगों को शांत कराया। मृतक छात्रा की पहचान कायना के रूप में हुई है। वह खिचड़ीपुर में रहती थी और वसुंधरा एन्क्लेव स्थित ईस्ट प्वाइंट स्कूल में पढ़ती थी। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे वह अपने पिता के साथ स्कूटी से स्कूल जा रही थी। इसी दौरान दल्लूपुरा में डीटीसी बस ने स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगते ही स्कूटी सड़क पर गिर गई। इसी दौरान कायना बस की चपेट में आ गई। हादसा इतना गंभीर था कि बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। बच्ची की मौत की खबर फैलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। गुस्साई भीड़ ने डीटीसी बस में तोड़फोड़ शुरू कर दी और उसके शीशे फोड़ दिए। इससे इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने लोगों को समझाकर स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने फरार बस चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

'एड्स को जानो, एड्स से बचो', दिल्ली में एचआईवी के खिलाफ बड़ा एक्शन प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में युवाओं, समुदायों, स्कूलों और कॉलेजों को मुख्य रूप से टारगेट करते हुए दो महीने के अभियान के साथ एचआईवी जागरूकता, रोकथाम, जांच और इलाज अभियान को तेज कर दिया है. अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान 'नो एड्स नो एड्स के संदेश के तहत आयोजित किया जाएगा. स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि एचआईवी जागरूकता न केवल एक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है, उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सही जानकारी, समय पर जांच, उपचार और सहायता तक पहुंच में सुधार करना है, साथ ही एचआईवी के साथ जी रहे लोगों द्वारा सामना किए जाने वाले कलंक और भेदभाव को दूर करना है. इस अभियान की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रोहिणी स्थित डॉ. बीएसए अस्पताल में की गई, जहां 600 से अधिक छात्रों, गैर-सरकारी संगठनों भागीदार संगठनों और सामुदायिक हितधारकों ने भाग लिया. इस दौरान एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया. एक बयान में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'हमें एचआईवी से जुड़ी भ्रांतियों और गलत अवधारणाओं को दूर करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि एचआईवी से पीड़ित किसी भी व्यक्ति को उसकी स्थिति के कारण भेदभाव का सामना न करना पड़े.' उन्होंने आगे कहा कि एक अच्छी तरह से सूचित और जिम्मेदार समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है.

दिल्ली एयरपोर्ट, हाईकोर्ट और झंडेवालान बिल्डिंग समेत 6 जगहों पर बम की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले सुरक्षा को लेकर बड़ी हलचल सामने आई है. दिल्ली हाई कोर्ट समेत राजधानी की छह जगहों पर बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं. हाई कोर्ट को ई-मेल के जरिए धमकी मिली. बम निरोधक दस्तों ने हाई कोर्ट परिसर में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. इसके अलावा जामनगर हाउस, झंडेवालान की फ्लैटेड बिल्डिंग, एमबी साकेत स्थित डीएम कार्यालय, आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 और दिल्ली कैंट के एसडीएम कार्यालय को भी धमकी मिलने की जानकारी सामने आई है. इन सभी जगहों पर संबंधित सुरक्षा टीमें और दमकल की गाड़ियां पहुंच गई हैं. अब तक की जांच में किसी भी जगह से संदिग्ध वस्तु मिलने की जानकारी नहीं है.

हाई कोर्ट में तलाशी, पुलिस के संपर्क में रजिस्ट्रार जनरल

दिल्ली हाई कोर्ट को मिले धमकी भरे ई-मेल के बाद रजिस्ट्रार जनरल दिल्ली पुलिस के संपर्क में हैं. हाई कोर्ट परिसर में बम निरोधक दस्ते तलाशी ले रहे हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं. सभी स्थानों पर धमकी की जांच की जा रही है.

स्वतंत्रता दिवस से पहले बढ़ाई गई सुरक्षा

15 अगस्त को देखते हुए दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है. रणनीतिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है. आने-जाने वाले रास्तों पर अतिरिक्त जांच की जा रही है. सार्वजनिक स्थानों और भीड़ वाले इलाकों पर भी सुरक्षा एजेंसियां नजर रख रही हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे. इसकी तमाम तैयारियां की जा रही हैं.

रात में घुंघरू की आवाज, फिर हंसी और रोना... 'भूत' के डर से हॉस्टल से घर भागे 608 छात्र-छात्राएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती के मेलघाट स्थित डोमा शासकीय आश्रमशाला में भूत-प्रेत की अफवाह से हड़कंप मच गया. छात्राओं ने घुंघरू बजने, हंसने और रोने जैसी आवाजें सुनाई देने की शिकायत की. डर के बीच 608 विद्यार्थियों ने छात्रावास छोड़ दिया. मनोचिकित्सक की जांच में कुछ छात्राओं में सीवियर हिस्टीरिया जैसे लक्षण बताए गए. स्वास्थ्य अधिकारी ने इसे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी स्थिति बताते हुए अफवाह नहीं फैलाने की अपील की. महाराष्ट्र के अमरावती जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने एक सरकारी आश्रमशाला के छात्रावास में रहने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को डरा दिया. चिखलदरा तहसील के मेलघाट इलाके की डोमा शासकीय आश्रमशाला में कुछ छात्राओं ने रात के समय घुंघरू बजने, किसी के हंसने और रोने जैसी आवाजें सुनाई देने की शिकायत की. देखते ही देखते इन आवाजों को लेकर छात्रावास में भूत-प्रेत की अफवाह फैल गई. डर इतना बढ़ा कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी छात्रावास

छोड़कर अपने घर चले गए. हास्टल प्रशासन के अनुसार करीब 608 विद्यार्थियों ने हॉस्टल छोड़ा है. इनमें 263 छात्र और 345 छात्राएं शामिल हैं. हालांकि, स्वास्थ्य विभाग और स्कूल प्रशासन ने किसी भी तरह की ऐसी घटना से इनकार किया है. कुछ छात्राओं की मनोचिकित्सक से जांच कराई गई, जिसमें 'सीवियर हिस्टीरिया' जैसे लक्षण की जानकारी सामने आई है. अधिकारियों का कहना है कि यह मामला मानसिक स्वास्थ्य और सामूहिक डर से जुड़ा हो सकता है. डोमा आश्रमशाला में रहने वाली कुछ छात्राओं ने सबसे पहले अजीब आवाजों की शिकायत की. छात्राओं का कहना था कि उन्हें छात्रावास में घुंघरू बजने जैसी आवाज सुनाई देती है. कभी किसी के हंसने तो कभी रोने जैसी आवाजें भी सुनाई देने की बात कही गई. इन शिकायतों के बाद छात्रावास में रहने वाले दूसरे बच्चों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई. किसी ने इसे भूत-प्रेत से जोड़ दिया तो किसी ने रात के समय छात्रावास में किसी अदृश्य शक्ति के होने की बात कहनी शुरू कर दी. देखते ही देखते अफवाह ने ऐसा रूप ले लिया कि कई विद्यार्थी डर गए. बच्चों ने अपने माता-पिता को फोन कर छात्रावास से घर बुलाने की बात कही. मामले का असर इतना बढ़ा कि सैकड़ों विद्यार्थी हॉस्टल छोड़कर अपने घर चले गए. पालकों के मुताबिक करीब 608 विद्यार्थियों ने छात्रावास छोड़ा है. इनमें 263 छात्र और 345 छात्राएं बताई जा रही हैं. एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के छात्रावास छोड़ने से स्कूल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हो गया. अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चों से बातचीत शुरू की और जिन छात्राओं ने आवाजें सुनाई देने की शिकायत की थी, उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया.

दुरंतो एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे दो शख्स, बैग खुला तो निकला करीब 2 करोड़ का सोना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में रेलवे सुरक्षा बल की क्राइम ब्रांच और राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस से करीब 1.242 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद किया है. जब्त सोने की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 96 लाख 34 हजार 307 रुपये है. इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. ट्रेन चल रही थी. यात्री अपनी-अपनी सीटों पर थे. किसी को घर पहुंचने की जल्दी थी तो कोई सफर के दौरान सोने की तैयारी कर रहा था. लेकिन इसी ट्रेन में दो यात्री ऐसे भी थे, जिनके सफर का मकसद कुछ और था. दोनों करीब 2 करोड़ रुपये का विदेशी सोना लेकर दुरंतो एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे. फिर ट्रेन में जांच शुरू हुई. टीम B-12 कोच तक पहुंची. दो संदिग्ध पकड़े गए. तलाशी हुई तो 7 गोल्ड बिस्किट और एक सोने की छड़ बरामद हुई. कुल वजन करीब 1.242 किलो निकला. कीमत करीब 1 करोड़ 96 लाख रुपये थी. मामला महाराष्ट्र के नागपुर का है. आरपीएफ क्राइम ब्रांच नागपुर को सूचना मिली थी कि हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में दो लोग विदेशी सोना लेकर सफर कर रहे हैं. ट्रेन नंबर था 12262. सूचना को गंभीरता से लिया गया. नागपुर और रायपुर RPF क्राइम ब्रांच की टीम ने DRI नागपुर के अधिकारियों के साथ मिलकर कार्रवाई की तैयारी की. इसके बाद रायपुर से नागपुर के बीच ट्रेन की तलाशी शुरू हुई. यानी टीम को पता था कि सोना ट्रेन में है, लेकिन किसके पास है, ये तलाशना था. तलाशी के दौरान ट्रेन भंडारा और नागपुर के बीच पहुंची. इसी दौरान टीम की नजर B-12 कोच में बैठे दो संदिग्धों पर गई. दोनों को रोककर तलाशी ली गई. और यहीं से मामला बड़ा हो गया. तलाशी में उनके कब्जे से 1.242 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद हुआ. इसमें सात गोल्ड बिस्किट और एक सोने की छड़ बताई गई है. सोने की कीमत करीब 1 करोड़ 96 लाख 34 हजार 307 रुपये आंकी गई. बरामदगी के बाद दोनों संदिग्धों को सोने समेत छ्रत्र्द्ध नागपुर के हवाले कर दिया गया. अब जांच छ्रत्र्द्ध कर रही है. एजेंसी ने कस्टम अधिनियम, 1962 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है. आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि सोना कहां से आया था, इसे कहां पहुंचाया जाना था और इस पूरे खेल में इनके अलावा और कौन-कौन लोग शामिल हैं. करीब दो करोड़ रुपये के विदेशी सोने की बरामदगी के बाद जांच एजेंसियों का फोकस अब कथित तस्करी नेटवर्क पर है. DRI यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या ये दोनों सिर्फ सोना लेकर जा रहे थे या इनके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है. इस मामले में आगे की जांच के बाद ही पता चलेगा कि करीब दो करोड़ का ये विदेशी सोना आखिर आया कहां से और जाना कहां था.

दिल्ली वालों का खत्म हुआ इंतजार, 9 साल और 9 डेडलाइन के बाद तैयार बारापुल्ला एलिवेटेड कॉरिडोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लोगों का बारापुल्ला पर सफर करने का सपना जल्द ही पूरा होने वाला है। 3.5 किलोमीटर लंबे इस बारापुल्ला फेज-3 एलिवेटेड कॉरिडोर और यमुना पुल की नौवीं डेडलाइन मिस होने के बाद, अब इसके आखिरी दौर की टेस्टिंग शुरू हो रही है। पीडब्ल्यूडी अगले हफ्ते से इसके विभिन्न स्पैन पर 250 टन से अधिक वजन वाले भारी ट्रकों को चलाकर 'लोड बेयरिंग टेस्ट' करेगा। लगभग चार दिनों तक चलने वाले इस टेस्ट का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि पुल भारी ट्रैफिक का वजन सुरक्षित रूप से उठा सकता है या नहीं। यमुना नदी के बाढ़ वाले इलाके पर बना यह 4-लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार को दक्षिण दिल्ली के सराय काले खां, जंगपुरा और AIIMS से सीधे जोड़ेगा। इस प्रोजेक्ट को साल 2014 में मंजूरी मिली थी और इसे 2017 तक बनकर तैयार होना था। हालांकि, जमीन अधिग्रहण के विवादों, पर्यावरण की मंजूरी और पश्चिम एशिया संकट के कारण बिटुमेन की सप्लाई में आई रुकावटों जैसे कारणों की वजह से इसमें लगातार देरी होती चली गई। PWD ने निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंचते ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र भेजकर अगस्त में इसके औपचारिक उद्घाटन के लिए समय मांगा है। सराय काले खां के पास बचा हुआ 10 मीटर का लूप भी एक हफ्ते में पूरा कर लिया जाएगा। इस कॉरिडोर के शुरू होते ही मयूर विहार, पटपड़गंज और त्रिलोकपुरी के निवासियों को दक्षिण दिल्ली जाने के लिए जाम से राहत मिलेगी और उनका सफर पूरी तरह सिग्नल-फ्री और बेहद कम समय में पूरा होगा।

सुखबीर बादल पर हमले की NIA जांच हो', मजीठिया की मांग, आरोपी पर लगीं कई धाराएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ से शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर गुरुवार को हमले की जानकारी मिली थी. घटना के तुरंत बाद उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया. अब नांदेड़ में सुखबीर सिंह बादल पर हमले के सिलसिले में मुदखेड़ पुलिस स्टेशन में आरोपी जसपाल सिंह के खिलाफ धारा 307 (जान से मारने की कोशिश), 353 (सरकारी काम में बाधा डालना) IPC और 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है. शुक्रवार को आरोपी जसपाल सिंह को कोर्ट में पेश किया जाएगा. इस बीच, अकाली दल नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा कि नांदेड़ के गुरुद्वारा साहिब में सुखबीर सिंह बादल पर हुआ हमला बेहद चिंताजनक घटना है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता.

उन्होंने मांग की कि नांदेड़ हमले की विस्तृत जांच NIA को सौंपी जाए. बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि दोनों घटनाएं खुफिया और सुरक्षा व्यवस्था की विफलता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं. सुरक्षा इंतजामों के बावजूद एक हमलावर Z-प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के इतने करीब कैसे पहुंच गया. नारायण सिंह चौरा, जिसने दिसंबर 2024 में दरबार साहिब में सुखबीर बादल पर हमला किया था, उसका कथित तौर पर मिलिटेंट बैकग्राउंड था और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन ढ्ढस्द्ध से संबंध थे. उसके पूरे नेटवर्क और संपर्कों की जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि दरबार साहिब में सुखबीर बादल की हत्या की कोशिश के बाद नारायण सिंह चौरा को जमानत कैसे मिली और वह कुछ ही महीनों में जेल से बाहर कैसे आ गया.

15 अगस्त पर दिल्ली मेट्रो का मेगा प्लान! सुबह 4 बजे से दौड़ेंगी ट्रेनें, लाल किले जाने वालों को मिलेगी बड़ी राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बड़ा ऐलान किया है। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए सभी मेट्रो लाइनों पर सेवा सुबह 4 बजे से शुरू होगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि शनिवार, 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले खास मेहमानों, आमंत्रित लोगों और आम जनता की आवाजाही को आसान बनाने के लिए, डीएमआरसी अपने नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से सुबह 4 बजे मेट्रो सेवा शुरू करेगा। डीएमआरसी ने कहा कि उस दिन के तय टाइम-टेबल के अनुसार, रेगुलर सर्विस शुरू होने तक सभी लाइनों पर मेट्रो सेवा 30 मिनट के अंतराल पर चलेगी।इसके अलावा, खास मेहमानों और आमंत्रित लोगों के लिए यात्रा का आसान इंतजाम करने के लिए, कॉर्पोरेशन ने रक्षा मंत्रालय को 1,30,000 खास पहले से जारी क्यूआर टिकट दिए हैं। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वैध फिजिकल एडमिट कार्ड वाले आमंत्रित लोगों को उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए तय मेट्रो स्टेशनों पर खास पहले से जारी क्यूआर टिकट दिए जाएंगे। लाल किला, जामा मस्जिदऔर दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन, स्वतंत्रता दिवस समारोह की जगह लाल किले के सबसे पास के स्टेशन हैं। इन खास क्यूआर टिकटों का इस्तेमाल करके की गई यात्रा का खर्च रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को वापस किया जाएगा। एक दिन पहले डीएमआरसी ने दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी जिसमें उनसे ऊंची मेट्रो लाइनों के पास पतंग न उड़ाने की अपील की गई थी। चेतावनी दी गई थी कि पतंग की डोर हाई-वोल्टेज ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) में फंस सकती है और ट्रेन सेवा में रुकावट डाल सकती है या सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। कॉर्पोरेशन ने फिर से कहा कि मेट्रो यात्रियों, कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस के दौरान बिना रुकावट ट्रेन सेवा बनाए रखने के लिए जनता का सहयोग जरूरी है। इस बीच, 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले गुरुवार को राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले में फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। ये रिहर्सल राजधानी में कड़ी सुरक्षा और ट्रैफिक के कड़े इंतजामों के बीच की गई। 15 अगस्त को मशहूर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान भारी भीड़ जुटने और राजधानी में आवाजाही पर बड़े पैमाने पर पाबंदियां लगने की उम्मीद है।

मनन कुमार मिश्रा के इस्तीफे का समय... NALSAR विवाद पर BCI चीफ को CJP founder Abhijeet Dipke की धमकी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। हैदराबाद की NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स को लेकर विवाद जारी है। विवाद है देश के चीफ जस्टिस को चीफ गेस्ट बनाने को लेकर। इस विवाद के बीच बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा पर कई तीखे तंज कसे हैं। मनन कुमार मिश्रा बयान देकर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दिपके के निशाने पर आ गए। अभिजीत दिपके ने सवाल उठाया कि क्या अब मिश्रा के इस्तीफे का समय आ गया है और राज्यसभा सीट के लिए कर्ज चुकाने का ज़िक्र किया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ, हैदराबाद के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स के एनरोलमेंट को रोकने के अपने पहले के निर्देश को वापस ले लिया है।

अभिजीत दीपके ने क्या पोस्ट किया

यह फैसला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत के यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के खिलाफ छात्रों के कैंपेन को लेकर हुए विवाद के बाद लिया गया। अभिजीत दीपके की पोस्ट में सीधे तौर पर मनन मिश्रा को निशाना बनाया गया। एक पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या मनन मिश्रा के इस्तीफे का समय आ गया है? एक और पोस्ट में उन्होंने लिखा कि राज्यसभा सीट का कर्ज चुका रहे हैं। बाद में उन्होंने पोस्ट किया कि क्या होगा अगर सारे कानूनी कॉकरोच एक साथ आ जाएं?

CJP ने BCI का विरोध किया

BCI के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा को जवाब देते हुए, कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि काउंसिल के ताजा कम्युनिकेशन के मुताबिक, छात्रों के नाम मांगने और उनके शांतिपूर्ण विरोध के लिए उनके खिलाफ जांच का आदेश देने वाला हिस्सा अभी भी बना हुआ है। दास ने कहा कि उस पूरे पत्र को तुरंत वापस लें। उन्होंने तर्क दिया कि ढ्ढस्त्रक्र में किसी भी छात्र को शांतिपूर्ण तरीके से असहमति जताने के लिए जांच का सामना नहीं करना चाहिए। हालांकि एनरोलमेंट पर लगी रोक अब हटा ली गई है, लेकिन CJP ने अपना ध्यान छात्रों और प्रस्तावित जांच से जुड़े बाकी प्रावधानों पर केंद्रित किया है।

वांगचुक बोले- ऐसे तो 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भारत की प्रति व्यक्ति आय और देश की मौजूदा व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा है कि अगर हालात इसी तरह बने रहे तो भारत 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में भारत से पीछे या उसके बराबर रहे कई देश आर्थिक और सामाजिक विकास के मामले में आगे निकल गए हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर सम्मानजनक स्थान बनाए रखने के लिए बड़े बदलाव जरूरी हैं।

गुरुवार देर रात जारी एक वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इस दौरान उन्होंने देश और उसके भविष्य को लेकर काफी विचार किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं किया जा सकता। अलग-अलग दलों की सरकारों के दौरान भी विरोध की आवाजों को दबाने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

वांगचुक ने 2012-13 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद राजनीतिक बदलाव जरूर हुआ, लेकिन सरकार बदलने के बावजूद भ्रष्टाचार और अन्याय जैसी समस्याएं खत्म नहीं हुईं। उनके मुताबिक अब ये समस्याएं नए रूप में और ज्यादा गंभीर हो गई हैं। उन्होंने देश में नेतृत्व चुनने की प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत बताते हुए शांतिपूर्ण क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र और देश में ऐसे निस्वार्थ, निडर, चरित्रवान और सक्षम लोगों की पहचान करें, जो देश को नई दिशा दे सकें। वांगचुक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक ऐसे व्यक्ति का नाम सुझाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से मिलना उनके लिए स्वतंत्रता दिवस का तोहफा होगा और वे देश का नया भविष्य तैयार करने में उनकी भूमिका देखना चाहते हैं।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी वांगचुक ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भी उन्हें नए नेतृत्व से बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। देश की प्रगति सीधे तौर पर शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी है और जब तक शिक्षा पीछे रहेगी, देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। वांगचुक ने 28 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगड़ने पर 18 जुलाई को उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। बाद में इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने 24 जुलाई को भूख हड़ताल समाप्त कर दी थी।

पीएम मोदी ने देश के विभाजन का दर्द झेलने वालों को याद कर किया नमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त 1947 में हुए देश के विभाजन के पीड़ितों को शुक्रवार को याद किया। केंद्र सरकार देश के विभाजन के बाद हुए दंगों और बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापन के दौरान जान गंवाने वालों की स्मृति में 2021 से 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मना रही है। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि आज हम 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रहे हैं। हम विभाजन से प्रभावित सभी लोगों के साहस को याद करते हैं। यह इतिहास का एक ऐसा क्षण था, जिसने कई जिंदगियां तबाह कर दीं। कई परिवार उजड़ गए, कई लोगों को अपनों को खोना पड़ा और लोगों ने अत्यधिक पीड़ा झेली। पीएम मोदी ने कहा कि इस उथल-पुथल के बावजूद लोगों ने शून्य से अपना जीवन फिर खड़ा किया, विपरीत परिस्थितियों को उपलब्धियों में बदला और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इन लोगों का जीवन सभी को मानवीय जिजीविषा की शक्ति की याद दिलाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने कहा कि यह दिन हमारे देश में सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने और 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे। उन्होंने कहा कि आइए, हम सद्भावना और एकता की राष्ट्रीय भावना को और सुदृढ़ करें। भारत शनिवार को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा।

हाइड्रोलिक सिस्टम फेल होने की वजह से 4 सेकंड तक बेकाबू रहा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 4 अगस्त को 20 से ज्यादा यात्रियों के लिए सफर खौफनाक बन गया। उड़ान के दौरान एयरबस ए-320 अचानक करीब 300 फीट नीचे गिर गया, जिससे विमान में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री और क्रू मेंबर्स झटके के कारण सीटों से उछलकर विमान की छत से जा टकराए। हादसे में 24 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। अब शुरुआती तकनीकी जांच में हादसे को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जांच के मुताबिक विमान करीब 4 सेकंड तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गया था। इस दौरान विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में एक साथ खराबी आ गई। हाइड्रोलिक पावर प्रभावित होने के कारण एलिवेटर्स और एलरोन्स ने काम करना बंद कर दिया। एलिवेटर्स विमान को ऊपर-नीचे नियंत्रित करते हैं, जबकि एलरोन्स उसकी दिशा बदलने में मदद करते हैं। इसी दौरान ऑटोपायलट भी बंद हो गया और कॉकपिट में 'स्टॉल' की चेतावनी बजने लगी। स्थिति बिगड़ती देख को-पायलट ने तय प्रक्रिया के तहत कंट्रोल स्टिक को आगे की ओर झुकाया, ताकि विमान को नीचे लाकर नियंत्रण हासिल किया जा सके। लेकिन हाइड्रोलिक सिस्टम में दबाव नहीं होने के कारण विमान ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। कुछ सेकंड बाद जब तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम दोबारा सक्रिय हुए तो विमान तेजी से नीचे की ओर जाने लगा। इसी दौरान यात्री और क्रू सदस्य छत से टकरा गए। प्रारंभिक जांच में हाइड्रोलिक प्रेशर स्विच में खराबी की आशंका जताई गई है। हालांकि हादसे के अंतिम कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय जांच एजेंसी के साथ एयरबस और फ्रांस की विमान दुर्घटना जांच एजेंसी के विशेषज्ञ भी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे के बीच पायलट को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। जांच में उसके शरीर में गांजे के सेवन के संकेत मिलने की बात सामने आई है। पायलट ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह लंबे समय से नींद की समस्या से जूझ रहा है और पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर नींद की दवा लेता है। घटना के समय पायलट अपनी सीट पर मौजूद नहीं था और को-पायलट विमान उड़ा रहा था। बताया गया है कि पायलट यात्रियों की स्थिति देखने के लिए केबिन में गया था। लैंडिंग के बाद भी उसकी हालत ठीक नहीं थी और उसे सहारे की जरूरत पड़ी। जांच में यह बात भी सामने आई है कि उड़ान के दौरान पायलट के वॉशरूम जाने पर एक अटेंडेंट कुछ समय के लिए उसकी सीट पर बैठा था। पूरे मामले की विस्तृत जांच के बाद ही हादसे की असली वजह और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

सोनमर्ग में बादल फटने से भारी तबाही, सड़क मार्ग बंद, रेस्क्यू टीमें तैनात

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग के रंगा मोड इलाके में गुरुवार को बादल फटने से भारी तबाही हुई। बाढ़ के कारण भूस्खलन-कीचड़ से सड़क मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ। नदियों के जलस्तर में अचानक भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को नदी के किनारों और जल स्रोतों के पास न जाने की सलाह दी गई है। सोनमर्ग में भारी बारिश के बीच श्रीनगर और लेह राजमार्ग प्रभावित हुआ है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने हाईवे को बंद कर दिया है। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को तैनात कर दिया गया है। सड़क को साफ करने और जल्द से जल्द यातायात बहाल करने के लिए बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के कर्मियों और मशीनों को तुरंत मौके पर भेजा गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और यात्रियों और चालकों को प्रभावित क्षेत्र से गुजरते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। बता दें यह घटना घाटी में पिछले कुछ दिनों से जारी खराब मौसम के बीच आई है। इससे लगभग 10 दिन पहले 3 अगस्त को भी घाटी में कई जगहों पर बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसके चलते सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

राहुल की याचिका पर सुनवाई 17 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट 17 अगस्त को याचिका पर सुनवाई कर सकता है। याचिका में हाईकोर्ट के उस आदेश पर सवाल उठाए गए हैं, जिसमें मामले की जांच से जुड़े सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया गया था। हाईकोर्ट ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताते हुए वरिष्ठ अधिकारी से नया हलफनामा मांगा था।

चंबा और नासिक में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा और महाराष्ट्र के नासिक में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों राज्यों में आए भूकंप की तीव्रता कम रही, जिससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। नासिक में कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जबकि चंबा में सुबह के समय धरती कांपी। भले झटके हल्के थे लेकिन लोग डर गए और घरों से बाहर निकल पड़े। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता 3.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र चंबा में जमीन से करीब 5 किलोमीटर नीचे बताया गया है। इसका केंद्र 33.131 अक्षांश और 76.585 देशांतर पर दर्ज किया गया। कम तीव्रता के कारण फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार को कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका रात 12:05 बजे आया, जिसकी तीव्रता 3.5 थी। इसके बाद सुबह 5:32 बजे 3.4 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। झटके महसूस होने के बाद कुछ इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, दोनों घटनाओं में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र के पालघर जिले में भी हाल के दिनों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

भारत को बड़ी कामयाबी: यूएई से आएगा ड्रग सरगना वीरेंद्र बसोया

-केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा.... कोई नहीं बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी पाई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अंतरराष्ट्रीय ड्रग सरगना और भगौड़े आरोपी वीरेंद्र सिंह बसोया को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाएगी। यह इस साल दूसरी बड़ी सफलता है, इसके पहले अप्रैल में दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की से गिरफ्तार कर भारत प्रत्यर्पित किया गया था। डोला करीब 5000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा कि कोई भी ड्रग तस्कर भारतीय कानून के लंबे हाथों से बच नहीं पाएगा, चाहे वह कहीं भी छिप जाएं। उन्होंने कामयाबी को नशीले पदार्थों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति में एक नया मील का पत्थर बताया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विदेशों में छिपे मादक पदार्थ तस्करों का लगातार पता लगा रही है और उनके पूरे नेटवर्क को खत्म करने का काम कर रही है। जांच एजेंसियों द्वारा अपनाई गई टॉप-टू-बॉटम और बॉटम-टू-टॉप रणनीति ने एक बार फिर साबित कर दिया हैं कि इसतरह के अपराधी कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

मोदी सरकार ने जून 2026 में ड्रग कंट्रोल पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029) और एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें प्रवर्तन, खुफिया, रोकथाम और पुनर्वास के लिए 40 से अधिक मंत्रालयों और विभागों को शामिल कर राष्ट्रीय योजना भी शामिल है। इतनी ही नहीं केंद्र सरकार नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट में कमियों की भी समीक्षा कर रही है, साथ ही उन रसायनों के वर्गीकरण की भी समीक्षा की जा रही है जिनका उपयोग ड्रग्स बनाने में किया जाता है, ताकि ड्रग्स के खिलाफ कानूनी लड़ाई को और मजबूत किया जा सके।

हल्द्वानी में मंच शुद्धिकरण पर मचा सियासी घमासान

राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर भाजपा और आरएसएस पर मनुवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता में व्यक्ति की हैसियत उसके जन्म से तय की जाती है, जबकि देश का संविधान समानता और इंसानियत की बात करता है। कांग्रेस ने भी मामले के विरोध में 14 अगस्त को देशभर के जिला मुख्यालयों पर मार्च और सत्याग्रह का ऐलान किया है।

राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह सोच आज भी समाज में मौजूद है और इंसान की पहचान उसके जन्म के आधार पर तय करने की कोशिश करती है। उन्होंने मंच के शुद्धिकरण की घटना को इसी मानसिकता से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। इससे पहले खड़गे ने राज्यसभा में हल्द्वानी की घटना का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त को रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित किया था। उनके मुताबिक, भाषण के दौरान उन्होंने किसी जाति या धर्म का नाम नहीं लिया और केवल लोगों की समस्याओं को सामने रखा। खड़गे का आरोप है कि उनके भाषण के बाद कुछ लोगों ने हवन कर मंच का शुद्धिकरण किया। खड़गे ने कहा कि वे अनुसूचित जाति से आते हैं और लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन कभी किसी के सामने अपने सम्मान या सुरक्षा के लिए नहीं झुके। उन्होंने मंच का शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि अगर खड़गे की भावनाएं आहत हुई हैं तो यह केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी गतिविधि का समर्थन नहीं किया जाता और मामले की जांच के बाद दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के बाबू जगजीवन राम के बाद दूसरे दलित अध्यक्ष हैं। वे कर्नाटक से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करने के बाद कई बार विधायक रहे। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। 2022 में वे कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए।

स्वतंत्रता दिवस : पुलिस और फायर कर्मियों को 1057 वीरता एवं सेवा पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर केंद्र सरकार ने पुलिस, अग्निशमन सेवा, होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा और सुधारात्मक सेवा के कुल 1,057 कर्मियों को उनके असाधारण साहस और विशिष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न पदकों से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह सम्मान देश की सेवा में उनके समर्पण और बलिदान को रेखांकित करता है। इन कुल पदकों में से 301 वीरता पदक हैं, जो जीवन की रक्षा, अपराध रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने के दौरान दिखाए गए अदम्य साहस के लिए प्रदान होते हैं। इसमें से 197 पदक वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर्मियों को, 51 जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से और 12 पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित हैं। इन वीरता पदकों में 272 पुलिसकर्मी और 29 अग्निशमन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 92 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) प्रदान किया जाएगा। यह पदक सेवा में उनके उत्कृष्ट और विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए मिलता है। इसमें 83 पुलिसकर्मी, चार अग्निशमन सेवा, तीन नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड और दो सुधारात्मक सेवा के अधिकारी शामिल हैं। वहीं, 664 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से नवाजा जाएगा, जो कर्तव्य के प्रति समर्पण और सूझबूझ से की गई बहुमूल्य सेवा को दर्शाता है। इन पदकों में 606 पुलिसकर्मी, 28 अग्निशमन सेवा कर्मी, 18 नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड और 12 सुधारात्मक सेवा के अधिकारी शामिल हैं। यह घोषणा देश की आंतरिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने वाले इन कर्मियों के प्रति राष्ट्र के सम्मान को व्यक्त करती है।

सांसद मिश्रा के सौरव दास ने पूछा- 14 करोड़ कहां उड़ा दिए?

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष और भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को तीखा हमला बोला। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि बीसीआई ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैठकों और गतिविधियों पर करीब 14.22 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि यात्रा और आवास पर भी बड़ी रकम खर्च हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि संस्था का पैसा किस तरह और किन मदों में खर्च किया जा रहा है।

विवाद की शुरुआत बीसीआई के उस आदेश से हुई, जिसमें हैदराबाद स्थित नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों के अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर रोक लगा दी गई थी। आदेश के मुताबिक कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। बीसीआई ने विश्वविद्यालय से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट और संबंधित छात्रों के नाम मांगे थे। आदेश में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायिक पद का सम्मान नहीं करने वाले छात्र जिम्मेदार अधिवक्ता नहीं बन सकते। इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए सौरव दास ने इसे अनुचित और दमनकारी बताया। उन्होंने आदेश वापस नहीं लेने पर बीसीआई कार्यालय और मनन कुमार मिश्रा के आवास के बाहर प्रदर्शन की चेतावनी दी। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी मिश्रा के लंबे कार्यकाल और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए।

हालांकि आदेश जारी होने के कुछ ही घंटों बाद बीसीआई ने अपना रुख बदल दिया। पहले स्पष्ट किया गया कि अधिकांश छात्रों की कोई गलती नहीं है और उन्हें नामांकन की अनुमति दी जाएगी। बाद में मनन कुमार मिश्रा ने घोषणा की कि 2026 बैच के छात्रों के खिलाफ पूरी कार्रवाई बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार सदस्यों और छात्रों की प्रतिक्रियाओं के बाद बीसीआई इस निष्कर्ष पर पहुंची कि छात्रों की किसी गड़बड़ी में भूमिका नहीं थी।

इसके बाद सीजेपी ने बीसीआई के खर्चों को मुद्दा बनाया। सौरव दास ने बीसीआई के आधिकारिक ऑडिटेड आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2024-25 में गतिविधियों और बैठकों पर करीब 14.22 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि संस्था की कुल आय लगभग 234 करोड़ रुपये थी। उन्होंने सवाल उठाया कि लंबे समय से बीसीआई का नेतृत्व कर रहे मिश्रा ने युवा वकीलों और लॉ स्कूलों के कल्याण के लिए क्या किया। छात्रों पर कार्रवाई वापस लिए जाने को सीजेपी ने अपनी बड़ी जीत बताया है। हालांकि पार्टी ने अब भी मिश्रा की जवाबदेही और इस्तीफे की मांग को लेकर दबाव बनाए रखने का संकेत दिया है।

मंड विवाद को लेकर प्रदर्शन, पुलिस ने किया बल प्रयोग दागे आंसू गैस के गोले

-पुलिसकर्मियों समेत प्रदर्शनकारी घायल, मंड पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला एनएच-44 पर गुरसिमरन सिंह मंड विवाद को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किए गए तीन युवकों की रिहाई की मांग पर अड़े रहे। दोपहर करीब 2 बजे से रात 9 बजे तक एनएच-44 पर यातायात बाधित रहा। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच सहमति नहीं बनने के बाद आखिरकार पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंबाला के पंजोखरा साहिब में गुरसिमरन सिंह मंड विवाद को लेकर सिख समाज का प्रदर्शन कई घंटे तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि मामले में गिरफ्तार किए गए तीन युवकों को रिहा किया जाए और गुरसिमरन सिंह मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। प्रदर्शन के बीच पुलिस ने मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी, लेकिन प्रदर्शनकारी तीनों गिरफ्तार युवकों की रिहाई पर अड़े रहे। वहीं पुलिस की ओर से युवकों की जमानत करवाने की बात कही जाती रही, लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनी। इसके चलते दोपहर करीब 2 बजे से रात 9 बजे तक दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे-44 पर यातायात प्रभावित हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक कई घंटे तक हाईवे बंद रहने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए फोर्स का इस्तेमाल किया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर प्रदर्शनकारियों को हाईवे से खदेड़ा और इसके बाद एनएच-44 पर यातायात सुचारू करवाया गया। इस कार्रवाई में कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई, जबकि प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आईं हैं। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई के बाद हाईवे पर स्थिति को नियंत्रित किया गया है। बता दें दोपहर बाद अंबाला के पंजोखरा को जाने वाले रास्ते में पड़ते एनसीसी स्कूल के बाहर ही पुलिस ने सिख प्रदर्शनकारियों को रोक लिया था, जहां तनाव बढ़ते ही पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। स्कूल की छुट्टी के समय हुई इस कार्रवाई के कारण बच्चे स्कूल के अंदर फंस गए। परिजनों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिख समाज के प्रतिनिधि गिरफ्तार युवाओं की रिहाई और गुरसिमरन सिंह मंड के खिलाफ एफआईआर की मांग कर रहा है। फिलहाल पंजोखरा साहिब से लेकर एनएच-44 तक तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। बता दें हरियाणा के अंबाला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में श्री गुरु हरकिशन साहिब के प्रकाश पर्व के अवसर पर 7 अगस्त को माथा टेकने पहुंचे ऑल इंडिया कीर्तन फैडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट गुरसिमरन सिंह मंड की गाड़ी पर हमला किया गया था।

बांग्लादेश का चीन प्रेम: भारत के लिए संकट पैदा करने वाला , भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ने चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने बांग्लादेश की विदेश नीति में चीन के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अब चीन के करीब जाता दिख रहा है, जिससे भारत के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। चेलानी के अनुसार, प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पद संभालने के बाद भारत के बजाय चीन और मलेशिया को अपनी पहली विदेशी यात्राओं के लिए चुना, जो बांग्लादेश की विदेश नीति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। चेलानी ने याद दिलाया कि फरवरी में रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें बधाई देने वाले शुरुआती नेताओं में थे और उन्होंने रहमान को नई दिल्ली की राजकीय यात्रा का औपचारिक निमंत्रण भी दिया था। हालांकि, रहमान ने यह निमंत्रण स्वीकार नहीं किया। चेलानी का मानना है कि 2024-25 की हिंसक राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में बने घरेलू राजनीतिक दबाव के कारण रहमान पर नई दिल्ली से अपनी दूरी दिखाने का दबाव था।

जून में मलेशिया और चीन की यात्रा के दौरान, रहमान ने बीजिंग में चीन को बांग्लादेश का सबसे मूल्यवान और भरोसेमंद साझेदार बताया, जो ढाका के चीन की ओर बढ़ते झुकाव को और स्पष्ट करता है। इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिसमें बंगाल की खाड़ी में मोंगला और चट्टोग्राम बंदरगाहों के विकास में चीन की भागीदारी, भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के पास प्रस्तावित तीस्ता नदी जल परियोजना, रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने तथा चीन से हथियारों की अधिक आपूर्ति जैसे मुद्दे शामिल हैं। चीन ने 300 मिलियन डॉलर से अधिक की सहायता और बांग्लादेश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में चीनी विनिर्माण इकाइयों को स्थानांतरित करने की योजनाओं का भी उल्लेख किया गया।

चेलानी ने बांग्लादेश की विदेश नीति में चीन पर अधिक निर्भरता की दिशा में जानबूझकर किए जा रहे बदलाव का संकेत बताया। हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बांग्लादेश अभी भी जरूरी आपूर्ति, व्यापार मार्गों, बिजली, पानी और औद्योगिक इनपुट के लिए भारत पर काफी हद तक निर्भर है। इसके बाद रहमान नई दिल्ली के साथ संबंधों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उन्हें एक नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। उनके मुताबिक, रहमान अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से दूर रहकर घरेलू स्तर पर अपनी मजबूत छवि बनाना चाहते हैं। खासकर शेख हसीना के हाल में नई दिल्ली में मीडिया के सामने आने के बाद यह उनके लिए राजनीतिक रूप से अहम हो सकता है। फिर भी, रहमान ने भारत की पूर्ण राजकीय यात्रा करने की इच्छा जताकर यह संकेत भी दिया है कि वह नई दिल्ली के साथ संपर्क बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन समान शर्तों पर।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 70 अंक, निफ्टी 30 अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 70 अंक नीचे आकर 78,009.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक टूटकर 24,366.00 पर बंद हुआ। बाजार में आई इस गिरावट के पीछे निवेशकों की मुनाफावसूली को भी एक बड़ा कारण माना गया है। इसके अलावा वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच भी बाजार में बिकवाली हावी रही जिससे भी वह गिरा। आज कारोबार के दौरान अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और विप्रो के शेयरों में तेजी रही जबकि टाटा मोटर्स, जियो फाइनेंशियल, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई)के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। आज केवल मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनियां ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुईं। इसके अलावा फार्मा, सरकारी बैंक, एफएमसीजी और ऑटो जैसे अन्य सभी प्रमुख विभागों में गिरावट रही। व्यापक बाजार में भी हल्का दबाव देखा गया, जहां निफ्टी मिडकैप 0.17 फीसदी और निफ्टी स्मालकैप 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले सेक्टरों में रहा, वहीं निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल ने बाजार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया। वैश्विक संकेतों और भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में दबाव में दिखा। वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच बाजार में बिकवाली हावी रही।

भारतीय बैंकों में जमा राशि रिकॉर्ड स्तर पर, तीन पखवाड़े में 115 अरब डॉलर बढ़ी

मुंबई । भारतीय बैंकिंग प्रणाली में जमा राशि हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। यह उछाल मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की फॉरिन-करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर) स्कीम के तहत प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) से भारी डॉलर प्रवाह के कारण देखा गया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक के तीन पखवाड़ों में बैंकिंग सिस्टम में जमा राशि में कुल 11 ट्रिलियन रुपए (लगभग 115.25 बिलियन डॉलर) की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि 1 अप्रैल से 15 जून के बीच हुई 3.87 ट्रिलियन रुपए की शुद्ध कमी को उलट देती है। वर्तमान में, भारतीय बैंकों में कुल जमा राशि रिकॉर्ड 269.4 ट्रिलियन रुपए पर पहुंच गई है। जून में आरबीआई ने एनआरआई जमा आकर्षित करने और ऋणदाताओं व सरकारी कंपनियों के लिए सस्ते डॉलर फंड जुटाने के लिए एक डिस्काउंटेड स्वैप विंडो की घोषणा की थी। जुलाई के अंत तक, इन स्कीमों के माध्यम से लगभग 41 बिलियन डॉलर का प्रवाह हुआ। एक सरकारी बैंक के ट्रेडर के अनुसार, डॉलर को रुपए में बदलने की तेज प्रक्रिया इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

जुलाई में भारत का खाद्य तेल आयात 8 फीसदी गिरा

रिफाइंड तल का आयात घटा, कच्चे तेल की हिस्सेदारी 96 फीसदी तक पहुंची

नई दिल्ली । भारत का खाद्य तेल आयात जुलाई महीने में 8 प्रतिशत घटकर 14.81 लाख टन रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 16.16 लाख टन था। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। एसईए के अनुसार जुलाई 2026 में भारत का कुल वनस्पति तेल (खाद्य और अखाद्य) आयात भी सालाना आधार पर 7 प्रतिशत घटकर 15.25 लाख टन दर्ज किया गया, जबकि पिछले साल यह 16.48 लाख टन था। हालांकि, तेल वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (नवंबर 2025 से जुलाई 2026) में, वनस्पति तेल का कुल आयात 121.50 लाख टन रहा, जो पिछले विपणन वर्ष की समान अवधि के 116.03 लाख टन से अधिक है। इसी अवधि में, खाद्य तेल का कुल आयात भी 5 प्रतिशत बढ़कर 119.23 लाख टन हो गया, जबकि पिछले तेल वर्ष की समान अवधि में यह 113.46 लाख टन था। आयात की प्रवृत्ति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है, जहां परिष्कृत तेल का अनुपात 14 प्रतिशत से घटकर मात्र 4 प्रतिशत रह गया है।

एयरटेल ने बंद किए सस्ते प्लान, अब ₹349 का सबसे सस्ता प्लान

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड प्लान पोर्टफोलियो में बदलाव करते हुए ₹299 समेत चार रिचार्ज प्लान बंद कर दिए हैं। कंपनी ने ₹299, ₹579, ₹619 और ₹649 वाले प्लान 12 अगस्त से हटा दिए हैं । अब 28 दिन की वैधता वाला ₹349 प्लान सबसे सस्ता है. इसमें डेली-डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग प्लान की सुविधा है।

₹349 के प्लान में प्रतिदिन 2जीबी हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड लोकल-एसटीडी कॉलिंग और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। पुराने ₹299 प्लान में 1.5जीबी दैनिक डेटा मिलता था। यानी समान अवधि के लिए ग्राहकों को अब ₹50 अधिक खर्च करने होंगे। हालांकि कंपनी ने इसे टैरिफ बढ़ोतरी नहीं है. सस्ते कम कीमत के प्लान हटाने से ग्राहकों के लिए सस्ते विकल्प के अवसर एयरटेल में सीमित हो गए हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

मुनाफावसूली से सोना 1,117 रुपए टूटा, चांदी भी 1,861 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों में ठहराव आने से निवेशकों में सतर्कता बढ़ी, जिसके चलते कीमती धातुओं में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कमजोर बने रहने से आगे चलकर इन धातुओं के लिए सकारात्मक रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,370 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव 4,420.40 डॉलर से 48.10 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। चांदी भी 0.86 डॉलर की गिरावट के साथ 64.13 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले बंद भाव 64.99 डॉलर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुबह से ही सुस्ती का माहौल रहा और दिनभर गिरावट जारी रही। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुख देखा गया। सोने का अक्टूबर वायदा अनुबंध 1,117 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। यह 266 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,200 रुपये पर खुला था। इसी प्रकार चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 1,861 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,586 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,35,447 रुपये था। चांदी की शुरुआत 1,667 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,780 रुपये पर हुई थी। दोनों धातुओं के वायदा भाव दिनभर दबाव में रहे, जिससे निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए मुनाफावसूली की।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई राहत नहीं

तेल कंपनियों ने नहीं किया कोई बदलाव, कई शहरों में 110 के पार पहुंचा पेट्रोल

नई दिल्ली स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से ठीक एक दिन पहले देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ईंधन दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है, जिससे उपभोक्ताओं को न तो तत्काल राहत मिली है और न ही नई बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है। यह स्थिति पिछले कई महीनों से कायम है, जब आखिरी बार कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई थी। शुक्रवार को भी देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। देश के अन्य प्रमुख शहरों जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 110 रुपये प्रति लीटर से ऊपर दर्ज किए गए। हैदराबाद में डीजल भी 103.82 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। दरों की बात करें तो भोपाल में पेट्रोल 114.54 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे महंगा रहा, जबकि कोलकाता में यह 113.51 रुपये और पटना में 113.37 रुपये दर्ज किया गया। जयपुर में पेट्रोल 112.66 रुपये और चेन्नई में 107.74 रुपये प्रति लीटर बिका। हालांकि, सूरत में पेट्रोल 95.00 रुपये और डीजल 89.00 रुपये प्रति लीटर पर रहा, जो सूचीबद्ध शहरों में सबसे कम कीमतों में से एक है। पुणे में पेट्रोल 104.04 रुपये और डीजल 90.57 रुपये प्रति लीटर दर्ज किया गया। कुल मिलाकर, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव न होने से मौजूदा स्तरों पर स्थिरता बनी हुई है, लेकिन कई शहरों में उच्च कीमतें अभी भी चिंता का विषय हैं।

स्वतंत्र माइक्रोफिन 3,000 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली । उद्यमी अनन्या बिड़ला के नेतृत्व वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी-एमएफआई) माइक्रोफिन लिमिटेड ने 3,000 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्राथमिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, यह आईपीओ 1,500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 1,500 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग स्वतंत्र माइक्रोफिन अपने टियर-I पूंजी आधार को मजबूत करने, भविष्य की वृद्धि को वित्तपोषित करने तथा आगे ऋण देने की क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। अनन्या बिड़ला इस वित्तीय समावेशन-केंद्रित कंपनी की चेयरपर्सन और गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। स्वतंत्र माइक्रोफिन ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बिना गारंटी वाले छोटे कर्ज और वित्तीय सेवाएं प्रदान कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है।

एंकर निवेशकों की समय पूर्व निकासी से आईपीओ कीमतों पर दबाव: सेबी

एफपीआई रहे बड़े बिकवाल, 30 दिन की लॉक-इन अवधि खत्म होने पर दिखा असर

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अध्ययन ने खुलासा किया है कि प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में एंकर निवेशकों की बिकवाली, खासकर 30 दिन की लॉक-इन अवधि समाप्त होने के आसपास, सूचीबद्ध कंपनियों की कीमतों पर महत्वपूर्ण दबाव डालती है। अध्ययन में पाया गया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस अवधि में सबसे बड़े बिकवाल रहे, जिससे बाजार में अस्थायी आपूर्ति दबाव बना। सेबी ने अप्रैल 2022 से अक्टूबर 2025 के बीच सूचीबद्ध हुए 242 मेनबोर्ड आईपीओ के विश्लेषण में पाया कि जहां एंकर निवेशकों ने अपनी 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेची, वहां टी प्लस 29 से टी प्लस 33 के दौरान कीमतों में औसतन 3.5 प्रतिशत और मध्यिका के आधार पर लगभग छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मौजूदा नियमों के तहत एंकर निवेशकों को आवंटित 50 प्रतिशत शेयरों पर 30 दिन और शेष 50 प्रतिशत पर 90 दिन की लॉक-इन अवधि होती है। इस उच्च बिकवाली तीव्रता वाली श्रेणी में एफपीआई ने अपने बड़े आवंटन का औसतन 24.5 प्रतिशत हिस्सा बेचा, जो कॉरपोरेट (23.1 प्रतिशत) और अन्य योग्य संस्थागत खरीदारों (21.6 प्रतिशत) से अधिक था। हालांकि, 90 दिन की लॉक-इन अवधि पूरी होने के बाद यह दबाव काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि एंकर निवेशकों की बिकवाली निर्धारित लॉक-इन अवधि से आगे तक जारी रहती है। कुल भारित निकासी टी प्लस 30 पर 3.5 प्रतिशत से बढ़कर टी प्लस 365 तक 50.7 प्रतिशत हो गई, जिससे पता चलता है कि एक साल के भीतर लगभग आधा एंकर आवंटन बेच दिया जाता है। मूल्य के लिहाज से, एफपीआई ने टी प्लस 365 तक करीब 22,474 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि उनका कुल एंकर आवंटन 37,491 करोड़ रुपये था। इसके अतिरिक्त, छोटे आईपीओ (0-250 करोड़ रुपये) में बिकवाली की तीव्रता अधिक रही, जहां टी+365 तक 72.5 प्रतिशत निकासी दर्ज की गई, जबकि 1,001-2,500 करोड़ रुपये के निर्गम आकार वाले आईपीओ में यह 40.8 प्रतिशत थी।

रुपया गिरावट पर बंद

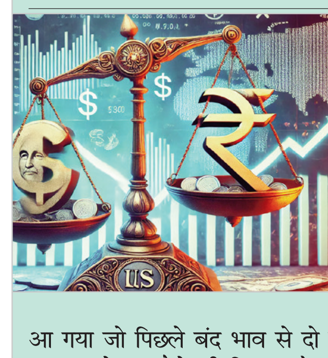

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.52 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.39 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 के स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की मामूली बढ़त है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 95.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.78 पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार से विदेशी पूंजी की निकासी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये पर दबाव बना रहा।

लीप इंडिया का शेयर बाजार में निर्गम मूल्य से 4 फीसदी ऊपर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । लीप इंडिया लिमिटेड के शेयर ने शुक्रवार को शेयर बाजारों में अपने निवेशकों को शानदार आगाज दिया। आपूर्ति श्रृंखला परिसंपत्तियां साझा करने वाली इस कंपनी के शेयर निर्गम मूल्य से 4 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए, जो आईपीओ को मिले मजबूत अभिदान का परिणाम है। बीएसई पर लीप इंडिया का शेयर 166 रुपये पर खुला, जो इसके निर्गम मूल्य 159 रुपये से 4.40 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह, एनएसई पर यह 4.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 165.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इस मजबूत शुरुआत के साथ, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 6,530.95 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के 2,480 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन 8.38 गुना अभिदान मिला था।

भारत की अमेरिका से 2027 तक 15 फीसदी एलपीजी गैस खरीदने की तैयारी

पश्चिमी एशिया पर निर्भरता कम करने और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली । भारत अपनी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति को पूरी तरह सुरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता के रूप में भारत ने 2027 के वार्षिक अनुबंधों के तहत अमेरिका से अधिक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस खरीदने के लिए बातचीत शुरू की है। इसका उद्देश्य अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना और पश्चिम एशिया पर अपनी वर्तमान निर्भरता को कम करना है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन जैसी राज्य-स्वामित्व वाले रिफाइनरों को 2027 तक भारत के कुल एलपीजी आयात का कम से कम 15 फीसदी अमेरिकी कंपनियों के साथ टर्म कॉन्ट्रैक्ट के जरिये हासिल करने का निर्देश दिया है। इस साल भारत ने 22 लाख टन का पहला अमेरिकी टर्म सप्लाई अनुबंध किया था, जो उसके कुल आयात का 10 फीसदी था। तीनों रिफाइनरों के अधिकारी इस समय अमेरिका में आपूर्ति सौदों पर बातचीत कर रहे हैं। एक ओर, यह भारत के आपूर्ति विकल्पों का विस्तार करेगा और पश्चिम एशिया में संभावित व्यवधानों के जोखिम को कम करेगा। दूसरी ओर, यह अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने में भी मदद करेगा, जो नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच लंबित व्यापार समझौते के लिए महत्वपूर्ण है। हॉरमुज स्ट्रेट पर तनाव और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध के कारण भारत के एलपीजी आपूर्ति दृष्टिकोण पर लगातार दबाव बना हुआ है। पिछले महीने एलपीजी की खपत में 16 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जिससे घरों और उद्योगों को वैकल्पिक ईंधन की ओर स्विच करना पड़ा। अमेरिका पहले ही भारत का शीर्ष एलपीजी सप्लायर बन चुका है, इस साल अगस्त तक शिपमेंट रिकॉर्ड 39 लाख टन तक पहुंच गया था।

माल्या-एसबीआई विवाद खत्म करें, देश की अर्थव्यवस्था हो रही प्रभावित: बॉम्बे हाईकोर्ट

एक दशक पुराने वाणिज्यिक विवाद को तार्किक अंत तक पहुंचाने पर जोर

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या और बैंकों के बीच एक दशक से चल रहे वाणिज्यिक विवाद को अब खत्म करने की बात कही है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच की मौजूदा स्थिति और अटैच की गई संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। कोर्ट का मानना है कि इस विवाद का देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा और नकारात्मक असर पड़ रहा है। जस्टिस मिलिंद जाधव की सिंगल जज बेंच ने माल्या की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर दोनों पक्ष इस विवाद को खत्म नहीं करते हैं, तो इसका देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।

कोर्ट ने जोर दिया कि एक दशक से चल रहे इस मामले को अब एक तार्किक अंत तक पहुंचना चाहिए। माल्या ने 2020 में पीएमएलए कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें बैंकों को ईडी द्वारा अटैच की गई उसकी संपत्तियों का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

माल्या पर बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के लिए बैंकों से लिए गए लगभग 9,000 करोड़ रुपए के लोन को डिफॉल्ट करने का आरोप है।

वह मार्च 2016 में यूके भाग गया था और 2019 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया। कोर्ट ने पहले भी साफ किया था कि जब तक माल्या भारत लौटकर सरेंडर नहीं करता, तब तक उसकी याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। माल्या ने इंग्लैंड की अदालतों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का हवाला देते हुए कहा है कि वह फिलहाल यह नहीं बता सकता कि भारत कब लौटेगा। उसके वकील ने हालांकि, याचिकाकर्ता की अनुपस्थिति में भी सुनवाई का आग्रह किया है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का मुनाफा 80 फीसदी गिरा

पुर्जों की कमी, सप्लायर और जेएलआर के कमजोर प्रदर्शन ने बिगाड़ा खेल

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारी झटका लगा है। कंपनी का मुनाफा 80 फीसदी से ज्यादा घटकर 775 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,924 करोड़ रुपए था। यह भारी गिरावट स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में बाधाओं और प्रीमियम ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के कमजोर प्रदर्शन के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही में टाटा मोटर्स का मुनाफा महज 775 करोड़ रुपए रह गया, यानी 80 फीसदी से अधिक की गिरावट। कंपनी के लिए यह झटका स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में रुकावटों, एक बड़े कंपोनेंट सप्लायर के यहां लगी आग और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष जैसी कई चुनौतियों के कारण लगा। इसके अतिरिक्त, कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होने से भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 9 फीसदी बढ़कर 95,799 करोड़ रुपए रहा। मुनाफे में गिरावट के बावजूद रेवेन्यू में वृद्धि बताती है कि कंपनी के प्रोडक्ट्स की मांग बनी हुई है, लेकिन परिचालन संबंधी चुनौतियां हावी रहीं। कंपनी का ए बिटा मार्जिन 130 बेसिस पॉइंट्स घटकर 7.4 फीसदी पर आ गया, साथ ही 32 करोड़ रुपए का एक्सेप्शनल लॉस भी दर्ज किया गया। प्रीमियम सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा।

जेएलआर का मुनाफा 73 फीसदी गिरकर 66 बिलियन डॉलर पर आ गया, जबकि रेवेन्यू में भी 9 फीसदी की कमी आई। जेएलआर के खराब प्रदर्शन के पीछे भी सप्लायर के यहां आग, मिडिल ईस्ट संघर्ष और कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होना प्रमुख कारण रहे।

जुलाई में थोक मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट, 9.78 फीसदी पर पहुंची

ईंधन-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी ने दी राहत

नई दिल्ली । महंगाई मोर्चे पर आंशिक राहत देते हुए थोक मुद्रास्फीति जुलाई में मामूली रूप से घटकर 9.78 प्रतिशत पर आ गई है। जून में यह 9.87 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार के नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के तहत यह पहली मासिक गिरावट है, जो मुख्य रूप से ईंधन, बिजली और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के कारण संभव हुई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत रह गई, जो जून में 27.41 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई में 5.49 प्रतिशत से घटकर 5.44 प्रतिशत पर आ गई। इन प्रमुख क्षेत्रों में कीमतों में आई नरमी ने समग्र थोक मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद की है। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई, जो जून में 7.48 प्रतिशत थी, जिससे पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाई। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के कारण वैश्विक कच्चे तेल तथा उर्वरकों की लागत में वृद्धि का असर अभी भी अर्थव्यवस्था पर बना हुआ है, जिसने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत में थोक महंगाई को लगातार बढ़ाया था। यह राहत उस समय आई है जब खुदरा मुद्रास्फीति खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण जुलाई में बढ़कर 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। आरबीआई ने अल नीनो की स्थिति और कमजोर मानसून का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत रखा है, जो भविष्य की चुनौतियों का संकेत देता है।

विश्व विजयी तिरंगा प्यारा...

झंडा ऊँचा रहे हमारा, विश्व विजयी तिरंगा प्यारा..

यह गीत भारत का हर बच्चा गुनगुनाता है.. बड़े ही शान से। आखिर क्या बात है इस ध्वज में जिसने आज़ादी के परवानों में एक नया जोश भर दिया था और जो आज भी हर भारतीय को अपने गरिमामय इतिहास की याद दिलाता है और विभिन्नता में एकता वाले इस देश को एक सूत्र में बाँधे हुए है। हर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर लाल क़िले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज को बड़े ही आदर और सम्मान के साथ फहराया जाता है। देश के प्रथम नागरिक से लेकर आम नागरिक तक इसे सलामी देता है। 21 तोपों की सलामी से सेना इसका सम्मान करती है। किसी भी देश का झंडा उस देश की पहचान होता है। तिरंगा हम भारतीयों की पहचान है। राष्ट्रीय झंडे ने पहली बार आज़ादी की घोषणा के कुछ ही दिन पहले 22 जुलाई 1947 को पहली बार अपना वो रंग रूप पाया जो आज तक कायम है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है इसलिए हम इसे तिरंगा भी कहते हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग फिर सफ़ेद और सबसे नीचे हरा। बीच में गहरे नीले रंग का चक्र बना है जिसमें 24 चक्र हैं जिसे हम अशोक चक्र के नाम से जानते हैं। इस प्रतीक को सारनाथ में अशोक महान के स्तंभ से लिया गया है। तिरंगे की बनावट पर हमारे देश में काफ़ी ध्यान दिया जाता है क्यों कि ये हमारे सम्मान से जुड़ा हुआ है। हर तिरंगे में अशोक चक्र श्वेत रंग के तीन चौथाई भाग में ही होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज खादी के कपड़े का होना चाहिए। आज जो ध्वज हमारे देश की पहचान है उसे इस रूप में ढालने वाले थे पिंगली वेंकैया।

तिरंगे में इन रंगों की क्या महत्ता है ये जानना बहुत ज़रूरी है। केसरिया यानी भगवा रंग वैराग्य का रंग है। हमारे आज़ादी के दीवानों ने इस रंग को सबसे पहले अपने ध्वज में इसलिए सम्मिलित किया जिससे आने वाले दिनों में देश के नेता अपना लाभ छोड़ कर देश के विकास में खुद को समर्पित कर दें। जैसे भक्ति में साधु वैराग ले मोह माया से हट भक्ति का मार्ग अपनाते हैं। श्वेत रंग प्रकाश और शांति के प्रतीक के रूप में लिया गया। हरा रंग प्रकृति से संबंध और संपन्नता दर्शाता है, और केंद्र में स्थित अशोक चक्र धर्म के 24 नियमों की याद दिलाता है।

आजादी कहें या स्वतंत्रता ये ऐसा शब्द है जिसमें पूरा आसमान समाया है। आजादी एक स्वाभाविक भाव है या यूँ कहें कि आजादी की चाहत मनुष्य को ही नहीं जीव-जन्तु और वनस्पतियों में भी होती है। सदियों से भारत अंग्रेजों की दासता में था, उनके अत्याचार से जन-जन त्रस्त था। खुली फिजा में सांस लेने को बेचैन भारत में आजादी का पहला बिगुल 1857 में बजा किन्तु कुछ कारणों से हम गुलामी के बंधन से मुक्त नहीं हो सके। वास्तव में आजादी का संघर्ष तब अधिक हो गया जब बाल गंगाधर तिलक ने कहा कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

राष्ट्र और मातृभूमि की रक्षा के लिये

गंभीर प्रयास करने होंगे

देश में एक बार फिर स्वतंत्रता दिवस या आजादी के दिन के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। देश में बढ़ते भ्रष्टाचार, अराजकता, बेरोजगारी, भूखमरी, बेरोजगारी, अस्वास्थ्य की स्थित और गरीबी की वजह से अनेक लोगों के लिये 15 अगस्त की आजादी एक भूली बिसरी घटना हो गयी है। आजादी को अब 78 वर्ष हो गये हैं और इसका मतलब यह है कि कम से हर परिवार की पांच से सात पीढ़ियों ने इस दौरान इस देश में सांस ली होगी। हम देखते हैं कि पीढ़ी दर पीढ़ी एतिहासिक घटनाओं की स्मृतियां फीकी पड़ती जाती हैं। एक समय तो उनको एक तरह विस्मृत कर दिया जाता है। अगर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस और और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस हर वर्ष औपचारिक रूप से पूरे देश में न मनाया जाये तो शायद हम इन तारीखों को भूल चुके होते। वैसे निंरतर औपचारिक रूप से मनाये जाने के बाद भी कुछ वर्षों बाद एक दिन यह स्थिति आयेगी कि इसे याद रखने वालों की संख्या कम होगी या फिर इसे लोग औपचारिक मानकर इसमें अरुचि दिखायेंगे।

ऐतिहासिक स्मृतियों की आयु कम होने का कारण यह है कि इस संसार में मनुष्य की विषयों में लिप्तता इस कदर रहती है कि उसमें सक्रियता का संचार नित नयी एतिहासिक घटनाओं का सृजन करता है। मनुष्य जाति की इसी सक्रियता के कारण ही जहां इतिहास दर इतिहास बनता है वही उनको विस्मृत भी कर दिया जाता है। हर पीढ़ी उन्हीं घटनाओं से प्रभावित होती है जो उसके सामने होती हैं। वह पुरानी घटनाओं को अपनी पुरानी पीढ़ी से कम ही याद रखती है। इसके विपरीत जिन घटनाओं का अध्यात्मिक महत्व होता है उनको सदियों तक गाया जाता है। हम अपने अध्यात्मिक स्वरूपों में भगवत् स्वरूप की अनुभूति करते हैं इसलिये ही भगवान श्री विष्णु, श्री ब्रह्मा, श्री शिव, श्री राम, श्री कृष्ण तथा अन्य स्वरूपों की गाथायें इतनी दृढ़ता से हमारे जनमानस में बसी हैं कि अनेक एतिहासिक घटनायें उनका विस्मरित नहीं करा पातीं। हिन्दी के स्वर्णिम काल में संत कबीर, मानस हंस तुलसी, कविवर रहीम, और भक्तमणि मीरा ने हमारे जनमानस को आंदोलित किया तो उनकी जगह भी ऐसी बनी है कि वह हमारे इतिहास में भक्त स्वरूप हो गये और उनकी श्रेणी भगवान से कम नहीं बनी। हम इन महामनीषियों के संबंध में श्रीमद्भागवत गीता में वर्णित इस संदेश का उल्लेख कर सकते हैं जिसमें भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'जैसे भक्त मुझको भजते हैं वैसे ही मैं उनको भजता हूं'। अनेक विद्वान तो यह भी भी कहते हैं कि भक्त अपनी तपस्या और सृजन से भगवान की अपेक्षा बढ़े हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि भारतीय अध्यात्मिक दर्शन राष्ट्र या मातृभूमि को महत्व नहीं देता। भगवान श्रीकृष्ण ने तो अपने मित्र श्री अर्जुन को राष्ट्रहित के लिये उसे क्षात्र धर्म अनुसार निर्वाह करने का उपदेश दिया। दरअसल क्षत्रिय कर्म का निर्वाह मनुष्य के हितों की रक्षा के लिये ही किया जाता है। यह जरूर है कि चाहे कोई भी धर्म हो या कर्म अध्यात्मिक ज्ञान होने पर ही पूर्णरूपेण उसका निर्वाह किया जा सकता है। देखा जाये तो भारत और यूनान पुराने राष्ट्र माने जाते हैं। भारतीय इतिहास के अनुसार एक समय यहां के राजाओं के राज्य का विस्तार ईरान और तिब्बत तक इतना व्यापक था कि आज का भारत उनके सामने बहुत छोटा दिखाई देता है। ऐसे राजा चक्रवर्ती राजा कहलाये। यह इतिहास ही राष्ट्र के प्रति गौरव रखने का भाव अनेक लोगों में अन्य देशों के नागरिकों की राष्ट्र भक्ति दिखाने की प्रवृत्ति की अपेक्षा कम कर देता है। इसी कारण अनेक बुद्धिमान इस देश के लोगों में राष्ट्रप्रेम होने की बात कहते हैं। यह सही है कि बाद में विदेशी शासकों ने यहा आक्रमण किया और फिर उनका राज्य भी आया। मगर भारत और उसकी संस्कृति अक्षुण्ण रही। इसका अर्थ यह है कि 15 अगस्त को भारत ने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की और कालांतर वैसे ही महत्व भी माना गया। स्वतंत्रता के बाद भारतीय अध्यात्मिक को तिरस्कृत कर पश्चिम से आये विचारों को न केवल अपनाया गया बल्कि उनको शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से जोड़ा भी गया। हिन्दी में अनुवाद कर विदेशी विद्वानों को महान कालजयी विचारक बताया गया। इससे धीमे धीमे सांस्कृतिक विभ्रम की स्थिति बनी और अब तो यह स्थिति यह है कि अनेक नये नये विद्वान भारतीय अध्यात्मक के प्रति निरपेक्ष भाव रखना आधुनिकता समझते हैं। इसके बावजूद 80 साल के इस में इतिहास की छवि भारत के अध्यात्मिक पक्ष को विलोपित नहीं कर सकी तो इसका श्रेय उन महानुभावों को दिया जाना चाहिए जिन्होंने निष्काम से जनमानस में अपने देश के पुराने ज्ञान की धारा को प्रवाहित रखने का प्रयास किया। यही कारण है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी को मनाने तथा भीड़ को अपने साथ बनाये रखने के लिये उनके तरह के प्रयास करने पड़ते हैं जबकि राम नवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और महाशिवरात्रि पर स्वप्रेरणा से लोग उपस्थित हो जाते हैं। एक तरह से इतिहास और अध्यात्मिक धारायें प्रथक प्रथक हो गयी हैं जो कि होना नहीं चाहिए था। हमारे यहां स्वतंत्रता संग्राम में दौरान आज़ादी तथा देश भक्ति का नारा इस तरह लगा कि हमारे यहां पेशेवर अभियान संचालक लोगों की भीड़ को एकत्रित करने के लिये आज भी लगाते हैं। लोगों के राष्ट्रप्रेम की धारा इस तरह बह रही है कि आज भी स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा गांधी जयंती पर भाव विभोर करने वाले गीत लोगों को लुभाते हैं। जब कोई आंदोलन या प्रदर्शन होता है तो उस समय मातृभूमि का नारा देकर लोगों को अपनी तरफ आकृष्ट करने के प्रयास होते हैं जिनसे प्रभावित होकर लोगों की भीड़ जुटती भी है। राष्ट्र और मातृभूमि की रक्षा के लिये सतत और गंभीर प्रयास करने होते हैं। अपने नागरिकों को ज्ञान और विज्ञान से परिपूर्ण करना होता है। उनका नेतृत्त करने वालों को न केवल शारीरिक रूप से सक्षम होना चाहिए बल्कि उनमें साहस भी होना चाहिए। समाज के नागरिक वर्ग के लोग आर्थिक रूप से उत्पादक, भेदभाव से रहित तथा सत्यमार्गी होना चाहिए।

आजादी का ऐतिहासिक महत्व

भारत का स्वतंत्रता दिवस ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन हम राजनीतिक तौर पर आजाद हुए और हमने लोगों के दिल और दिमाग में राष्ट्रीयता का विचार पैदा करना शुरू किया. अगर ऐसा न होता, तो लोग अपनी जाति, समुदाय व धर्म आदि के आधार पर ही सोचते रह जाते. हालांकि, भारतीय होने का यह गौरव केवल एक भौगोलिक सीमा के ऊपर खड़ा था. भारत का असली व पूरा गौरव, इसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि इसकी संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों तथा सार्वभौमिकता में है. तीन ओर से सागर तथा एक ओर से हिमालय पर्वत श्रृंखला से घिरा भारत, स्थिर जीवन का केंद्र बन कर सामने आया है. यहां के निवासी एक हजारों सालों से बिना किसी बड़े संघर्ष के रहते आ रहे हैं, जबकि बाकी संसार में ऐसा नहीं रहा. जब आप संघर्ष की सी स्थिति में जीते हैं, तो आपके लिए प्राणों की रक्षा ही जीवन का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य बना रहता है. जब लोग स्थिर समाज में जीते हैं, तो जीवन–रक्षा से परे जाने की इच्छा पैदा होती है. भारत में लंबे अरसे से, स्थिर समाजों का उदय हुआ और नतीजन आध्यात्मिक प्रक्रियाएं विकसित हुईं. आज आप अमेरिका में लोगों के बीच आध्यात्मिकता को जानने की तड़प को देख रहे हैं, उसका कारण यह है कि उनकी आर्थिक दशा पिछली तीन–चार पीढ़ियों से काफी स्थिर रही है. उसके बाद उनके भीतर कुछ और अधिक जानने की इच्छा बलवती हो रही है. भारत में आज से कुछ हजार साल पहले ऐसा ही घट चुका है. यह अविश्वसनीय जान पड़ता है कि हमने कितने रूपों में आध्यात्मिकता को अपनाया है. इनसान बुनियादी रूप से क्या है, इस मुद्दे पर इस धरती के किसी भी दूसरी संस्कृति ने उतनी गहराई से विचार नहीं किया, जैसा हमारे देश में किया गया. यही इस देश का मुख्य आकर्षण है कि हमें पता है कि मानव–तंत्र कैसे काम करता है, हम जानते हैं कि इसके साथ हम क्या कर सकते हैं या इसे इसकी चरम संभावना तक कैसे ले जा सकते हैं. हमें इसका इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि महान मनुष्यों के निर्माण से ही तो महान देश की रचना हो सकती है. परंतु अब, लोगों को भौगोलिक सीमाओं में ही गौरव का अनुभव होने लगा है.

अशोक स्तंभ

हमारी सांस्कृतिक विरासत

हमारी सांस्कृतिक विरासत का ही एक अंग है, हमारा राष्ट्रीय चिह्न, जिसे हमने सम्राट अशोक की विरासत के रूप में प्राप्त किया है।

सारनाथ में जहाँ गौतम बुद्ध ने सर्वप्रथम अपने ज्ञान के प्रकाश से संसार को आलोकित किया था, वहाँ सम्राट अशोक ने शिलालेख और यह चिह्न स्थापित किया था। यहीं से इस चिह्न को राष्ट्रीय के रूप में अपनाया गया। यह चिह्न सम्राट अशोक और महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं की स्मृति को तो ताजा करता ही है, वरन इस चिह्न में हमारी असीम सांस्कृतिक विरासत भी झलकती है।

यद्यपि यह विवरण प्राप्त नहीं है कि सम्राट अशोक के काल में इस चिह्न का निर्माण और प्रचलन कब हुआ परंतु यह निश्चित है कि इस चिह्न का संबंध सम्राट अशोक से है और संभव है इस चिह्न का प्रचलन पहले से रहा हो। यह इस चिह्न में निहित गूढ़ अर्थों से ज्ञात होता है, जो ज्ञान की सर्वोच्च पराकाष्ठा को प्रदर्शित करते हैं।

सांकेतिक भाषा में विचारों और भावनाओं को चिह्नों या चित्रों के माध्यम से प्रकट करने का इतिहास अति प्राचीन है। द इसी सांकेतिकता का उपयोग सम्राट अशोक के इस चिह्न में भी परिलक्षित होता है। सामान्य दृष्टि से इस चिह्न को देखकर यही कहा जाएगा कि सिंह, शक्ति और गौरव के प्रतीक तथा आधार पर स्थित अश्व, ऊर्जा एवं गति, वृषभ, कठिन परिश्रम एवं धैर्य तथा इन दोनों के मध्य स्थित चक्र धर्म को प्रदर्शित करता है। परंतु इस चिह्न का गूढ़ार्थ ऋग्वेद के अध्ययन से ज्ञात होता है, जिसे संसार में मानव सभ्यता का सबसे प्राचीनतम ग्रंथ माना जाता है। इस ग्रंथ की भाषा भी सांकेतिक है। संक्षेप में यदि कहा जाए तो यह चिह्न सृष्टि की निरंतरता, जीवन और उस पर एक आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा के नियंत्रण को प्रदर्शित करता है।

अशोक चिह्न में इसे इस प्रकार से दर्शाया गया है कि इसमें प्रदर्शित चार शेर और सामने से दृष्टिगत शेरों के चार पैर परम मौलिक ऊर्जा के चार अंशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। किसी भी दिशा से सामने देखने पर शेरों के तीन मुँह और चार पैर ही दृष्टिगोचर होते हैं। जिससे यह तात्पर्य निकलता है कि इस मौलिक ऊर्जा के चार अंशों में से तीन अंश ऊपर उठकर आकाश में अवस्थित हैं, शेर के माध्यम से इस मौलिक ऊर्जा की अभिव्यक्ति इसे सर्वशक्तिमान प्रतिपादित करती है। अशोक चिह्न में शेरों के आधार पर स्थित पशु और चक्र, इस परम मौलिक ऊर्जा के एक अंश का प्रतीक होकर दृश्य जगत का भाग है। इसमें चिह्नित अश्व एवं गाय चैतन्य जगत का प्रतिनिधित्व करने के साथ, परम मौलिक ऊर्जा तथा प्रकृति को अभिव्यक्त करते हैं। इस ऋचा में परम मौलिक ऊर्जा से चैतन्य जगत की उत्पत्ति की ओर संकेत किया है कि उसी से अश्व तथा ऊपर और नीचे दोनों ओर दाँत वाले पशु उत्पन्न होते हैं। उसी से गायें उत्पन्न होती हैं तथा बकरी और वनस्पति भी उसी से उत्पन्न होते हैं। यहाँ अजावय- अजआवय- से तात्पर्य बकरी और वनस्पति से प्रतीत होता है। वेद में स्थूल रूप से महत्वपूर्ण पाँच पशु माने गए हैं, पुरूष, अश्व, गौ, अज ये प्रसिद्ध नाम हैं तथा अवि उस पशु प्राण का नाम हैं, जो वनस्पतियों को स्वपोषी बनाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि अशोक चिह्न में चैतन्य जगत को अश्व एवं गाय के द्वारा अभिव्यक्त किया गया है। इसका दूसरा महत्व एवं संकेत यह है कि वैदिक ज्ञान के अनुसार सृष्टि को प्रकृति–पुरूषात्मक अर्थात मैथुनी सृष्टि कहा गया है। अर्थात् प्रकृति के आधारभूत तत्व परम पुरूष (मौलिक ऊर्जा) से संयोग कर प्रकृति की विभिन्न शक्तियों और घटकों का निर्माण करती है और प्रकृति अस्तित्व में आती हैं। अशोक चिह्न में इस मैथुनी स्वभाव को अभिव्यक्त करने के लिए अश्व और गाय का उपयोग किया गया है। परम मौलिक ऊर्जा के ऊर्जावान गति स्वरूप को अश्व के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है, तथा चक्र के दूसरी ओर प्रकृति तथा प्रकृति की मातृवत् पोषण शक्ति को गाय के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। आधारभूत मौलिक ऊर्जा और प्रकृति का संयुक्त प्रयास यह सृष्टि है। जो भूमि चक्र के रूप में कार्य कर रही है। इस सृष्टि चक्र को चक्र के माध्यम से मध्य में उत्कीर्ण किया गया है।

32 टीमों में 50 मुकाबले, भारत-पाकिस्तान मैच 19 अगस्त को

पहली बार महिला-पुरुष हॉकी वर्ल्डकप एक साथ होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त से हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत हो रही है। पहली बार महिला और पुरुष के टूर्नामेंट एक साथ हो रहे हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं। भारतीय पुरुष टीम वेल्स के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगी। यह मैच दोपहर 4:30 बजे शुरू होगा। इससे पहले महिलाओं का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच दोपहर 1:30 बजे से होगा।

16 दिन चलेंगे टूर्नामेंट, 2 वेन्यू पर मुकाबले - शनिवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट 16 दिन तक चलेंगे। दोनों टूर्नामेंट में कुल 50 मैच खेले जाएंगे। इनका आयोजन 2 फेज में होगा। पहला ग्रुप स्टेज, क्रॉसओवर पूल। फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच होंगे। सभी मैच 2 वेन्यू पर आयोजित होंगे।

कुल 32 टीमें हिस्सा ले रहीं - मेंस और विमेंस वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें (कुल 32 टीमें) हिस्सा लेंगी। ग्रुप स्टेज में 16 टीमें 4 ग्रुप (ए, बी, सी, डी) में बंटेंगी और हर टीम 3 मैच खेलेगी। हर ग्रुप से टॉप-2 टीम क्रॉसओवर राउंड में जाएगी। इन 8 टीमों को 2 ग्रुपों में बांटा जाएगा। इस राउंड में हर टीम तीन और मैच खेलेगी।

29-30 अगस्त को फाइनल होंगे

फाइनल मैच 29 और 30 अगस्त को खेले जाएंगे। महिला वर्ल्ड कप का फाइनल 29 अगस्त को खेला जाएगा। जबकि, पुरुष वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला 30 अगस्त को रात 8:00 बजे से शुरू होगा। दोनों फाइनल के दिन ब्रॉन्ज मेडल मैच भी होंगे।

बेल्जियम में पहली बार वर्ल्ड कप

इस बार के वर्ल्ड कप में क्वार्टर फाइनल नहीं होंगे।

पहली बार पुरुष और महिला हॉकी वर्ल्ड कप एक साथ हो रहे हैं।

बेल्जियम पहली बार वर्ल्ड कप होस्ट कर रहा है। उसकी मेंस टीम नंबर-1 है।

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद

वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी, गौतम-अगरकर 2027 वर्ल्डकप तक बने रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण को बोर्ड 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' नियुक्त करने वाला है। लक्ष्मण अपनी मौजूदा जिम्मेदारियां तो निभाते रहेंगे, लेकिन उनकी भूमिका पहले से ज्यादा व्यवस्थित होगी। लक्ष्मण, जो पहले जूनियर भारतीय टीमों, खिलाड़ियों के रिहैब और पुरुष व महिला क्रिकेटरों के लिए आगे बढ़ने के रास्तों (पाथवे) की देखरेख करते थे, अब आगे चलकर स्टाफ की नियुक्तियों के लिए भी जिम्मेदार होंगे। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सार्वजनिक की है। मीडिया सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया कि बीसीसीआई लक्ष्मण का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने वाला है, जिससे वह दो और साल तक सीओई में बने रहेंगे। कॉन्ट्रैक्ट बढ़ने के साथ उन्हें एक नया पद 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' मिलेगा, जो पहले नहीं था। भूमिका में यह बदलाव भारतीय क्रिकेट के हर स्तर को जोड़ेगा (सीनियर कोच और सेलेक्टर से लेकर सीओई और युवा खिलाड़ियों के लिए बने सिस्टम तक) ताकि टैलेंट की पहचान और खिलाड़ियों के विकास के लिए एक जैसा तरीका अपनाया जा सके। लक्ष्मण के लिए यह एक स्वाभाविक अगला कदम है क्योंकि वह पहले से ही सीओई में गहराई से जुड़े हुए हैं और टैलेंट पाइपलाइन के हर चरण में काम कर रहे हैं। नेशनल सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन अजीत अगरकर का कार्यकाल सितंबर में खत्म होने वाला है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में भारत की खराब स्थिति के बाद श्रीलंका के खिलाफ आगामी 2 मैच कोच के लिए आगे का रास्ता तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मीडिया सूत्रों के हवाले से कहा कि बदली हुई भूमिका में लक्ष्मण असल में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और सिलेक्शन कमिटी के चीफ अजीत अगरकर से ऊपर होंगे। हालांकि अगरकर और गंभीर के तत्काल भविष्य पर कोई खतरा नहीं है।

एशियन गेम्स 2026

भारत-पाकिस्तान के बीच नहीं होगा कोई मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स अगले महीने 19 सितंबर से जापान में शुरू हो रहा है और 4 अक्टूबर को समाप्त होगा. इस खेल इवेंट में क्रिकेट प्रतियोगिता 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगी. पहले महिला का मुकाबला होगा, उसके बाद पुरुष प्रतियोगिता होगी. सभी मैच नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में फैंस को भारत और पाकिस्तान के बीच मेडल मैच से पहले कोई मैच नहीं देखने को मिलेगा. क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, एशियन गेम्स क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग रखा गया है. टूर्नामेंट के ड्रॉ से यह तय हो गया है कि ये दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी पुरुष और महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में केवल मेडल मैच में ही आमने-सामने हो सकते हैं। चौथी सीड वाली पाकिस्तान टीम का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला थाईलैंड से होगा. जीत मिलने पर सेमीफाइनल में उनका मुकाबला श्रीलंका या मलेशिया से हो सकता है. महिला फाइनल और ब्रॉन्ज-मेडल मैच 22 सितंबर को खेले जाएंगे।

मेडल मैच में होगा मुकाबला

इस फिक्सचर से ये साफ हो गया कि भारत और पाकिस्तान ना तो क्वार्टरफाइनल में भिड़ेंगे और ना ही सेमीफाइनल में. लेकिन अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचीत हैं या फिर सेमीफाइनल हारती हैं तो वो दोनों मेडल मैच में आमने सामने हो सकते हैं. दोनों मेडल मैच 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

महिला प्रतियोगिता में भी यही नियम

महिला प्रतियोगिता में भी यही नियम अपनाया गया है, जिसका मतलब है कि शुरुआती राउंड में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला नहीं होगा. महिला टूर्नामेंट में भारत टॉप-सीडेड टीम है और क्वार्टरफाइनल में उसका मुकाबला जापान से होगा। अगर वे आगे बढ़ती हैं, तो सेमीफाइनल में उनका मुकाबला बांग्लादेश या हांगकांग चीन से होगा।

4 टीमें सीधे क्वार्टरफाइनल में

मेंस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमें भाग लेंगी. जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को डायरेक्ट क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिलेगा. बाकी छह टीमों को, जिनमें अफगानिस्तान भी शामिल है, क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए ग्रुप स्टेज से गुजरना होगा. जिसमें नेपाल, हांगकांग चीन, जापान, मलेशिया और ओमान के नाम शामिल हैं।

भारत और पाकिस्तान के मैच का शेड्यूल

भारत को क्वार्टरफाइनल 2 में रखा गया है, जबकि पाकिस्तान क्वार्टरफाइनल 1 खेलेगा. दोनों मैच 28 सितंबर को होंगे. जो ग्रुप स्टेज से आने वाली टीमों का सामना करेंगी. इसके बाद सेमीफाइनल ड्रॉ में भी भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग रखा गया है. क्योंकि क्वार्टरफाइनल 1 की विजेता टीम का मुकाबला क्वार्टरफाइनल 3 की विजेता टीम से होगा, जबकि क्वार्टरफाइनल 2 की विजेता टीम का मुकाबला क्वार्टरफाइनल 4 की विजेता टीम से होगा. सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीता

पोलैंड (एजेंसी)। पोलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने गुरुवार को टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन का फाइनल जीता। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराकर इस साल का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता।यह उनके करियर का 26वां खिताब है।

29 मिनट में जीता पहला सेट - 7वीं वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैच की शुरुआत में ही दूसरी वरीयता प्राप्त रायबकिना की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 29 मिनट में 6-2 से जीत लिया।

कश्मीर की 17 वर्षीय एमएमए फाइटर रुत्बा शब्बीर

36 सेकंड में प्रतिद्वंद्वी को किया था ढेर

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) (एजेंसी)। रुतबा शब्बीर को 9वीं एमएमए इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में अपनी छाप छोड़ने के लिए ज्यादा समय नहीं लगा. बस 36 सेकंड ही काफी थे. जम्मू-कश्मीर की इस 17 साल की खिलाड़ी ने पिछले महीने इंदौर (मध्य प्रदेश) में बैंटमवेट फाइनल के पहले राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को नॉकआउट कर दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल और 'बेस्ट फीमेल एथलीट' का अवॉर्ड मिला. हालांकि, रुतबा के लिए यह जीत सफर का अंत नहीं थी. उन्होंने ईटीवी भारत को बताया कि यह तो बस शुरुआत है. अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है. उनका यह जवाब उस युवा फाइटर के बारे में उतना ही कुछ बताता है, जितना कि केज (रिंग) के अंदर उनकी तेजी से मिली जीत।

कौन हैं रुत्बा शब्बीर?

- रुत्बा श्रीनगर के हैदरपोरा की रहने वाली हैं. वो अभी गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, अमीरा कदल में 11वीं क्लास की छात्रा हैं. वह 'एपेक्स एमएमए' का प्रतिनिधित्व करती हैं और 'स्रुछ्य' के फाउंडर व टीम इंडिया के ऑफिशियल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स कोच आसिफ हुसैन की देखरेख में ट्रेनिंग लेती हैं. नेशनल लेवल पर मिली इस कामयाबी ने उन्हें उन युवा एथलीटों की लिस्ट में शामिल कर दिया है जो जम्मू-कश्मीर के बढ़ते स्रुमूवमेंट को नेशनल स्टेज पर ले जा रहे हैं।

बरसों की मेहनत का नतीजा

रुत्बा को यह पहचान रातों-रात मिली कामयाबी नहीं, बल्कि बरसों की मेहनत का नतीजा है. कोच आसिफ हुसैन ने बताया कि रुत्बा ने उनके अंडर करीब आठ से नौ साल तक ट्रेनिंग की है। एमएमए में आने से पहले वह वुशु में हिस्सा लेती थीं. उन्होंने एमएमए फाइटर के तौर पर खुद को तैयार करने में लगभग चार से पांच साल लगे. वो नेशनल लेवल पर कई मेडल जीत चुकी है. हुसैन ने उनमें आए बदलाव के बारे में बताते हुए कहा, 'वह हमेशा से ऐसी नहीं थीं।'उनके मुताबिक, रुत्बा शुरू में थोड़ी धीमी थीं और उन्हें अपनी फुर्ती पर काम करने की जरूरत थी.

तंजिद हसन ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी खिलाड़ी बने

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। बांग्लादेश के ओपनर तंजिद हसन तमीम ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। वे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी क्रिकेटर बन गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। तंजिद ने 188 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि बांग्लादेश की पहली पारी के दौरान हासिल की, जब ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले दिन 198 रन पर ऑलआउट हो गई थी। उनके शतक ने बांग्लादेशी खिलाड़ी के लिए घर से बाहर टेस्ट शतक लगाने का लंबा इंतजार भी खत्म कर दिया। पिछली बार ऐसा 2022 में हुआ था, जब महमुदुल हसन जॉय ने डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 137 रन बनाए थे।

राष्ट्रीय टीम में एंट्री की जंग शुरू

797 खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया में झोंकी पूरी ताकत

रांची (एजेंसी)। 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2026-27 में झारखंड की ओर से प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया शुरू हो गई. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् ,रांची की ओर से आयोजित चयन प्रक्रिया में पहले दिन विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, फिटनेस और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण - अलग-अलग खेल स्थलों पर आयोजित चयन प्रक्रिया में कुल 797 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. बुधवार को नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण हुआ.

भारत आज 600वां टेस्ट खेलेगा

जीता तो वेस्टइंडीज की बराबरी करेगा; श्रीलंका में स्पिन खेलना चुनौती

गॉल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजों की शनिवार से यहां शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में स्पिन के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी और इस श्रृंखला का नतीजा मुख्य कोच गौतम गंभीर की देश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रभारी के तौर पर भूमिका के लिए काफी अहम होगा। गंभीर के कार्यकाल में भारत सफेद गेंद (सीमित ओवरों का क्रिकेट) के क्रिकेट में लगभग अजेय टीम रहा है जिसका अंदाजा चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्व कप में उसके खिताबी अभियान से लगाया जा सकता है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तस्वीर काफी निराशाजनक है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप ने भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। लगातार मिली इन नाकामियों और इसके बाद सहयोगी स्टाफ के दो सहायक कोच तथा एक क्षेत्ररक्षण कोच के जाने से गंभीर और टीम के लिए तत्काल नई ऊर्जा के संचार की जरूरत महसूस होने लगी है। इसका यह मतलब नहीं है कि अगर श्रीलंका में भारत जीत हासिल नहीं कर पाता है तो गंभीर को तुरंत हटा दिया जाएगा लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट में आगे की रणनीति को लेकर सत्ता के गलियारों में निश्चित रूप से चर्चा तेज होगी। हालांकि गॉल में खोई प्रतिष्ठा वापस हासिल करना किसी भी मेहमान टीम के लिए आसान काम नहीं है। अक्सर यहां पहुंचकर सपने टूटते रहे हैं। अगर यह बात महज अतिशयोक्ति लगे तो आंकड़े पर्याप्त हैं। श्रीलंका ने 1998 से यहां खेले गए 49 टेस्ट में से 27 में जीत दर्ज की है। उसकी इस बादशाहत में चतुर स्पिनरों की बड़ी भूमिका रही है। मुथैया मुरलीधरन और रंगना हेराथ के स्वर्णिम दौर से श्रीलंका काफी आगे निकल चुका है लेकिन उसके पास अब भी प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस जैसे स्पिनर हैं, जिन्होंने गॉल को अपना किला बना रखा है। यह स्थिति मौजूदा भारतीय टीम के लिए अनुकूल नहीं है जिसके बल्लेबाज हाल के समय में मिचेल सैंटनर और साइमन हार्मर जैसे स्पिनरों के खिलाफ बुरी तरह संघर्ष करते नजर आए हैं। हालांकि, मौजूदा टीम में उस भारतीय टीम की झलक दिखती है जो 2017 में पिछली बार टेस्ट श्रृंखला खेलने श्रीलंका आई थी। विराट कोहली की अगुआई वाली उस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी थे जो अपने करियर के मध्य चरण में थे। भारत ने उस दौरे पर 3-0 से श्रृंखला जीती थी जिसमें गॉल में मिली जीत भी शामिल थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के दबदबे का दौर शुरू हुआ था। मौजूदा टीम भी युवा कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में करियर के मध्य चरण में पहुंच चुके अनुभवी खिलाड़ियों और अपनी जगह पक्की करने को बेताब युवा खिलाड़ियों से भरी है।

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी और सरफराज खान।

श्रीलंका : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, कामिंदु मेंडिस, दिनेश चांदीमल, पासिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनूषा, निरोशन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशारा नुवंथा, मिलन रत्नायके, असिथ फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्व फर्नांडो और दिलशान मदुशंका।

समय : सुबह 10 बजे।

मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जो अपने निर्भय और बिंदास बोल के कारण हमेशा सुर्खियों भी रहते हैं। हाल ही में अपने कुछ बयानों के कारण वे विवादों में आ गए थे। उससे होने वाले खामियाजे के बारे में वे कहते हैं, 'सच कहूं, तो मैंने कभी निर्भय होकर अपनी बात नहीं रखी है। मैंने तो हाल ही में जितना संभव हो सकता था, सच बोलने की कोशिश की है। मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़ कर बुरा बनाकर पेश किया गया। मेरा निजी तौर पर किसी से कोई बैर नहीं। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे माफ कर दो। मुझसे मत पूछो मैं नहीं जानता।'

तोड़ा-मरोड़ा कंटेंट दिया जाता है

वह आगे कहते हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली कुछ सेकंड्स की क्लिप्स के लिए भी ऐसा तोड़ा-मरोड़ा हुआ कंटेंट दिया जाता है। वह कहते हैं, 'इस तरह की क्लिप्स में जनता को भी खूब रस आता है। तो इसे दिखाने वाले उसी सनसनीखेज अंदाज में पेश करते हैं। मुझे लगता है इन मामलों में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।'

हमारी नाटक कंपनी को नीची निगाह से देखा जाता था

हरफनमौला अन्नू कपूर एक जमाने में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते थे। अपने उस दौर का जिक्र करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे पिताजी की जो नाटक कंपनी थी। उसके कारण हमें नीची निगाह से देखा जाता था। इसलिए माता जी की इच्छा थी कि हम किसी भी इज्जतदार प्रोफेशन में जाएं। जैसे पुलिस, डॉक्टर, आईपीएस अफसर आदि। मैं पढ़ाई में अच्छा था, तो माता जी को मुझसे ही उम्मीद थी, मगर फिर हालात ऐसे बने कि पढ़ाई छूट गई। मैं भी नाटक कंपनी से जुड़ गया। हम तो टैंटों में रहा करते थे। हम घुमंतू जैसे फोक नाटक कंपनी में काम करते थे, तो बारिश के दिन हमारे लिए बहुत ही कहर बरसाने वाले होते थे। घुमंतू नाटकों में 15 दिन इस गांव में, तो 15 दिन उस गांव में जाना होता था। हर नई जगह जाकर स्टेज तैयार करना होता था। अब अगर बारिश हुई तो हम नाटक ही नहीं कर पाएंगे, क्योंकि सब कुछ ओपन एर में होता था। नाटक नहीं कर पाएंगे, तो पब्लिक नहीं आएगी और पब्लिक नहीं आई, तो पैसा नहीं मिलेगा। तब हमें भूखे भी रहना पड़ेगा। तो हम लोग तो भोंपू लेकर बारिश के रुकने के इंतजार मैं बैठे रहते थे कि कब भोंपू बजाएं और कब लोगों को नाटक के लिए बुलाएं। तब बारह आने हुए एक रुपए का टिकट हुआ करता था।'

कब्रिस्तान जाकर पढ़ाई करता था

अन्नू कपूर की हालिया रिलीज 'उत्तर दा पुत्तर' में वास्तु के अलावा अंधविश्वास के मुद्दे भी बात की गई। अन्नू कपूर ने बताया कि वह जरा भी अंधविश्वासी नहीं हैं। उन्होंने अपने स्कूल-कॉलेज के दिनों एक एक किस्सा बयान करते हुए कहा, 'मैं जब नीमच-मध्यप्रदेश में जीवाजीराव सिंधिया हॉस्टल में पढ़ा करता था, तब वहां उस जमाने में हमारे हॉस्टल के पास अंग्रेजों के जमाने का क्रिश्चनों का ग्रेवयार्ड था। मेरे मन में बहुत चाह जागती थी कि चांदनी रात में लालटेन लेकर उस कब्रिस्तान में पढ़ूं तो सही। आपको सुन कर अटपटा लगेगा, मगर मैंने जब वहां पढ़ना शुरू किया, तो मेरा मन लगने लगा।'

हर दिन शुभ, कोई जगह मनहूस नहीं होती

'फिजिक्स केमिस्ट्री का कोई इक्वेशन अगर समझ में नहीं आ रहा है, तो वहां समझ आने लगा। रिजल्ट भी अच्छा आया। मेरी देखा -देखी में मैंने भी अपने दोस्तों को वहां पढ़ने की दावत दी। पहले तो वो थोड़ा झिझके, मगर फिर वो लोग भी जुड़ गए। सालों बाद जब मेरा नीमच जाना हुआ, तो मैं उसी ग्रेवयार्ड को खोज रहा था। तब मेरे साथ के लोग बोले कि अब तो उस पूरे इलाके में बस्तियां बस गई हैं। अब तो उस जगह को आप कब्रिस्तान के रूप में ढूंढ ही नहीं पाएंगे। तो जाहिर है कि अपने कॉलेज के जमाने में भी मैं अंधविश्वासी नहीं था। मेरा मानना कि हर दिन शुभ होता है। कोई भी जगह मनहूस नहीं होती।'

नयनतारा ने तोड़ा अपना नियम 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचने के पीछे का बताया कारण

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा आमतौर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री-रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं। यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती हैं, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, ''मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूं। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पातीं, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूं। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।''

'टॉक्सिक' के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे। उन्होंने कहा, ''यश ने मुझे सिर्फ फोन किया और उनके लिए इतना ही काफी था कि मैं इस इवेंट में शामिल हो जाऊं।'' नयनतारा ने यश के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़ा कलाकार अपने आप में खास होता है और सभी कलाकारों में कुछ अलग खूबियां होती हैं। यही वजह है कि वे सभी सुपरस्टार बने हैं लेकिन यश के साथ मेरी पहली मुलाकात का अनुभव कुछ अलग रहा। यश की पर्दे पर जो बड़ी और दमदार छवि दिखाई देती है, असल जिंदगी में भी वह काफी हद तक वैसे ही हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यश को पहली बार मिलने पर मुझे यह महसूस हुआ कि उनका पर्दे वाला व्यक्तित्व सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनकी शख्सियत में भी वही आत्मविश्वास और प्रभाव नजर आता है, जो उनकी फिल्मों में दिखाई देता है।

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' पहले से ही बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अब रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दीपिका पादुकोण के भी फिल्म में होने की नई अटकलों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन 'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज ने कास्टिंग की इन अफवाहों को हवा दी है।

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

'आवारापन 2' की टीम को मोहित सूरी ने दी बधाई

मोहित सूरी ने 'आवारापन' का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। अब फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। फिल्म के अगले हिस्से पर बात करते हुए डायरेक्टर थोड़ा भावुक होते नजर आए।

फिल्म के सीक्वल की रिलीज से पहले, उन्होंने सीक्वल के निर्देशक नितिन कक्कड़ और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जैसे कोई पुराना प्यार, या ऐसा दोस्त जिससे काफी समय से मुलाकात नहीं हुई, लेकिन आज भी बहुत याद आता है। 19 साल बाद भी यह फिल्म मेरे लिए उतनी ही मायने रखती है। धन्यवाद नितिन कक्कड़, आपने मेरे दिल के इतने करीब चीज को फिर से जिंदा किया, वो भी इतने प्यार, खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ। इस फिल्म पर काम करने वाले कई लोगों के साथ मैं पहले काम कर चुका हूं और आगे भी करूंगा। आप सबने बहुत शानदार काम किया है। इस ट्रेलर को देखकर मुझे बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।' उन्होंने आगे एक्टर इमरान हाशमी और दिशा पटानी का भी जिक्र किया। मोहित ने आगे लिखा, 'दिशा पटानी, मुझे तुम पर बहुत गर्व है, हमेशा की तरह। और इमरान हाशमी, मेरे हीरो और हमेशा हीरो रहोगे। मुझे यकीन है तुमने इस बार भी अपना पूरा दिल लगा दिया होगा, जैसे 18 साल पहले किया था। और मेरे छोटे भाई विशेष भट्ट- मैंने यह जिम्मेदारी तुम्हें दे दी है, और अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दुनिया तुम्हारा जादू देखे। शुभकामनाएं मेरे भाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया। आप सभी को ढेर सारी बधाई। सभी लोग 14 अगस्त को सिनेमाघरों में जाकर 'आवारापन 2' जरूर देखें। तो फिर आओ... मुझको सताओ... मुझको रुलाओ।'

नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी और विशेष फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी नजर आएंगी, जो जारा के किरदार में एक्शन करती दिखेंगी।

एग फ्रीजिंग ट्रेंड पर बोलीं सुरभि चंदना

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने एक्ट्रेस और महिला सेलिब्रिटीज के बीच एग्स फ्रीज़ करने के बढ़ते ट्रेंड पर अपनी राय दी। खास बातचीत में सुरभि ने कहा कि हालांकि वह उन सभी महिलाओं का समर्थन करती हैं जो अपने एग्स फ्रीज करने का फैसला करती हैं, लेकिन उन्हें खुद ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि वह चीजों को उनके नैचुरल तरीके से होने देने में विश्वास रखती हैं। 'नागिन' एक्ट्रेस से पूछा गया, 'आजकल बहुत सी एक्ट्रेस अपने एग्स फ्रीज करवा रही हैं। इस पर आपकी क्या राय है?' इस पर जवाब देते हुए सुरभि ने अपनी बहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने बिना किसी मेडिकल मदद के 39 साल की उम्र में मां बनने का अनुभव लिया। उन्होंने बताया, 'मेरी बहन ने 39 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया। वह अब दो साल का है - और यह एक नॉर्मल डिलीवरी थी। मैं भी इसमें विश्वास रखती हूं, और जो लोग एग्स फ्रीज करना जरूरी समझते हैं, बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसा कि मेरी गायनेकोलॉजिस्ट ने मुझे बताया था, अगर आप ऐसा करती हैं तो बहुत ज्यादा हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।' 'मुझे लगता है कि हर बच्चा अपनी किस्मत लेकर इस दुनिया में आता है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बहन, जिसकी नौकरी में बहुत ज्यादा ट्रैवल करना पड़ता है और जिसका शरीर बहुत ज्यादा तनाव से गुजरता है, अगर वह नैचुरली बच्चे को जन्म दे सकती है, तो मैं भी नैचुरल तरीका ही अपनाना चाहती हूं।' सुरभि ने आगे माना कि उन्हें अभी भी एग्स फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से थोड़ा डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हम कब प्लान करेंगे, लेकिन यह सही समय आने पर होगा। जब भी ऐसा होगा, यह भगवान का तोहफा होगा।'

104 डिग्री बुखार में भी शूटिंग करती रहीं अविका गोर, डेंगू ने बिगाड़ी तबीयत

'बालिका वधू' और 'ससुराल सिमर का' जैसे मशहूर शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली टीवी और फिल्म एक्ट्रेस अविका गोर को लेकर शॉकिंग खबर सामने आई है। पिछले पांच दिनों से 103-104 डिग्री के खतरनाक बुखार से जूझ रहीं अविका को डेंगू की पुष्टि होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अविका गोर को गंभीर हालत के बावजूद काम के प्रति उनका समर्पण देखकर हर कोई हैरान है। इस कठिन समय में उनके पति मिलिंद चंदवानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अविका का हेल्थ अपडेट दिया है और फैंस से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने की अपील की है।

104 डिग्री बुखार में 2 दिन का काम 1 दिन में निपटाया

मिलिंद चंदवानी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अविका के काम के प्रति असाधारण जुनून का खुलासा किया। मिलिंद ने बताया, अविका पिछले पांच दिनों से 103 से 104 डिग्री बुखार से तप रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने काम से ब्रेक नहीं लिया। उनके एक प्रोजेक्ट की दो दिन की शूटिंग बाकी थी। इतने तेज बुखार में भी उन्होंने इतनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी कि मेकर्स ने दो दिन का काम महज एक ही दिन में पूरा कर लिया। शूटिंग खत्म करने के बाद अविका को दो दिन का ब्रेक मिला। इस दौरान वह पूरी तरह बिस्तर पर थीं, दवाइयां ले रही थीं और उनके लिए ठीक से खाना खाना या हिलना-डुलना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन अपने पुराने प्रोफेशनल कमिटमेंट को पूरा करने के लिए वह इसी हालत में दिल्ली के लिए रवाना हो गईं और वहां एक विज्ञापन की शूटिंग पूरी की। दिल्ली जाने से पहले अविका ने ब्लड टेस्ट कराया था। जब वह वापस मुंबई लौटीं, तब रिपोर्ट में डेंगू होने की पुष्टि हुई, जिसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया है। शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दी। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेंगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़: एसी जैकेट से UV छाते तक, ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है। जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें।

क्या पश्चिम एशिया में फिर बिगड़ेंगे हालात? लाल सागर में हूती लड़ाकों ने सऊदी जहाजों को बनाया निशाना

रियाद, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को सऊदी जहाजों को निशाना बनाया। जिससे पश्चिम एशिया के हालात फिर से बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोहियों ने बुधवार को लाल सागर में एक सैन्य परिवहन पोत पर हमला किया और सऊदी समर्थित ठिकानों पर भी हमले किए। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 'विद्रोही समूह ने मोचा और मारिब क्षेत्रों में सऊदी अरब के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस दौरान हथियार डिपो और कमान केंद्रों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। हमले सटीक थे और इनमें सऊदी नागरिकों समेत दर्जनों लोग हताहत हुए।' हूती लड़ाकों ने कहा है कि वे आगे भी सऊदी अरब की सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाना जारी रखेंगे। सऊदी अरब तनाव बढ़ाकर हमारे देश पर कब्जा करना चाहता है। इससे पहले भी हूति विद्रोहियों ने बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक पोत पर मिसाइल हमला किया था। जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए थे। यमन सरकार ने इस हमले के पीछे हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया था। इस बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल अलीमी ने कहा है कि सरकार हूती विद्रोहियों की कार्रवाई का जवाब देगी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे समूह से लड़ाई खत्म करने, हथियार डालने और देश की राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान भी करते हैं।

सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक': व्हाइट हाउस प्रेस सचिव लेविट की विदाई पर बोले ट्रंप; क्या होगी नई भूमिका?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को (स्थानीय समय) घोषणा की कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ देंगी। वह अपने छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लेविट को अपनी 'सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि वह उनके फैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी व्हाइट हाउस की शानदार प्रेस सचिव और मेरी सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ेंगी, ताकि वह अपने प्यारे छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकें। मैं उनके इस फैसले को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि लेविट आगे भी उनके शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक के रूप में काम करती रहेंगी। साथ ही वह रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि उनका प्रशासन आने वाले मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने आगे कहा, कैरोलिन अब मेरे शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक होंगी और रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि हम इतिहास को

गलत साबित करने और मध्यावधि चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कैरोलिन व्हाइट हाउस में एक सच्ची नेता रही हैं और उन्होंने 2018 से न्याय, स्वतंत्रता और आजादी के लिए शानदार काम किया है। इसमें 2024 का हमारा ऐतिहासिक चुनाव अभियान भी शामिल है। कैरोलिन व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के पद के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रेस सचिवों में से एक रही हैं। कैरोलिन अच्छी तरह से काम करने के लिए आपका धन्यवाद।

कैरोलिन लेविट ने क्या कहा : लेविट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना 'उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान' रहा है। उन्होंने कहा, 'पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतने असाधारण अवसर दिए। इनमें वेस्ट विंग में काम करना, ओवल ऑफिस में अनगिनत घंटे बिताना, दुनियाभर में उड़ान भरना और विदेशी नेताओं से मिलना और हमारे खूबसूरत देश की यात्रा करके हर तरह के लोगों से मिलना शामिल है।

राष्ट्रपति ट्रंप का आभार जताया : लेविट ने आगे कहा, सबसे बढ़कर, मैं राष्ट्रपति की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे व्हाइट हाउस के पोडियम से उनकी ओर से बोलने का विशेष अधिकार और जिम्मेदारी दी। मैंने इस प्रशासन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में बहुत गर्व के साथ बात की है। मैंने उदारवादी मीडिया को जवाबदेह ठहराने और यह सुनिश्चित करने का भी पूरा आनंद लिया है कि अमेरिकी लोगों तक राष्ट्रपति ट्रंप की सफलताओं की सच्चाई पहुंचे। मां के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए लेविट ने कहा कि अपने छोटे बच्चों की परवरिश के साथ इतनी व्यस्त नौकरी करना संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण रहा है।

'जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने का कठिन फैसला' : उन्होंने कहा, मां बनना और एक नए बच्चे का स्वागत करना, साथ ही दुनिया की सबसे कठिन नौकरियों में से एक को करना, मेरी जिंदगी का सबसे संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर रहा है। सच यह है कि अपनी बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने के बाद से मेरे दिल में यह भावना रही कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के लिए जरूरी समय, ऊर्जा और ध्यान देने के साथ मैं अपने दो छोटे बच्चों के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक सबसे अच्छी मां नहीं बन सकती। इसी वजह से मैंने आखिरकार व्हाइट हाउस छोड़ने और अपनी जिंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत करने का यह भावुक लेकिन कठिन फैसला लिया है।

डेमोक्रेटिक पार्टी से अमेरिका के अस्तित्व को खतरा : उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझसे बाहर से उनके शीर्ष सलाहकारों में से एक के रूप में काम करते रहने को कहा है। मैं हमेशा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और रिपब्लिकन पार्टी की खुलकर वकालत करती रहूंगी। हमारा देश एक ऐसी डेमोक्रेटिक पार्टी से अस्तित्व के लिए बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जो लगातार ज्यादा कट्टरपंथी होती जा रही है और अमेरिका की हर महान चीज को नष्ट करना चाहती है। मेरा मानना है कि जो भी लोग इस देश की परवाह करते हैं, उन सभी की जिम्मेदारी है कि वे इस खतरे के खिलाफ लड़ें। मेरी लड़ाई अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुई है।

अमेरिका की वीजा नीति का असर: घट सकते हैं 1.1 लाख विदेशी छात्र, होगा 3.4 अरब डॉलर का नुकसान; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सख्त वीजा नीति और बदलती नीतियों को लेकर बनी अनिश्चितता का असर विदेशी छात्रों के दाखिले पर पड़ सकता है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के शीतकालीन सत्र में अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के दाखिले में 1.1 लाख तक की कमी आ सकती है। शिक्षकों के संगठन (एनएएफएसए) एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल एजुकेटर्स और शोध संस्था जेबी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी छात्रों की संख्या घटने से अमेरिकी स्थानीय अर्थव्यवस्था को 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर यानी करीब 32,457.83 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इससे करीब 39,000 नौकरियों पर भी असर पड़ने का अनुमान है।

11.69 लाख से घटकर 10.57 लाख हो सकती है संख्या : रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के शीतकालीन सत्र में अमेरिका में विदेशी छात्रों के दाखिले की अनुमानित संख्या 11.69 लाख थी। इस साल यह घटकर 10.57 लाख रह सकती है। अमेरिका में विदेशी छात्रों के सबसे बड़े स्रोत के तौर पर भारत की अहम भूमिका है। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 3.63 लाख से अधिक भारतीय छात्रों ने अमेरिका में अलग-अलग पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025-26 के शीतकालीन सत्र में विदेशी छात्रों ने अमेरिकी स्थानीय अर्थव्यवस्था में 41.77 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 3,98,754.02 करोड़ रुपये) का योगदान दिया था। 2026-27 में यह घटकर 38.37 अरब डॉलर (करीब 3,66,296.19 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है। एनएएफएसए की कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैंटा आव ने कहा कि अमेरिका की नीतियां और नियम इस बात को प्रभावित करते हैं कि विदेशी छात्र अपना भविष्य कहां बनाने का फैसला करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के ये फैसले अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था पर छोटे और लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सख्त वीजा नीतियों के अलावा, विदेश विभाग की ओर से फीफा विश्व कप के टिकट धारकों को छात्रों की तुलना में वीजा जारी करने में प्राथमिकता देना भी विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के दाखिले को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐतिहासिक रूप से इस व्यस्त मौसम में विदेश विभाग छात्र और शोधकर्ता वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देता रहा है। इससे छात्रों को समय पर विश्वविद्यालय परिसरों में पहुंचने में मदद मिलती थी। पिछले साल अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अफगानिस्तान और यमन समेत दर्जनों देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाए थे।

कोलंबिया: मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान; बेटे के जन्मदिन पर काल के मुंह से बाहर आई मां

पेरेरा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई। सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है।

इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया।

वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गई। घटना के दिन उनके बेटे का 12वां जन्मदिन था और परिवार जश्न की तैयारी कर रहा था। डेनियला परेरा शहर में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से मलबे में फंस गई थीं और 38 घंटे तक दबी रहीं। रेस्क्यू टीम ने 10 घंटे के कड़े संघर्ष के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय लोगों ने तालियां बजाकर खुशी मनाई। पिता ने इसे अपनी बेटी के दोबारा जन्म जैसा बताया है।

आर्कटिक में तनाव की चेतावनी: पुतिन ने समुद्री मार्ग में भारत की रुचि का जिक्र क्यों किया? नाटो का भी उल्लेख

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्कटिक क्षेत्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस के साझेदार देशों में नॉर्दर्न सी रूट के साथ सहयोग को लेकर दिलचस्पी बढ़ रही है और भारत इस दिशा में प्रमुख देशों में शामिल है। पुतिन ने यह बात बुधवार को प्रशांत बेड़े के जवानों के साथ बैठक के दौरान कही। उनके बयान में भारत का जिक्र ऐसे समय हुआ है, जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच नए व्यापार और समुद्री रास्तों पर सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

नॉर्दर्न सी रूट क्या है और भारत के लिए क्यों अहम : नॉर्दर्न सी रूट आर्कटिक क्षेत्र से होकर गुजरने वाला समुद्री मार्ग है। रूस लंबे समय से इस रास्ते की क्षमता का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर देता रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस इस मार्ग के फायदे का इस्तेमाल

अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के दायरे में रहकर करने को तैयार है। भारत की बढ़ती रुचि का मतलब यह है कि नई दिल्ली इस मार्ग से जुड़ी संभावनाओं को व्यापार और रणनीतिक सहयोग के नजरिये से देख रही है।

पुतिन ने नाटो को लेकर क्या चेतावनी दी : पुतिन ने नॉर्दर्न सी रूट में बढ़ती दिलचस्पी के साथ आर्कटिक में बढ़ते 'कृत्रिम तनाव' की भी चेतावनी दी। उन्होंने बाहरी देशों की गतिविधियों और नाटो के विस्तार का संकेत देते हुए कहा कि आर्कटिक में तनाव पैदा करने की कोशिशों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रूस के लिए आर्कटिक क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद अहम है और वह इस इलाके में अपनी मौजूदगी तथा हितों को लेकर लगातार सतर्क रहा है।

भारत, रूस और चीन की भूमिका क्या : पुतिन ने कहा कि चीन, भारत और दूसरे देश रूस के साथ नॉर्दर्न सी रूट पर सहयोग को लेकर सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने भारत को उन प्रमुख देशों में गिना जिनकी इस समुद्री मार्ग में दिलचस्पी बढ़ रही है। रूस के साथ भारत के पुराने रणनीतिक संबंधों और ऊर्जा सहयोग को देखते हुए आर्कटिक मार्ग आने वाले समय में दोनों देशों के लिए सहयोग का एक नया क्षेत्र बन सकता है। यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने कई प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के बीच रूस अपने व्यापार के लिए वैकल्पिक रास्तों और साझेदार देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहा है। नॉर्दर्न सी रूट इसी रणनीति का अहम हिस्सा है। रूस चाहता है कि इस समुद्री रास्ते के जरिये एशियाई देशों के साथ संपर्क और व्यापार की संभावनाएं बढ़ें। रूस के समुद्री व्यापार को लेकर यूरोपीय संघ की कार्रवाई भी तेज हुई है। पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने और रूसी तेल के निर्यात में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध जहाजों के बेड़े को 'शैडो फ्लीट' कहा जाता है। यूरोपीय देशों ने ऐसे कई जहाजों की जांच और उन्हें रोकने की कार्रवाई बढ़ाई है। इसी मुद्दे पर पुतिन ने यूरोपीय देशों को कड़ी चेतावनी दी है।

ईरानी मिसाइल के निशाने पर थे ट्रंप: दावा- आईआरजीसी को पता थी लोकेशन, खुफिया एजेंसियों ने कैसे फेरा मंसूबे पर पानी

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर खतरे का दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कई इनपुट मिले थे कि ईरान को तुर्किये की राजधानी अंकारा में ट्रंप के ठिकाने की सटीक जानकारी थी। बताया गया कि ईरानी एजेंटों को उस होटल की मंजिल तक की जानकारी थी, जहां ट्रंप ठहरे हुए थे। सुरक्षा अधिकारियों ने इसी दौरान ट्रंप को निशाना बनाने वाले संभावित सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल खतरे का भी पता लगाया। खतरे का आकलन इतना गंभीर बताया गया कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों ने असाधारण सुरक्षा योजना तैयार की।

रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो सम्मेलन के आसपास एक व्यक्ति को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल के साथ भी देखा गया था। साथ ही ऐसी जानकारी सामने आई कि ट्रंप को ले जाने वाले विमान को निशाना बनाया जा सकता है। इसके बाद ट्रंप की आवाजाही को सार्वजनिक रूप से सामान्य दिखाते हुए उन्हें गुप्त तरीके से दूसरे विमान में भेजने की योजना बनाई गई। ट्रंप को एयरपोर्ट से गुप्त तरीके से कैसे निकाला गया? सुरक्षा योजना के तहत ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से पुराने एयरफोर्स वन में सवार होने का दृश्य दिया। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट के अंदर एक कैटरिंग कंटेनर के जरिए गुप्त रूप से बाहर निकाला गया और सैन्य विमान से तुर्किये से बाहर ले जाया गया। दूसरी ओर, मूल एयरफोर्स वन को अंकारा से ब्रिटेन के लिए रवाना किया गया। इसमें विदेश मंत्री मार्को रुबियो, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सहयोगी स्टीफन मिलर तथा स्टीवन च्यूंग समेत कई अधिकारी मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मूल एयरफोर्स वन में मौजूद सभी यात्रियों को खतरे की पूरी गंभीरता की जानकारी नहीं दी गई थी। 8 जुलाई को अंकारा से ब्रिटेन की उड़ान के दौरान यात्रियों को विमान की खिड़कियों के पर्दे बंद रखने का निर्देश दिया गया। बाद में ट्रंप गुप्त रूप से फिर एयरफोर्स वन में शामिल हो गए और कैमरों के सामने ऐसे दिखाई दिए, जैसे वह पूरे समय उसी विमान में रहे हों। इस पूरी कार्रवाई को लेकर पूर्व व्हाइट हाउस अधिकारियों के बीच भी सवाल उठे हैं। इस सुरक्षा अभियान को लेकर दो तरह की राय सामने आई है।

कुछ पूर्व अधिकारियों का मानना है कि जिस विमान को डिकॉय बनाया गया, उसमें मौजूद लोगों को खतरे की जानकारी दी जानी चाहिए थी। वहीं, इस फैसले का बचाव करने वालों का तर्क है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय खतरे की स्थिति में असाधारण कदम उठाना जरूरी था।

बचपन में अलग हुई, फिर दोस्ती हुई और 40 साल पता खुला राज, डीएनए रिपोर्ट ने कैसे बदली दोनों की जिंदगी

संयुक्त राष्ट, एजेंसी। भारत में शिशु अवस्था में अलग-अलग अनाथालयों में छोड़ी गई दो बच्चियां करीब 40 साल तक अपनी-अपनी जिंदगी जीती रहीं। दोनों को नीदरलैंड के अलग-अलग परिवारों ने गोद लिया और दोनों की परवरिश एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हुई। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके जीवन में एक ऐसी बहन भी है, जिससे उनकी मुलाकात किशोरावस्था में हो चुकी है। वर्षों बाद डीएनए जांच ने उनकी पुरानी दोस्ती के पीछे छिपा रिश्ता सामने ला दिया।

कहानी में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मीना और मीनल पहली बार किशोरावस्था में 1996 में एक गोद लिए गए बच्चों की सभा में मिली थीं। उस समय दोनों करीब 100 मील की दूरी पर रहती थीं। पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच असामान्य रूप से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। दोस्तों ने भी दोनों के चेहरे और शक्ल-सूरत में समानता देखी। दोनों ने एक-दूसरे के पते लिए और मजाक में पत्रों में एक-दूसरे को 'बहन' कहकर बुलाने लगीं। इसके बाद करीब 15 साल तक दोनों का संपर्क नहीं रहा।

डीएनए जांच ने कैसे खोला 40 साल पुराना राज : अप्रैल में मीनल ने माईहेरिटेज डीएनए जांच कराई। फोन पर जब जांच का नतीजा आया तो उसमें मीना का नाम बहन के रूप में दिखाई दिया। डीएनए में 100 फीसदी का दुर्लभ मिलान सामने आया। मीनल ने बताया कि वह उस समय अपने घर के सोफे पर बैठी थीं, जब फोन पर नतीजे का संदेश आया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जिस लड़की से वह किशोरावस्था में मिली थीं, वही उनकी सगी बहन है।

क्या दोनों को पहले कभी अपने रिश्ते का अंदाजा हुआ था : बचपन में दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी कोई बहन है। मीनल ने बताया कि वह अपने डच माता-पिता और भाई-बहनों के साथ प्यार से पली-बढ़ीं, लेकिन उनके भीतर एक गहरी अकेलेपन की भावना भी थी। दूसरी ओर, मीना भी लंबे समय से अपने भीतर एक खालीपन महसूस करती थीं। जब डीएनए जांच से रिश्ता सामने आया तो उन्हें लगा जैसे जिंदगी का कोई खोया हुआ हिस्सा वापस मिल गया हो। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मीनल को पहले यह समझ नहीं आया कि मीना वही लड़की है, जिससे वह करीब 30 साल पहले मिली थीं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर मीना को खोजा और उसकी तस्वीरें देखीं। तस्वीरों को देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया कि डीएनए रिपोर्ट में जिस बहन की बात सामने आई है, वह वही पुरानी दोस्त है। मीनल ने कहा कि वे बहन बनने से पहले दोस्त थीं और असल में वे पूरी जिंदगी बहनें ही थीं, बस उन्हें इसका पता नहीं था। रिश्ता सामने आने के बाद दोनों बहनों ने नीदरलैंड में भावुक मुलाकात की। इस दौरान आंसू, गले मिलना और हंसी एक साथ दिखाई दी। दोनों ने पहली बार साथ में सेल्फी भी ली। मीना ने अपनी बहन से कहा कि जब वह उसे देखती हैं तो उन्हें घर जैसा महसूस होता है। अप्रैल में डीएनए नतीजा आने के बाद से दोनों हर दिन घंटों फोन पर बात और संदेशों के जरिए एक-दूसरे से जुड़ी रहती हैं।

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी?

अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी-2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद : ईबी-2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी-2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत : भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी-2 और ईबी-3 भारत

श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है।

क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है : फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

नए वित्त वर्ष में भारतीयों के लिए क्या चुनौती रहेगी : इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.